

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

216

do 27]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 2, 1977 (आषाढ़ 11, 1899)

No. 27] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 2, 1977 (ASADHA 11, 1899)

इस भाग में भिन्न पूट्ट संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# MM III—GOS 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

(2915)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 मई 1977

सं० ए० 32013/3/76-प्रशा० I :--संघ लोक सेवा ग्रायोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्वायी ग्रेंड I ग्रधिकारी तथा मंघ लोक सेवा भ्रायोग में कार्यरत श्रवर सचिव श्री ग्रार०, एस श्रहलुवालिया को 4-5-1977 से 2-7-1977 तक र्इंग् अवधि के लिए ग्रयवा आगामी ग्रादेशो तक, जो भी प्राची, संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में उप सचिव के पद प्रानियुक्त किया गया है।

दिनांक 31 मई, 1977

मं० ए० 32013/3/76-प्रशा०-] :---इस कार्मालय की ममसंख्यक शिधसूचना दिनांक 7-5-1977 के अनुत्रम में, भारतीय यर्थ मेवा के अधिकारी श्री ज्ञान प्रकाश को, राष्ट्रपति द्वारा 9-5-1977 में 30-6-1977 तक की श्रतिरिक्त श्रविध के निए ग्रथना शागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, मंघ लोक मेवा सायोग क कार्यालय में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया जाना है।

1-136 जी आई/77

100 No. 100 1.074

C d No.

Processed Checked

Date of Transfer

दिनांक 2 जून 1977

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० I — संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में स्थायी वैयक्ति सहायक (के० स० स्टे० से० का प्रेड्डू ग) श्री श्रार० एल० ठाकुर को, जिन्हें समसंस्थक प्रादेश दिनांक 14 मार्च, 1977 हारा 3-5-1977 तक पूर्णतः श्रस्थायी और तदर्थ श्राधार में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, राष्ट्रपति हारा 4-5-1977 से 31-7-1977 तक की श्रतिरिक्त श्रथि के लिए श्रथवा श्रागमी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उसी हैसियत में पूर्णतः श्रस्थायी और तदर्थ श्राधार में स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की धनुमति प्रदान की आती है।

प्र० ना० मुखर्जी, ग्रवर सचित्र

नई दिल्ली-110011, दिनाक 1 जून, 1977

सं० ए० 12019/5/74-प्रशा० II — मलाहकार, संघ लोक मेत्रा श्रायोग एतद्हारा मंघ लोक मेवा श्रायोग में केन्द्रीय मचिकालय मेवा संवर्ग के श्रनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी श्रिक्षारी श्री एम० एस० छावड़ा को 2-6-77 से दो महीने की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में किनष्ट अन्वेषक के पद पर तदर्थ आधार में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. श्री छाबड़ा किनष्ट श्रन्वेषक के संवर्गबाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर कार्य करते रहेंगे श्रीर उनका वेतन समय समय पर संशोधित वित्त-मंत्रालय के का० ज्ञा० सं० एफ० 10 (24)- ई० III/60, दिनांक 4 मई, 1961 के निहित उपबन्धों के श्रनुसार होगा।

प्र० ना० मुखर्जी, ग्रवर सचिव कृते मलाहकार संघ लोक सेवा आयोग

## केन्द्रीय सतर्कता धायोग नई दिल्ली, दिनांक 14 जून 77

सं० 32/1/77-प्रशासन — केन्द्रीय सतर्कता ध्राय्वत एतद्-द्वारा श्री एस० एन० भल्ला, जो स्थानापन्न धनुभाग श्रधिकारी हैं भौर जो भ्रनुसंधान श्रधिकारी के रूप में कार्य कर रहे हैं, को स्थायी श्रनुभाग श्रधिकारी के रूप में 17 श्रगस्त, 1976 से नियुक्त करते हैं।

> श्री निवास, धवर स<mark>चिव</mark> कृते केन्द्रीय सतकंता आयोग

## गृह मंत्रालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुद्वार विभाग) केन्द्रीय भन्वेषण अ्यूरो

नई दिल्ली-1, दिनांक 9 जून 77

सं० एम०-5/72-प्रशासन-5 :—श्री मोहम्मद प्रफीक, अपराध सहायक, जोन-II, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 23-5-77 के पूर्वाह्म से अगले आंदेश तक के लिए प्रोन्नति पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में कार्यालय अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया जाता है।

पी० एस० निगम प्रशासन धधिकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल 🖫 नई दिल्ली-110001, दिनांक 9 जुन 1977

सं० पी० सात-4/76 -स्थापना - छः ---राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के निम्नलिखित सूबेदार मेजरों/सूबेदारों को उप-पुलिस प्रधीक्षक के पद पर अस्थायी रूप में अगले ब्रादेश जारी होने तक पदोन्नत करते हैं।  उन्होंने प्रपने पद का कार्यभार बटालिनों में उनके समक्ष दी हुई तिथियों से सम्भाल लिया है।

कमांक श्रधिकारीकानाम	यूनिट का नाम  कार्यभार सम्भालने की तिथि
1. श्री भरोसा नन्द	37 बटालियन 14-4-77 पूर्वाह्न
2. श्री राधे लाल	37 ,, 14~4-77 भ्रपराह्म

## विनांक 10 जून 77

सं० O-II-1058/77-स्थापना — राष्ट्रपति डाक्टर राम भरोसा ठाकुर को अस्थायी रूप से धागामी धादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस दल में जी० जी० धो० ग्रेड II (डी० एस० पी० / कम्पनी कमांडर) के पद पर उनको 30-5-77 पूर्वाह्म से नियुक्त करते हैं।

## दिनांक 14 जून 1977

सं O-II-975/74-स्थापना — डाक्टर बामादेश मोहन्ती के तदर्श रूप का समय समाप्त होने पर, उनकी सेवाएं कनिष्ठ चिकित्सा भिष्ठकारी, केन्द्रीय रिखर्व पुलिस दल से 31-5-77 अपराह्म से समाप्त की जाती है।

सं० O.II-1060/77 (स्थापना) — राष्ट्रपति जाक्टरं राजन्द्र कुमार नेगी को ग्रस्थायी रूप से ग्रागामी ग्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में जी० जी० ग्रो० ग्रेड-I (सहायक कमांडेट) के पद पर उनको 1-6-1977 पूर्वाह्र से नियुक्त करते हैं।

> ए० के० बन्धोपाध्याय सहायक निदेशक प्रशासन

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई विल्ली-110011, दिनांक 9 जून, 1977

11/1/77-प्रशा० I — राष्ट्रपति, पश्चिम बंगाल में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में कार्यालय प्रश्नीक्षक, श्री एस० के० मजूमदार को नागालैण्ड में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर तारीख 18 श्रप्रैल, 1977 के अपराह्म से 6 महीने की धवधि के लिए पूर्णतः श्रस्थायी और तदर्भ श्राधार पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री मजूमदार का मृख्यलय को हिमा में होगा।

सं० 11/1/77-प्रभा० I —-राष्ट्रपति, हिमाचल, प्रदेश के जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में कार्यालय श्रधीक्षक श्री बी० डी० शर्मा को चण्डीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र के जनगणना कार्यं निदेशक के कार्यालय में सह।यक निदेशक, जनगणना कार्यं के पद पर तारीख 1 अप्रैल, 1977 की पूर्वाह्म से 6 महीने की अवधि के लिए पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर सहवं नियुक्त करते हैं।

श्री शर्मा का मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा।

## दिनांक 10 जून 1977

सं० पी०/के० (II) प्रणा० I---राष्ट्रपति, भारत के महापजीकार के कार्यालय के श्रन्वेषक, श्री यू० एस० चतुर्वेदी को, श्री एम० जी० किनी, श्रनुसधान श्रधिकारी की छुट्टी मंजूर किए जाने पर तारीख 2-6-1977 से तारीख 30-7-1977 तक उसी कार्यालय मे पूर्णतः ग्रस्थायी श्रीर तदर्थ श्राधार पर श्रनुसधान ग्रधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

बद्रीनाथ भारत के उप महापंजीकार **औ**र प**दे**न उप सचिव

## स० व० प० राष्ट्रीय पुलिस स्रकादमी, हैदराबाद, दिनाक 31 मई 1977

सं० एस० /1-6 -IV — केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा संघर्म के दीन दयाल उपाध्याय होस्पीटल, हरीनगर, नई दिल्ली में स्थानान्तर हो जाने के फलस्वरूप डा० एन० सी० बोस, सर्जन (स्पेभान ग्रेड II) ने सरदार बल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी के होस्पीटल में स्टाफ सरजन के पद का कार्यभार दिनांक 30 मई, 1977 के अपराह्म को छोड़ा।

हैदराबाद में स्थित केन्द्रीय सरकार के स्वास्थ्य सेवा के डा॰ टी॰ वी॰ एस॰ डी॰ मूर्ती, जे॰ एम॰ घो॰ (एउहाँक) ने सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस प्रकादमी के होस्पीटल में स्टाफ सरजन के पद का कार्यभार दिनांक 30 मई, 1977 के प्रपराक्ष को ग्रहण किया।

महमूद बिन मुहम्मद, प्रभारी निदेशक

## उत्तर पूर्वी परिषद

#### शिलांग, दिनांक 11 मई 1977

सं० एन० ई० सी० 71/77—महानिरीक्षक श्रसम राइफल्स, मुख्यालय शिलांग के स्थायी ग्रधीक्षक श्री ग्रभिय कुमार शर्मा की सेवाएं महानिरीक्षक श्रसम राइपलस मुख्यालय शिलांग द्वारा प्रतिनियुक्ति पर उत्तर पूर्वी परिषद् सचिवालय शिलांग को सौप दिए जाने पर उन की नियुक्ति 30-4-77 (श्रप-राह्न) से समय समय देय श्रन्य भक्तो सहित 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-100'0-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान मे उत्तर पूर्वी परिषद सचिवालय मे श्रनुभाग श्रधिकारी के पद पर श्रस्थायी रूप से की जाती है।

2. यह ग्रधिकारी पर निर्भर है कि वह मूल विभाग के ग्रेड बेतन और ग्रेड बेतन के जोड़ पर 10% प्रतिनिधुक्ति (इयूटी) भ्रता प्राप्त करे अथवा समय समय पर संशोधित भारत सरकार विक्ते मंत्रालय (व्यय विभाग) के तारीख 7 नवस्वर; 1975 के का० भा० सं० फ० 1 (II)-ई०-III (बीं०) /75 में दिए कए धनुदेशों के धनुसार प्रतिनियुक्ति पद का देतन प्राप्त करे।

3. एक बार दिया गया विकल्प श्रन्तिम होगा श्रौर उसे तब तक बदला नही जा सकता जब तक कि भाग्त सरकार विश्व मंत्रालय के उपर्युक्त का० शा० के पैरा 8.2 में दी गई मती के श्रनुसार नया विकल्प न दिया जाए ।

4. प्रतिनियुक्ति की भ्रविध 30-4-77 (पूर्विह्न) से एक वर्ष की होगी।

के० एम० मिरानी, सचिव

वित्त मन्नालय ( भर्ष विभाग )

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय नासिक रोड, दिनांक 4 जून 77

सं० 411/ए०---वि० 26-4-77 के कम मे श्री एस० एन० कुर्डी को उप नियंत्रण ग्रिधकारी के पद पर नवीन चलार्थ पद्म मुद्रणालय में 3-8-1977 तक नियुक्त करते हैं।

> र्डा० सी० मु<mark>खर्</mark>जी महाप्रबन्धक

## ग्राधिक कार्य विभाग बैंक नोट मुद्रणालय देवास, दिनाक 7 जून 1977

पस क० बी० एन० पीं० ई० | 8 | एम० 6—श्री एम० लक्ष्मीनारायणा, स्थाई नियलण निरीक्षक को तदर्थ ब्राधार पर बैंक नोट मुद्रणालय में र० 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 7 जून, 1977 से 3 माह की भवधि तक या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक या जो भी इनमें से पहले हो उप-नियन्त्रण ब्रिधकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

पी० एस० शिवराम महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय महालेखाकार वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध व नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1977

कार्यालय श्रादेश स० प्र० 1/25—भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक ने श्री डी० पी० सरीन, लेखाधिकारी को 13 मई, 1974 से दिल्ली विद्युत्त प्रदाय में स्थायी समावेशन की सहषें संस्वीकृति वी है। केन्द्रीय सिविल सेवा (पेशन) नियमावसी 1972 के नियम 37 के अनुसार षे (श्री सरीन) भारत सरकार सेवा से उनके दिल्ली विद्युत्त प्रदाय में समावेशन की तिथि से ही सेवा निवृत्त समझे जायेगे।

के० पी० रंगास्वामी महालेखाकार

## महालेखाकार श्रान्ध्र प्रदेश हैदराबाद, दिनाक 10 जून 1977

महालेखाकार श्रान्ध्र प्रदेश , हैदराबाद कार्यालय के ग्रधीन लेखा सेवा के स्थानापन्न सदस्य श्री बी० पत्सम राजु को महा-लेखाकार श्रान्ध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतन मान रु० 840-40-1000 ई० बी० -40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा प्रधिकारी के पद पर 30-5-1977 के पूर्वाह्म से जब तक आगे थ्रादेश न दिये जाए, नियुक्त किया जाता है। यह पदोश्रात उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकृत प्रभाव हालने वार्शा नहीं है।

एस० थार० मुखर्जी, प्रवर उप-महालेखाकार (प्रशासन)

### रक्षा लेखा विभाग

## कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियन्नक नई दिल्ली-22, दिनाक 9 जून 1977

सं०-40011(2)/77/प्रणा०---वार्धक्य निवर्तन की स्रायु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा श्रधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के प्रपराह्न से पेशन स्थापना की स्रन्तरित कर दिया जाएगा/गया।

ऋम सं०	नःम, रोस्टर संख्या सहित		ग्रेड	षेशन स्थापना को अन्तरण की तारीख	सगठन
1	2		3	4	5
1	सर्व श्री अमरीक सिंह कोछड़ (पी०/23)		स्थायी लेखा श्रधिकारी	31-12-77	रक्षा लेखा नियंसक, (वायु मेना) देहरादून ।
2.	देव कुमार घोष (गे॰/64)		स्थायी लेखा श्रधिकारी	31-10-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकता।
3.	एम० जीं ० गींड बीले, (पीं०/140)	•	स्थार्यः लेखा ग्रिधकारी	31-10-77	रक्षा लेखा नियंत्रक. (श्रफसर) पूना।
4	एल० श्वार० बैंकटरामन. (पी०/18	1) .	स्थायी लेखा श्रधिकारी	31-10-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी। कभान, मेरठ।
5.	एस० वे <b>० वेंस</b> , (पी०/232)		स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-10-77	रक्षा लेखा नियवक, (फीवट्रीज) कलकत्ता।
6.	डीं० सी० दुआ, (पीं०/283)	•	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-12-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कसान, मेरठ।
7.	के० जम्बृन।थन, (पीं०/304)	•	स्थायी लेखा श्रधिकारी	31-10-77	रक्षा लेखा नियतक, श्रफसर, पूना।
8.	ए० विक्वन।थन् (पी०/315)		स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-10-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वाय, सेना) देहरादून ।
9.	ग्रो० पी० गुप्ता. (पी०/356)		स्थायी लेखा प्रधिकारी	31-10-77	रक्षा लेखा नियलक, (वाय् सेना) वेहरादून ।
10.	ए० राजगोपालन, (पी०/394)		स्थायी लेखा प्रधिकारी	31-11-77	्रक्षा लेखा नियत्नक, दक्षिणी कमान,पूना।
11.	के० एन० बनर्जी, (पी०/411)	•	स्थायी लेखा भ्रधिकारी	31-10-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैस्ट्रीफ) कलकत्ता।
12.	एल० एस० बियस, (पी०/532)		स्थायी लेखा भक्षिकारी	31-12-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, (बायु सेना) वेहरावून।

1	2	3	4	5
	सर्वर्थीः			
13.	डी०पी० मोहिन्द्रा, (पो०/569)	स्यार्या लेखा ग्रधिकारी	31-10-77	रक्षा लेखा नियंभक, (वासृ सेना) देहरादून।
14.	एस० के० सचदेव, (म्रो०/5)	स्थायी लेखा श्रधिकारी	30-9-77	रक्षा लेखा नियक्षक, (बायु सेना) देहरादून ।
15.	के० सुत्रह्मण्यन, (श्रा०/133)	स्थानापन्न लेखा अः । ारी	30-11-77	रक्षा लेखा नियन्नक, (कायु सेना) देहरादून ।
16. 5	एम० ग्रार० एम० राधवाचारी, (ग्रो०/291)	स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी	31-12-77	रक्षा लेखा नियन्नक, (वाय् सेना) देहरादून ।
17.	के० एस० ग्रस्थाना, (ग्रो०/308) .	स्थानापन्न लेखा म्रधिकारी	31-10-77	रक्षा लेखा नियन्नक, (पेशन) इलाहाबाद।
18. 3	डी० प्रार० धीमन, (श्रो०/353) .	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	30-11-77	रक्षा लेखा नियक्षन, (वाय् सेना) देहराधून।
19	कस्तूरी लाल, (भ्रो०/417) .	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	30-11-77	रक्षा लेखा नियज्ञक, मध्य कमान, मेरठ ।
20.	र्पा० ग्रार० चोपडा, (ग्रो०/421)	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	30-11-77	रक्षा लेखा नियन्नक, मध्य कमान, भेरठ।
21 (	एन० वी० पडित, (ग्रर्भा नियत नहीं)	स्थान।पन्न लेखा ग्रधिकारी	31-10-77	रक्षालेखा नियस्नक, (श्रफ्सर) पूना।
22	के० सोम सुन्दरम, (श्रभी नियत नहीं)	स्थान।पन्न लेखा ग्रधिकारी	31-1-77	रक्षा लेखा नियम्रक, दक्षिणी कमान, पूना ।
23 3	जी० एन० सक्सेना, (ग्रभी नियत नही)	स्थान(पन्न लेखा श्रधिकारी	31-10-77	रक्षा लेखा नियस्न4, (व₁य् सेना) देहरादून ।
24. ए	्म० गोपालन, (ग्रभी नियन नही) .	रथानापन्न लेखा श्रधिकारी	31-8-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, (ग्रन्य रैक) दक्षिण-मद्रास ।

श्री ए० राजगोपालन, स्थायी लेखा श्रधिकारी, को सेवा निवृत्ति पूर्व 1-7-1977 से 31-11-1977 तक की छुट्टी मजूर की गई है।

पी० के० रामामुजम, रक्षा लेखा भ्रपर महा नियंक्षक (प्रणा०)

<sup>(2)</sup> मिविल सेवा विनियमावली जिल्द-। के भ्रन्चिंद 459(V) के प्रावधानों के ग्रन्तर्गत स्वेच्छा से सेवा निवित्त का नोटिस देने पर, रक्षा लेखा नियवक (पश्चिमी कमान) मेरठ के सगठन में सेवारत श्री श्रार० पी० बैरी, स्थायी लेखा श्रधिकारी. (ग्रो०/ 21) को 20 जुलाई, 1977 श्रपराह्म से पेशन स्थापना को श्रन्तरित कर दिया जायेगा।

<sup>(3)</sup> निम्नलिखिन को, इस विभाग की ग्रीधसूचना सं०-40011(2)/76-प्रणा० ए० दिनांक 16-12-77 के पैरा-6 के क्रप में जोड़ा जाता है।

<sup>&#</sup>x27;'श्री ध्रारु एस० बंमल, स्थायी लेखा अधिकारी, को सेखा निवृत्त पूर्व 11-4-77 से 30-6-77 तक 81 दिन की छ्ट्टी मंजूर की गयी है।''

<sup>(4)</sup> निम्नलिखित को, इस विभाग की श्रधिसूचना स०-40011(2)/76-प्रशा० ए० दिनांक 21-3-77 के पैरा 7 के रूप में जोड़ा जाता है।

<sup>&</sup>quot;श्री० बी० के० बनर्जी, स्थायी लेखा ग्रधिकारी, को सेवानिवृत्ति पूर्वे 15-4-77 से 31-7-77 तक 108 दिन की ग्रजित छुट्टी मंजूर की गई है।"

#### वाणिज्य मंत्रालय

## सुक्य-नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1977

सं० 5/8/70-प्रकासन (राज) 4069—मुख्य-नियंत्रक, श्रामात-निर्यात एतद्द्वारा निम्नलिखित श्रिधकारियों को उनके नाम के सामने संकेतित तिथि से, श्रायात-निर्यात व्यापार नियंत्रण संगठन, बाणिज्य मंत्रालय में नियंत्रक श्रायात-निर्यात (श्रेणी-2 केन्द्रीय सन्विवालय सेवा से भिन्न) के पद पर स्थायी करते हैं :—

क्रम संख्या ग्रधिकारी का नाम	जिस तिथि से स्थायी कियागया
<ol> <li>श्री डी० एस० नरसिमिया, नियंत्रक, उप मुख्य-नियंत्रक, द्रायात-निर्यात का कार्यालय, हैदराबाद।</li> </ol>	15-10-1971
<ol> <li>श्री क० थानजुषा, नियंत्रक शिलांग (उद्योग निदेशालय, मिजोरम को प्रतिनियुक्ति पर)।</li> </ol>	15-10-1971
<ol> <li>श्री एच० पी० दास, नियंद्रक, श्रायत- निर्यात, शिलांग ।</li> </ol>	15-10-197 <b>1</b>

ए० टी० मुखर्जी उप-मुख्य नियंक्षक, आयात-नियति कृते मुख्य-नियंत्रक, आयात-नियति

## पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन भ्रनुभाग-1)

नई दिल्ली, विनांक 9 जुन 1977

सं० प्र०-1/1(201) — पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में स्थायी सहायक निदेशक (ग्रेड-II) भी सनमोहन लाल दिनांक 31 मई, 1977 के अपराह्म से निवर्तमान ग्रायु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

## दिनांक 14 जून 1977

सं० प्र०-1/1(1098)/77---महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्दारा निरीक्षण निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मंडल, नहें दिल्ली में बधीक्षक (अधीक्षण स्तर-II) श्री श्री० पी० निश्वाबम को दिनांक 1 जून, 1977 के पूर्वीह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में सहायक निदेशक (प्रेड-II) के पद पर नदर्थ आधार पर स्थानापक रूप से नियुक्त करते हैं।

कीरत मिह, उप निदेशक (प्रणासन) **कृते** महानिदेशक

## इस्पात भ्रौर खान मंत्रालय

## (स्त्रान विभाग)

## भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकता-700016, दिनांक 7 जून 1977

सं० 3 (5) /71/19 बी:—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक द्वारा निम्नलिखित ग्रिधकारियों की सहायक भूभौतिकीविद (उपकरण) के तदर्थ पद को, उसी विभाग में, भ्रागामी भ्रादेश होने तक 26 भ्रप्रैल, 1977 के पूर्वाह्म से नियमित कर रहे हैं:—

- (1) श्री ए० के० भट्टाचार्जी
- (2) श्री भ्रार० के० सिन्हा
- (3) श्री जैकब फिलिप

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के उक्त ग्रधिकारी सहायक भूभौतिकीविद (उपकरण) के पद पर प्रत्येक के सामने दर्शाई तिथि से तदर्थ नियुक्ति पर थे।

(1)	श्री ए० के० भट्टाचार्जी	5-2-1971
		(पूर्वाह्न)
(2)	श्री श्रार० कें० सिन्हा	5-2-1971
		(भ्रपराह्म)
(3)	श्री जैकब फिलिप	29-3-1971
		(पूर्वाह्म)

## विनांक 10 जून 1977

सं० 2181(1) VI/19 बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखत वरिष्ठ तक्षनीकी सहायको (रसायन) को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक द्वारा सहायक रसायनज्ञ के रूप में, उसी विभाग में, वेतन नियमान्सार 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000-व० रो०-40-1200 रू० के वेतनमान में, ब्रागामी भावेश हीने तक, तदर्थ श्राधार पर, प्रत्येक के सामने दर्शायी गयी तिथि से नियुक्त किया जा रहा है:—

क्रमांक	नाम 	नियुनित तिथि
1.	श्री पी०के० दत्त	11-5-1977 (पूर्वाह्म)
Ź.	श्री ए० के० चकवर्ती	11-5-1977
		(पूर्वाह्म)

एस० वी० पी० भ्रायंगर, उप महानिदेशक कृते महानिदेशक

## भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, विनांक 8 जून 1977

सं० ए० 19011 (12) /70 स्था० ए० -- ग्रफगानिस्तान सरकार से प्रत्यावर्तन होने पर श्री एस० बालगोपाल, क्षेत्रीय खान नियंत्रक ने 24 मई, 1977 के पूर्वाह्म को भारतीय खान ब्यूरो में क्षेत्रीय खान नियंत्रक के रूप में पुनः कार्यभागसंभाल लिया है।

सुरेश चन्द्र, कार्यालयाध्यक्ष

## नागपुर, दिनांक 8 अप्रील 1977

सं० ए० 19011 (23) /76 स्था० ए० : — ग्रफ्ता निस्तान सरकार में खनन विशेषज्ञ के रूप में प्रतिनिधृक्षित होंने पर श्री ग्रो० पी० सचदेव क्षेतीय खान नियंत्रक ने दिनांक 4 मई, 1977 के ग्रपराह्म से भारतीय खान ब्यूरो में क्षेत्रीय खान नियंत्रक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

एच० ग्रार० एस० राव, प्रशासन ग्रधिकारी

## ग्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, विनांक 16 जुन 1977

सं० 4 (17) /76-एस०-एक :---महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री परवेज ग्रहमद कुरेशी को 24 मई, 1977 से श्रगले ग्रादेशों तक रेडियो कश्मीर, श्रीनगर में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर ग्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

नन्द किशोर भारदाज, प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

## नई दिल्ली, दिनांक 14 जून 1977

सं० 2/5/68-एस०-घो:—महानिदेशक, श्राकाशवाणी, श्री पी० डी० श्राचारी, लेखाकार, श्राकाशवाणी, पणजी को विनांक 27-4-77 (पूर्वाह्म) से श्राकाशवाणी, पणजी में तदर्थ श्राक्षार पर, प्रशासनिक श्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

एस० वी० सेषाद्री, प्रणासन उपन्टिशक **कृते** महानिदेशक

## सूचना भीर प्रसारण मंत्रालय विज्ञापन भीर वृष्य प्रचार निदेशालय मई दिल्ली, विनांक 10 जन 1977

मं० ए० 22013/1/77-स्था०:— ग्रायकर विभाग के क्षेत्रीय लेखा कार्यालय, श्रहमदाबाद में लेखा ग्रिधकारी के पद पर नियुक्ति हो जाने पर, इस निवेशालय के लेखा श्रिधकारी ( छेनुटेशन श्राधार पर ) श्री टी० सूर्यनारायन को 1 जून, 1977 श्रपराह्म से श्रपने कर्तव्य भार से मुक्त किया गया।

भ्रार० देवासर, उप निदेशक (प्रशासन) कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय केन्द्रीय ग्रनुसंधान संस्थान कसीली, दिनांक 8 जुन 1977

सं० 25-27/72 प्रणासनः :---केन्द्रीय सिविल सेवा ( प्रस्थाई सेवा) नियमावली 1965 के नियम 5 के उपनियम के प्रनुसार में श्री जितन्दर कुमार, इन्धनयाता, केन्द्रीय प्रनुसधान मंर्कान, कसीली को ( ग्रिधिसूचना ) नोटिम देना ह कि इस नोटिस के तामिल होने की तारीख से एक मास की समाध्त पर ग्रथवा जैसा भी ग्रवसर उसे विया जाये उसकी सेवाये खत्म मानी जायेंगी।

यह नोटिस भारत के राजपद्ध में प्रकाणित होने की तिथि से ही लागू माना जायेगा।

म् ० बालासुब्रहमन्यन, निदेशक

## नई दिल्ली, दिनांक 9 जुन 1977

ग्रो० पी० बाली, उप निदेशक प्रशासम

## नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1977

सं० ए-24012/5/76 डी०:—राष्ट्रपति केन्द्रीय धौषध मानक नियंत्रण संगठन, पश्चिम जोन बम्बई के धौषधि निरीक्षक बी एस० के० देसाई को 3 जनवरी, 1977 पूर्वाह्न से 5 फरवरी, 1977 ध्रपराह्म तक तदर्थ ग्राधार पर श्री टी० एस० बेंकटरमम की भ्रवकाश अवधि में उनके स्थान पर सहायक भौषध नियंत्रक (भारत) बम्बई के पद पर नियुक्त करते हैं।

## दिनांक 14 जून 1977

सं००० 12026/4/77 डी० सी०:—-राष्ट्रपति केन्द्रीय भीषधि प्रयोगशाला के तकनीकी श्रधिकारी (भैषजिक रसायन शास्त्र ) डा० पी०सी० बोस को 30 श्रप्रैल, 1977 ध्रपराह्म से उसी प्रयोगशाला में विष्ठ वैज्ञानिक श्रधिकारी (संदर्भ मानक) के पद पर तदर्थ श्राधार पर तथा श्रागामी श्रादेकों तक निष्कुक्त करते हैं।

डा०पी०सी० बोस ने केन्द्रीय भौषधि प्रयोगणाला, कलकत्ता में उसी दिन तकनीकी श्रधिकारी (भैषिजक रसयान-शाम्स्र ) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए० 12026/4/77-डी० सी०:—-राष्ट्रपति ने केन्द्रीय ग्रीषधि प्रयोगणाला, कलकत्ता के सह-भेषजगृणविज्ञानी डा॰ (श्रीमती) दिपाली राय को 30 श्रप्रैल, 1977 श्रपराह्म से ग्रागामी श्रादेशों तक उसी प्रयोगणाला में बरिष्ठ वैज्ञानिक

श्रिष्ठकारी (विपित्रज्ञान) के पद पर तदर्थ श्राधार पर বিयुक्त किया है।

डा० (श्रीमती) दिपाली राय ने केन्द्रीय श्रीपधि प्रयोगणाला, कलकत्ता में उसी दिन सह-भेषजगुणविज्ञानी के पद वा कार्यभार छोड़ दिया।

मं० ए० 12026/4/77-ई।० सी० :---राष्ट्रपति ने केर्द्रीय औषधि प्रयोगणाला, तलकत्ता के तकतीकी श्रीध्यारी (जीव-रसायन शास्त्र) श्री एम० के० रुद्र को उसी प्रयोगणाला में वंगिष्ठ वैज्ञानिक श्रीधकारी (भैषजिक अनुसंधान) के पद पर 30 अप्रैल 1977 अपरोह्न से ग्रागामी श्रादेशों तक तद्दर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

श्री एस० के० रुद्र ने केन्द्रीय श्रीषधि प्रयोगशाला, कलकत्ता में तकनीकी श्रिधकारी (जीवरसायनशास्त्र) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

भूरज प्रकाश जिन्दल, उप निदेशक प्रशासन

## नई विल्ली, दिनांक 15 जून 1977

सं० ए० 11017/5/76-के० स० स्वा० से० I:—-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रार० केशवदास पिल्लई को 25 फरवरी, 1977 पूर्वीह्म से 3 मास की श्रविध के लिये या संघ लीक सेवा श्रायोग द्वारा चयन किये गये नियमित चिकित्सक के उपलब्ध होने तक इनमें जो भी पहले हो, केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नागपुर में श्रायुर्वेदिक चिकित्सक के पद पर तदम श्राधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 11017/5/76-के० स० स्वा० यो० I:—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) विनोद कुमारी को 21 फरवरी, 1977 पूर्वाह्म से तीन महीने तक या संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चयन किये गये प्रत्याशी के इ्यूटी ग्रहण करने तक जो भी पहले हो, केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में भ्रायुर्वेदिक चिकित्सक के पद पर तदर्भ भ्राधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए.० 39013/7/76-कें ० स० स्वा० यो०-1 (भाग): --प्रपने त्यागपत की स्वीकृति के फलस्यरूप डा० जें ० श्रीनिवासुलू
ने 10 मार्च, 1977 के प्रपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य
योजना, दिल्ली के प्रधीन कनिष्ठ चिकित्मा प्रधिकारी के पद का
येभार छोड़ दिया।

सं० ए० 39013/7/70-र्सा० जी० म्झ० मन् जी (भाग 3): — अपना त्यागपत्र मंजूर हो जाने के फलस्तरण तदर्ध आधार पर कार्य कर रहे कनिष्ठ चिकिन्सा अधियारी, टा० के० सी० चीपड़ा ने 3 जनवर्स, 1977 अपराह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के अधीन कनिष्ठ चिकिन्सा अधिवारी वे पद का कार्यभार छोड़ विया।

राज कुसार जिन्दल, उप निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय
(ग्राम विकास विभाग)
विषणन एवं निरीक्षण निदेणालय
फरीदाबाद, दिनांक 13 जून 1977

सं० फाइल 4-5 (82)/77-प्रशा० III:---संघ लोक सेवा श्रायोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री जमनलाल सहायक विपणन श्रधिकारी को नई दिल्ली में दिनांक 9 मई, 1977 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक ६० 650~1200 के वेतनमान में स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग- ) नियुषत किया जाता है।

विपणन ग्रिधिकारी के रूप में नियुक्ति होने पर श्री जमनसास ने दिनांक 9 मई, 1977 को (पूर्वाह्न) से नई दिल्ली में सहायक विपणन ग्रिधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० फाईल 4-6 (117)/77-प्रशा० III :- एस० पी० सक्सेना, वरिष्ठ निरीक्षक को विषणन एवं निरीक्ष, निदेणालय, गुन्टूर में विनांक 17 मई, 1977 (पूर्वाह्न) से 6 माह की अवधि के लिए अल्पकालीन आधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले घटिन हो, स्थानापन्न सहायक विषणन अधिकारी (वगै-I) नियुक्त किया गया है।

> बी० एल० मनीहार, निदेशक प्रशासन कृते कृषि विपणन सलाहकार

## भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कामिक प्रभाग

बंबई-85, दिनांक 26 मई 1977

संदर्भ : 5/1/7/स्थाप०/11/2084---भ भा परमाण् अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक सहायक सुरक्षा अधिकार्र, श्री. एम० जेलद्द्या को सुरक्षा अधिकारी श्री ई० हजारीवाल, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 29-12-1976 से 13-4-1977 तक इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थान।पन्न सुरक्ष, अधिवारी ि, सहत करने हैं।

> एम० के॰ एस० सुबन्धितयन उप स्थापना अधिकारी

वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण देहरादून, दिनांक 10 जून 1977

मं० 3-2/76-प्रशासन—श्री गुमान सिंह नेगी, जोकि मध्य प्रदेश प्रशासन सेवा (वन विभाग) के प्रतिरिक्त सहायक वन संरक्षक हैं, को 30-5-77 के पूर्वाह्न से वन साधनों के निवेश पूर्व सर्वेक्षण देहरादून में सहायक वनपाल निमुक्त किया जाता है।

रमेश चन्द्रा मुख्य समन्वयक

## परमाणु ऊर्जा विभाग तारापुर परमाणु विजलीघर

थाना-401504 दिनांक 6 मई 1977

सं० टी॰ ए० पी॰ एस॰ / प्रशासन / 735-ए—तारापुर परमाणु किजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग के मुख्य प्रधीक्षक, तारापुर परमाणु किजलीघर के अस्थायी प्रवरण कोटि लिपिक श्री पी॰ एम॰ गुनसाल्वेज को, श्री जें॰ डी॰ कोस्टा, सहायक कार्मिक श्रीधकारी के स्थान पर जो छुट्टी पर गए हैं, 4-4-1977 से 27-4-1977 की अवधि के लिए उसी बिजलीघर में पूर्णत: सदर्थ श्राधार पर सहायक कार्मिक श्रीधकारी नियुक्त करते हैं।

के० वी० सेत्तूमाधवन मुख्य प्रशासन-अधिकारी

नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना उत्तर प्रदेश-202 397, विनांक 1977

सं० एन० ए० पी० पी० | प्रशासन | 4 | (40) | 76-77 | एस-श्री वी० पी० सिंह, स्थानापम सहायक सुरक्षा श्रधिकारी की सुरक्षा प्रधिकारी के पद पर श्रवकाश स्थिति में भ्रस्थायी रूप से की गई नियुक्ति के बारे में जारी की गई इस परियोजना की दिनांक 18 फरवरी, 1977 की समसंख्यक श्रधिस्थना के कम में, विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के निदेशक, नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना के सुरक्षा अधिकारी श्री पी० एस० घेवरगीस के छुट्टी जाने के कारण हुई भ्रवकाश रिक्ति में श्री वी० पी० सिंह को उसी परियोजना में 1 मार्च, 1977 के पूर्वाह्न से 7 मार्च, 1977 तक श्रस्थायी रूप से सुरक्षा श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

णी० जी० कुलकर्णी वरिष्ठ प्रशासन ग्रधिकारी

ऋय एवं मंडार निदेशालय मद्रास क्षेत्रीय ऋय यूनिट

मद्रास-600006, दिनांक 5 मई 1977

सं० एम० श्रार० पी० यू०/200(9)/77 प्रशासन— परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय एवं भंडार निवेशक, ऋय एवं भंडार निवेशालय के स्थानापस ऋय सहायक श्री एन० राजगोपालन को 2—436G1/77 क्य एंव भंडार निवेगा लय के मवास क्षेत्रीय क्रय यूनिट में 5 अप्रैल 1977 के पूर्वा ह्म से 4 जून 1977 तक तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक क्रय ग्राधकारी नियुवत करते हैं।

> एस० रंगाचारी, ऋय स्रधिकारी

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना कलपक्कम 603 102, दिनांक 19 मई 1977

सं० 18 (81)/77-भर्ती--विद्युत परियोजना इंजीतियरिंग प्रभाग के निवेशक, श्रस्थायी पर्यवेशक श्री एम० वाई० निजामु-द्दीन, श्रस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' श्री के० वी० श्रीनिवास राव तथा श्रस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'बी' श्री वी० रामचन्द्रन को 1 फरवरी, 1977 के पूर्वाह्र से श्रगले श्रादेश तक के लिए उसी परियोजना में श्रस्थायी रूप से वैज्ञानिक श्रधिकार/इंजीनियर भेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

> के० बालकृष्णन, प्रशासन-श्रधिकारी

### ऋय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई 400001, दिनांक 2 मई 1977

सं० डी० पी० एस० ए० 32011 3 76-स्थापना 10036-परमाणु ऊर्जा विभाग के कय एवं भंडार निदेशक, इस निदेशालय के अस्थायी सहायक श्री करुविधल रवीन्द्रन को, श्री के० पी० जोसफ, सहायक कार्मिक अधिकारी के स्थान पर जिन्हें प्रशासन अधिकारी के पव पर नियुक्त किया गया था, 17 फरवरी, 1977 (पूर्वाह्म) से 30 अप्रैल, 1977 (अपराह्म) तक 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 रुपये के वेतनमान में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुहत व ते हैं।

> बी० जी० कुलकर्णी, सहायक कार्मिक ग्रधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 8 जून 1977

सं० ए० एम० डी०-1/11/76-प्रशासन--परमाणु ठर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निवेशक ईस्ट्रन रेलवे कलकता के अनुभाग अधिकारी (लेखा), श्री बंकिम चन्द्रवरत को परमाणु खनिज प्रभाग में 22 मार्च 1977 के पूर्वाह्न से लेकर श्रागामी आवेश जारी होने तक के लिये प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

> एस० रंगनाथन, वरिष्ठ प्रमासन एवं लेखा ग्रक्षिकारी

## पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

### भारत मौसम विज्ञान विभाग

### नई दिल्ली-3, दिनांक 7 जन 1977

सं० ई० (1) 00931—वेधणालाश्रों के महानिदेशक, डा० एच० के० एन० तिवेदी को 7-5-1977 के पूर्वाह्म से भारत मौसम विज्ञान सेवा, श्रेणी-बी (केन्द्रीय सिविल सेवा श्रेणी-बी) में सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

डा० तिवेदी, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नयी दिल्ली के कार्यालय में तैनात किए गए हैं।

## दिनांक 10 जून 1977

सं० ई० (1) 08053—वैधणालाओं के महानिदेशक, निदेशक के कार्यालय (उपकरण), पूणे भारत मौसम विज्ञान विभाग में व्यावसायिक महायक श्री एघ०पी० दास को 2 मई, 1977 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेश मिलने तक भारत मौसम सेवा, श्रेणी-वी (केन्द्रीय सिविल सेवा, श्रेणी-वी) में सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री दास निदेणक (उपकरण) पुणे के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

## दिनोंक 13 जूम 1977

सं० ई(1)01008---वेधशालाओं के महानिदेशक, निम्निलिखित व्यावसायिक सहायकों को स्थानापन्न महायक मौरम विज्ञानी के पद पर निम्निलिखित रूप में नियुक्त करते हैं:----

<del></del>		भवधि		कार्यालय का नाम जिसमें तैनात किए गए हैं।
फ रां० ना	नाम	<del>से</del>	तक	
1. প্রী চূত্		17-5-77	13-8-77	े वैध्रणालाग्रों के उपमहानिदेशक, (उपकरण), नई दिल्ली।
•	<i>'</i>	1 <i>7-5-77</i> 1 <i>8-4-77</i>	13-8-77 15-7-77	
	•	9-5-77	5-8-77	िनिवेशक, प्रावेशिक मौसम
5. श्री डी० 6. श्रीएस०		26-4-77 17-5-77	23-7-77 14-8-77	केन्द्र, नई दिल्ली।
•		(ग्रपराह्न)		
-		23-5-77		J
•	के० चक्रवर्ती . पी० पद्यनाभन .		6-8-77 6-8-77	निवेशक, प्रावेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई ।
10. श्री बी०	एम० वरदराजन	11-5-77	19-7-77	निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास ।

गुरमृख राम गुप्ता, मौसम विज्ञानी इस्ते वेधशालाओं के महानिदेशक

## महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1977

सं० ए०-32013/3/76-ई०ए०---राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक विमानक्षेत्र श्रीधकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से श्रन्य श्रादेण होने तक नागर विमानन विभाग में स्थानापन्न रूप में विमानक्षेत्र श्रीधकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है:

ক্ষ	सं०	नाम	तारीख	तैनाती स्टेशन
1.	श्रीपी०ए	० रघुनाथन	16-5-77	बेगमपेट
2.	श्रीएम०	<b>ग्०</b> पाल	18-5-77	नागपुर
3.	श्रीजे०ए	न <b>० जै</b> तसी	18-5-77	नागपुर
4.	श्रीएम० र	<b>ी०</b> एल <b>० ग्रग्रव</b> ाल	28-5-77	उधमपुर
5.	श्री मार०	एस <b>० भागव</b> त	30-5-77	दमदम

## दिनांक 7 जुन 1977

सं० ए० 32013/4/77-ई० सी०---राष्ट्रपित ने श्री के० एस० हैंबले, सहायक संचार श्रिधकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास को 12-5-77 (पूर्वाह्म) से तीन मास की श्रवधि तक संचार के ग्रेड में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है श्रीर उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं० ए० 32013/6/77-ई० सी०—-राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित तकनीकी अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से छह मास तक या पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तवर्ष आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और

उन्हें उनके नाम के सामने	विए गए स्टेशन पर तैन।त	किया है:	
क्रम सं० नाम	वर्तमान तैनाती स्टेगन	कार्यभार ग्रहण करने की तारीक्ष	नया तैनाती स्टेशन
1. श्री ए० जी० नरसिह्य	रेडियो निर्माण एव विकास एकक नई दिल्ली।	30-4-77 (पूर्वाह्म)	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिश्ली।
2. श्री ए० जगदेशन .	. वैमानिक संचार स्टेशन, [सफदरजंग एयरपोर्ट, नईदिल्ली ।	5- 5- 7 7 (पूर्वाह्न)	वैमानिक संचार स्टेशन, सफरदरजंग एयः पॉर्ट, न <b>र्द</b> दिल्ली।
3. श्री एम० एम० पौलोज	. वैमानिक संचारस्टेगन, कलकता।	1-5-77 (पूर्वाह्म)	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकता।

पी० सी० जैन सहायक निदेशक प्रशासन

## वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय बेहरादून, दिनांक 10 जून 1977

सं० 16/177/69-स्वापना-I:— मध्यक्ष वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून श्री एम० पी० डिमरी, अनु-संधान सहायक, प्रवम वर्ग, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय को श्री स्वर्ण सिंह अनुसंधान अधिकारी की जगह, जो कि छुट्टी पर हैं दिनांक 30 मई, 1977 को पूर्वाह्म से अगले आदेशों तक स्थाना-पन्न रूप से सहर्ष अनुसंधान अधिकारी नियुवत करते हैं

हीरा बल्लभ जोशी, कुल सचिव, वन श्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पादन गुल्क एवं समाहर्ता कार्यालय, हैदराबाद

## **हैदराबाद, दिनांक** 12 जून 1977

सं • XVII/10/19/76 (G) :— आंध्र प्रदेश के उच्च न्यायालय ने श्री चिन्नी बालस्या सपुन्न, श्री तिम्मस्या, गिद्दंगी स्टीट, नेल्लूर को, स्वर्ण नियंत्रण प्रधिनियम, 1968 की धारा 8 (i) के उल्लंबन के फलस्वरूप स्वर्ण नियंत्रण प्रधिनियम 1968 की धारा 85 के मन्तर्गंत तीन महीने के सश्रम कारावास घौर दो सौ रुपये अर्थदंड की सका सुनायी। अपठनीय

क्षेक्टर समाहर्ता।

### नौबहुन चौर परिवहन मंद्रालय

## नौवहन महानिदेशालय बम्बई-400001, विनांक

सं० 26-ए० डी० एम० एन० (19) / 56: ---राष्ट्रपति संघ लोक सेवा धायोग की सिफारिश पर, श्री सी० एम० शेद्ये को, नौवहन महानिदेशालय, बम्बई में तारीख 1 जून, 1977 (पूर्वाह्न) से भागामी भादेशों तक अस्थाई तौर पर नौवहन सहायक महानिदेशक के रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० एम० भोजाणी, नौबहन उप महानिदेशक

## केन्द्रीय जल आयोग

## नई दिल्ली, दिनांक 8 जून 1977

सं० क-19012/584/76-प्रशा० पांच — राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम, नई विल्ली में सहायक प्रभियंता श्रेणी-प्रथम (सिविल) में नियुक्ति के लिए चयन के फसस्वरूप श्री ए० जे० ये मस ने के दिय जल श्रायोग में श्रतिरिक्त सहायक निदेशक के पद का कार्यभार 21-2-1977 (श्रपराहन) से छोड़ दिया।

> मेहंगा राम, ग्रवर सचिव इ.ते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग

## नई दिल्ली, विनांक 10 जून 1977

सं० ए-1912/632/77-प्रणा०-5--विभागीय पदोन्नति सिमिति (श्रेणी-2-वर्ग-बी) की स्वीकृति पर प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग प्रपने प्रसाद से श्री एस० सी० पटेस, धनुसंधान सहायक को 11-5-1977 के पूर्वाह्न से 650-30-740-35-810- व०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थामापन रूप से ध्रागामी ब्रादेश तक नियमित रूप से केन्द्रीय जल तथा विद्युत अनुसंधानशाला, पूर्ण में सहायक धनुसंधान श्राधिकारी (इर्ज नियरी) की श्रेणी में नियुक्त करते हैं।

2. श्री एस० सी० पटेल उपरोक्त तारीख शर्यात 11-5-1977 से दो वर्ष की श्रवधि के लिए सहायक श्रनुसंधान श्रक्षकारी (इर्ज नियरी के काडर में परिवीक्षा पर रहेंगे।

सं० ए० 19012/633/77-प्रशा-5.—विभागीय पदोन्निति समिति (श्रेणी-2-वर्ग-बी) की स्वीकृति पर घ्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग, श्रपने प्रसाद से श्री वी० वी० वाजे, श्रनुसंधान सहायक को 16-5-1977 के पूर्वाल्ल से ६० 650-30-740-35-820 द० रो०-35-880-40-1000 द० रो-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में ग्रागामी घावेश तक नियमित रूप से केन्द्रीय जल श्रीर विद्युत ग्रनुसंधान शाल पूणे में सहायक ग्रनुसंधान ग्राधिकारी (इंजीनियरी) की श्रेणी में नियुक्त करते हैं।

2. श्री बी॰ बी॰ वाजे उपरोक्त तारी ख श्रर्थात 16-5-1977 से दो वर्ष की श्रवधि के लिए सहायक धनुसंधान श्रधिकारी (इंजी-नियरी) के काउर में परिवीक्षा पर रहेंगे।

जसवंत सिंह, ग्रवर सचिव कृते अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग

## केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022, दिनांक, जून 1977

सं० 6/6/77-प्रशासन-2:—— अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्हारा श्री एल० पी० सोनकर, तकनीकी सहायक को केन्द्रीय विद्युत इन्जीनियरी (वर्ग-2) सेवा में ग्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक श्रीभयन्ता के ग्रेड में, स्थानापन्न क्षमता में 23-5-77 (ग्रपराहन) से भन्य श्रादेश जारी होने तक नियुक्त करते हैं।

सन्तोष विश्वास, भवर सन्तिष

## पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

महाप्रबन्धक का कार्यालय (कार्मिक शाखा)

पांडू, दिनांक 8 जून 1977

सं० ई | 55 | 111 | 90 (ग्रो) :— निम्निलिखित ग्रधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गयी तारीख से द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक कार्मिक ग्रधिकारी के रूप में स्थायी किया जाता है।

क्र <b>०</b> नीम सं०	जिस तारीख से स्थायी किया गया
1. श्री जे० जी० दास गुप्त	1-1-1975
2. श्रीसी०एस०पी० सिन्हा	4-5-1975
3. श्री ग्रा <sup>र</sup> ०सी० राय	1-3-1976
4. श्री जे०सी० बर्धन	7-6-1976
5. श्री पी० सी० राय महागय	1-10-1976

जी ० एच ० केसवानी महाप्रबंधक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंद्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी-विधि बोर्ड कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कप्म्पनी श्रिधिनियम, 1956 और मेसर्स डोर्स एन्ड विन्डोज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

## ग्रहमदाबाद 8 जून, 1977

सं० | 560 | 1053. -- कम्पनी ब्रिधिनिमय, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के धनुसारण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि, मेसर्स डोर्स एण्ड विन्डोज प्राईवेट लिमिटेड का नाम ब्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

जै० गो० गाथा, प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य अहमदाबाद

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रौर लिमिटेड के विषय में नई दिल्ली, दिनांक 9 जून, 1977

सं० 3585—10825. — कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतव्हारा सूचना दी जाती है कि हिलाइट फाइनेंस प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राण रिजस्टर से काट दिया गया है भीर उक्त कम्पनी विवटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रीर लिमिटेंड के विषय में नई दिल्ली दिनांक 13 जून 1977

सं० 3669/11017. — कम्पनी अधिनियम, 1956की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एत्ब्द्ववारा सूधना वी जाती है कि रती फाइनेंस प्राईवेट लिमिट के का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

> मनमौहन सिंह जैन, सहायक रिजस्ट्रार कन्पमी, नई दिल्ली

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

मायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बटिन्डा

जालन्धर, दिनांक 9 जून 1977

निवेश सं० 4/77-78/गठशंकर—यतः मुझे, बी० एस० दहिया

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' वहा गया है) की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूश्य 25,000/~ रुपए से भधिक है

भीर जिसकी सं० जैंसा कि भ्रनुसूचि में है। तथा जो गढशंकर में स्थित है (भीर इससे उपाबन भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गढशंकर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, सारीख श्रक्तूबर 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाण प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबस, उक्त श्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या प्रत्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, था धन-कर प्रधिनियम, शा धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः घय, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के घनुसरक में, में, उन्त घिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. श्रीमती बन्त कौर विधवाश्री नर्रेन सिंह जाट ग्राफ गठशंकर जिला हुशयारपुर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सर्वण चन्द सपुन्न श्री धूला राम ठेकेदार सपुन्न श्री गुरिवता राम गांव खरश्र ग्रच्छरवाल तहसील गठशंकर जिला हुगयारपुर। (श्रन्तरिती)
  - जैसा कि नं० 2 में है।
     (वह व्यक्ति, जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
  - 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्न में प्रकाशम की सारीख से 45 दिन की श्रविध या सत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्हीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रक्षितियम, के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं भ्रयं होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

षुकान नं० 18 जो कि गढशंकर में स्थित है जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2086 श्रक्तूबर 1976 को रिजस्ट्रीकृत श्रिधकारी गठशंकर में लिखा है।

> बी०एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 9-6-1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर शिक्षिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जून 1977

निर्देश सं० ग्र० ई० 1/1835-4/ग्रक्तूबर-76--ग्रत: मुझे, एफ० जे० फर्नान्डीज श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत ग्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- रु० से मधिक है भौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 720 का मालाबार भौर कंबा० हिल डिवीजन है जो गोपालदास देशमुख रोड में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-10-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया

(क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के धधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; धौर/या

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या मन्य भारितयों को जिन्हें, भारतीय आवकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

भ्रतः भ्रव, उनतं भ्रधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में भें, उनतं भ्रधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  कल्पतरु इनवेस्टमेंट कारपोरेशन (श्री पुखरांज एल० जैन एण्ड ग्रन्थ)।

(ग्रन्तरक)

- 2. पराग ग्रपार्टमेंट को० ग्राप० हाउ० सो० लि० (ग्रन्तरिसी)
- कराएदार भौर प्लैट भ्रोनर्स
   (वह व्यक्ति जिसके भ्रिधभाग में सम्पत्ति
   है)।

ं को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी झाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी क्य से 45 दिन की शविध या तत्संबंधी क्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शविध, जो भी शविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशत की तारी ख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य स्थवित द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षितियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

### अनुसूची

धनुसूची जैसा कि विलेख नं० 1728/72/बंबई उपरिजस्ट्रार धिकारी द्वारा दिनांक 5-10-1976 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> एफ० जे० फर्नान्डीज सक्तम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, बम्बई।

तारीखा: 13 जून 1977।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-I, बम्बई

बम्बई-400002, दिनांक 13 जून 1977

निर्देश सं० घ० ई०-1/1849-18/ग्रक्त्-76--ग्रतः मुझे, एफ० जे० फनन्डीज

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

भौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 1/638 का मालाबार भौर कंबाला हिल डिवीजन है तथा जो बूचर हाऊस ग्वालिया दैंक रोड में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 6-10-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्सरण से हुई किसी द्याय की वाबत, उक्त धर्षिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/ या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छि। पने में सुविधा के लिए।

अतः ग्रम, उन्त ग्रधिनियम, भी धारा 269-ग के प्रमु-सरण में, मैं, उन्त ग्रधिनियम की घारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—-

- 1. (i) लेडी मानिकबाई डी० एच० भिवंडीवाला एंड
  - (ii) फिरोज डी॰ एच॰ भिवंडीवाला।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्म, ग्ररिहन्त कन्स्ट्रक्सन कंपनी।

(भ्रन्तरिती)

3. किराये दार ग्रीर ग्राकुपायर्स (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्स सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रमुक्त गब्दों भ्रीर पदों का, जो उक्त भ्रिकि नियम के भ्रष्टयाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं भ्रष्ट होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० 289/76/बंबई उपरजिस्ट्रार मधिकारी द्वारा दिनांक 6-10-1976 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एफ० जे० फर्नान्डीज्, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजंन रेंज-I, बम्बई ।

तारीख: 13 जून 1977

मोहरः

प्ररूप प्राई० टी० एम० एस०----

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, बस्बई श्रोमती के जी० एम०पी० आयुर्वेदिक बिल्डिंग, 5वाँ माला, नेताजी सुभाष रोड,

बम्बई-400002, दिनांक 13 जून 1977

निर्देश सं० ६० 1/1857-27/प्रक्तू० 76--- मतः मुझे, एफ जे० फर्नान्डीज धायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है धौर जिसकी सं० एस० नं० 2/369 ग्राफ मलबार हिल डिबीजन है तथा जो लिटिल गिन्स रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपावद धनस्ची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 66) के प्रधीन तारीख 11-10-1976 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्सरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए धय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ध्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्ठिपाने में सुविधा के लिए।

भतः भ्रम, उन्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में मैं, उन्त भिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भन्नीन, निम्निलिखित व्यक्तियों धर्यात:—

- 1. श्रीमती महालक्ष्मी एम० झवेरी
- (2) श्री कांतिलाल एम० झवेरी।
- (3) श्रीधार० एम० झवेरी।
- (4) श्री जी० एम० नरसिंदास श्रीर
- (5) नर्रासदास पुरुणोत्तमदास

(भ्रन्तरक)

- 2. श्रीमती ग्रसारीबाई नरसिंवास।
- (2) श्रीमती सिताबाई तुलाराम एण्ड
- (3) श्रीमती माधुरी चन्द्रसेन।

(भन्तरिती)

3. किराएदार

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिवियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रिकें होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

भनुसूची जैसा कि विलेखानं ० 1935/72/बंबई उपरजिस्ट्रार भिधिकारी द्वारा दिनांक 11-10-1976 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एफ० जे० फर्नान्डीज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, बम्बई

तारीख: 13 जून 1977

प्ररूप भाई० टी॰ एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के मधीन सूचना

#### मारत सरकार

## कार्याखय, सहायक बायकर बायुक्त (मिरीक्षण)

ध्यर्जन रॉज 1, बम्बई श्रीमलो के॰ जी॰ एम॰ पी॰ आयुर्वेदिक बिस्डिंग, 5वाँ माला, नेताजी सुभाष रोड,

बम्बई-400002, दिनांफ 13 जून 1977

निर्देश सं० झ० ई० 1/1861/अनत्-76—यतः मुझे, एफ० जे० फर्नान्डीज 31 आयकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'टक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त श्राधार मूह्य, 25,000/- ६० से श्रधिक है

धौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 87 का कोलाबा डिबीजन है तथा जो रिक्लेमेशन में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूधी में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, तारीख 12-10-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उखित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से धिक है धौर धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिये तय पाया गवा प्रतिकल, निम्नलिखित उदृश्य से उध्त धन्तरण लिखित में बास्तिक किये ते के बिला नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत छक्त व्यक्ति नियम के आधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व; में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; भीर/या
- (च) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रन्य धास्तिकों को, जिन्हें भारतीय धायकर ध्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रधिनियम या धन-कर ध्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ध्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

मतः शव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रमुसरण में, मै, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की जपधारा (1) के श्रद्धीन निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--3---136GI/77

- श्री केशवजी तेहमूरस मोदी घौर दियस तेहमूरस मोदी। (ग्रन्तरक)
- 2. उनिक्यू एसोसिएटीज को० म्राप० हाउ० सो० सि०। (भन्तरिती)
- सोसायटी के सबस्य (वह व्यक्ति, जिसके ब्रधीभोग में संपक्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की घवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अपक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग ।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पद्यों का, जो उक्त श्रधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में यदा परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

### अनुसची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० 2910/72/बंबई उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा विनांक 12-10-1976 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एफ० जे० फर्नान्डीज स्रक्रम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 1, बम्बई

तारीख: 13 जून, 1977।

## प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के भाषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-I, धम्बई

बम्बई-400002, दिनांक 14 जून 1977

निर्देश सं० अ० ई०-1/1869-39/भ्रक्तू० 76--यतः मुझे, एफ० जे० फर्नान्डीज,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका, उच्ति वाजार मृत्य, 25,000/- रु० से श्रिधिक है

भीर जिसकी सं० सी० एस० नं० 14 का गिरगांम डिवीजन, है तथा जो मामा परमानव मार्ग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बम्बई, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-10-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से वम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्री सोली जहगीर सोरावणी

(भ्रन्सरक)

- 2. हरमेंस कामरसीयल प्रीमिसेस को० ग्राप० सो० लि० (ग्रन्तरिती)
- 3. किरायेदार भीर सोसाईटी के सदस्य।

(वह ध्यक्ति जिसके श्रधिभोग संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा है।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के शब्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० 778/76/बंबई उप रजिस्ट्रार प्रधिकारी द्वारा दिनांक 20-10-1976 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एफ० जे० फर्नास्डीज सझम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 14 जून 1977

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, अम्बद्ध

बम्बई, दिनांक 14 जून 1977

निर्देश सं० म्र० ६०-III/ए० पी० 274/77-78--- म्रहाः मझे, जी० ए० जेस्स

ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत ग्राधिनियम' वहागया है), की धारा 269 ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/— रुपए से ग्राधिक है

भीर जिसकी सं अर्थे सं 41(भाग), ब्लाक बी, प्लाट सं 61 है तथा जो व्हिलेज ओशीवरा में स्थित है और इससे उपावश्च भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिष्ठिकारी के कार्यालय बम्बई, में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख 25-10-1976 को प्रवासित सम्पत्ति के जिल्ला बाजार संत्य में कम के दृष्यमान

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-10-1976 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निश्नलिखत उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भन्तरण से हुई विसी श्राय की बाबस, उक्त श्रिधिनयम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिम्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्सिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः भव, उपत धिवियम की धारा 269-ग के ध्रमुसरण में, मैं, उपत धिधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. मैसर्स बैरामजी जीजीभाई प्रा० लिमिटेड, 83, जोली मेकर चेम्बर्स 2, 8वी मंजिल, बेकबे रेक्लेमेशन, नरीमन पाइंट, बम्बई-400021। (श्रन्तरक)
  - श्री भूपेन्द्र वाघजीभाई पटेल,
- 2. श्रीमती सुरेषा हर्षद पटेल, भागीदारी फर्म मेसर्स, पी० रायल कारपोरेशन, 61, झवेरी बाजार, बम्बई-400002, के भागीदार। (मन्तरिती)

- 1. (1) श्री शामजी बाह्याभाई वीरा,
- (2) श्रीमती हेमलता बल्लभजी वीरा, कानूनीयारिस/प्रतिनिधि—स्व० श्री बल्लभजी वाह्याभाई वीरा के।
  - (3) श्री गोविन्दजी वसनजी देसाई,
  - (4) श्री क्रजलाल मुन्शी भेडा,
  - (5) श्री खिमजी धनजी भेडा,
  - (6) श्री दामजी खिमजी भेडा,
  - (7) श्री लक्ष्मीचंद खिमजी भेडा,
  - (8) श्रीचुनीलाल खिमचजी भेडा,
  - (9) श्री कांतिलाल खिमजी भेडा,
  - (10) श्री भ्ररविन्दकुमार खिमजी भेडा,
  - (11) श्री सुरेन्द्र कुमार खिमजी भेडा,

भागीदारी फर्म मैसर्स बीरा लैंड डिवलपमेंट कारपोरेशन, माम नगर, वीरा देसाई रोड, ग्रंधेरी(प०), बस्बई-58, के भागीदार। (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हिनबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ध्स सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के श्रध्याय 20क में यथापरिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग, जो मार में 3079 वर्गगज या उसके श्रासपास लगभग 2574 वर्गमीटर के बराबर है, तालुक श्रंधेरी के श्रोशिवरा गांव में मौजूद पड़ा है, जिसका सर्वे नं० 41 (भाग), ब्लाक नं०, बी प्लाट नं० 61 है श्रीर इस प्रकार विरा हुआ। है:—

दक्षिण की भोर 33 फीट चौड़ी सड़क है,

पश्चिम की म्रोर सर्वे नं० 341 (भाग) का प्लाट नं० बी०-56 है।

पूर्व की ओर सर्वे नं० 41 (भाग) का प्लाट नं० बी-62 है। उत्तर की ग्रोर सर्वे नं० 41 (भाग) का प्लाट नं० बी०-50(ए) है।

जी० ए० जेम्स सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-III, बम्बई

**सारीख: 14 जून 1977** 

## प्ररूप भाई० टी० एन० एस० --

भायकर भ्रिमित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रिमीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1977

निर्देश सं० ग्र० इ० 4/751-13/ग्राक्टूबर-76——यतः मुझे; जी० ए० जेम्स,

धायकर घिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से घिषक है

भीर जिसकी सं०एस० नं०1000 (श्रंश) प्लाट नं० 1011 है तथा जो राजेन्द्रप्रसाद रोड, मुलुंड (प०) में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उप रजिस्ट्रार, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 20-10-1976

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अग्तरकों) और अन्तरिती (अग्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः श्रव, उन्त धिधिनियम की धारा 269-ग के शनुसरण में, में, उन्त धिधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्थात्:—  श्री हरिकशनवास टी० श्रग्रवाल, गुप्ता मिल्स इस्टेट, रोड, बम्बई-400010 ।

(भ्रम्तरक)

2. मैसर्स के० डी० भ्रो० को० श्राप० हाउ० सो० लि०, प्लाट नं० 1011 डा०राजेन्द्रप्रसाद रोड, मुलुंड- (प) अम्बई-80। (भ्रन्तरिती)

ऋ०सं० फ्लोर	प्लाट नं०	रहने वाले सदस्यों का नाम
1. ग्रा०	ij-1	श्रीमती झवेरीबाई एस० डंड
2. ,,	ए-2	श्रीमती लिलबाई भ्रार० खना
3 ,,	ए-3	श्री लक्ष्मीचंद यू० शाह
4. ,,	<b>ए</b> ~4	श्री श्रणरिया चन्नभुज शाह
5. ,,	ए-5	श्री सोमचंद वीरजी लोखा
6. ,,	ए-6	श्री मानीकजीद।मजी मोमया
7₊ पहलाः	ए-7	श्रीमती देवकाबेन के० गला
8. ,,	<del>п</del> -8	श्री देवजी पी० मोटा
9. ,,	щ <b>-</b> 9	श्री ग्ररविंद लालजी मुनवार
1 0.	ए-10	श्रीमती खेतबाई लालजी सोनी
11	<b>ग्-11</b>	श्री जेथालाल लालजी धरमशी
12. ,,	ए-12	श्री नवीन वी० मोमया
13. दूसरा	ए-13	श्रीमती प्रीतिबेन मुर्लीधर
14. ,,	<b>U-14</b>	श्री के०बी० मुर्लीधर
15. ,,	ए-15	श्री प्रवीन बी० रछालिया
16. ,,	n-16	श्री पी० के० माह
17. ,,	π-17	श्रीमती सोनाबाई ए०डंड
18.	<b></b> ψ-18	श्रीमती मंदाकिनी डी० तोरगल
19. तीसरा	V-19	श्री जगदीम बी० झट्टल
20	ए-20	श्रीमती लक्ष्मीबेन जे० देघिया
21. ,,	ए-21	श्री म्रानिल एस० ठक्कर
22.	<b></b> σ-22	श्री रा <b>यच</b> ∓द जी० जैन
23. ,,	<b>ए-23</b>	श्रीमती निर्मलाबेन एस० दोशी
24.	<b>Ų-24</b>	श्री हिम्मदलाल एन० दोशी
25. ग्रा॰	बी ०-1	श्री शामजीके० डंड

<b>2</b> 6.	ग्रा०	बी०-2 मसर्स, सी० डी० कारपोरेशन
27.	,,	बो०-3 श्री कीर्तिकुमार पी० लोद्या
28.	11	बी०-4 श्रीमती कमलाबाई एस० लोखा
29.	पहला	बी०-5 श्री दुंगर्सी एन० माह
30.	"	बी०-6 श्रीमती चम्पावती डी० शाह
31.	17	बी०-7 श्री जयन्ती भ्रार० मेहता
3 2.	"	बी०-8 श्री राजेन्द्र एस० छुर्ला
33.	दूसरा	बी०-9 श्री रोहितकुमार टी० शाह
3 <b>4</b> .	"	बी०-10 श्री रणमीकांत टी० शाह
35.	11	बी०-11 श्री ग्रार० के० ए० नारायन
36.	11	बी०-12 श्री मांतिलाल जे० माह
37.	तीसरा	बी०-13 श्रीमती दिवालीबेन श्रार० सोनी
38.	n	बी०-14 श्रीमती पुरबाई ए० डंड
39.	"	बी०-15 श्री रामचंद्र पी० पोगले
40.	"	बी०-16 श्री लालजी दामजी नागदा।
		(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

•पण्डीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पवों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनु सूची

कृषि भूमि या जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो बम्बई महानगर के ग्रंदर बम्बई उपनगर जिले में, दक्षिण सलसे हैं, तालुका मुलुंड में डा॰ राजेन्द्र प्रसाद रोड के दक्षिण की ग्रोर मौजूद पड़ा हुआ है, माप में 2040 वर्ग गज यानी 1705.64 वर्गमीटर या उसके लगभग है ग्रीर भूराजस्व कलक्टर के रिकार्ड में सर्वे नं॰ 1000 (ग्रंश) प्लांट नं॰ 1011 बतौर दर्ज हैं श्रीर इस प्रकार सीमाबद्ध है कि पूर्व में उक्त सर्वे नं॰ 1000 का प्लांट नं॰ 1012, पिष्णम में ग्राम रास्ता श्रीर उससे श्राग प्लांट नं॰ 1010, यक्षिण में उक्त सर्वे नं॰ 1000 प्लांट नं॰ 1018 ग्रीर उत्तर में डा॰ राजेन्द्र प्रसाद रोड जो बम्बई श्रागरा रोड के पूर्व में ग्रीर उस श्रीर जाती है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी

जी०ए० जेम्स सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 14 जून 1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भागकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के भिधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर शायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई-400002, दिनांक 14 जून 1977

निर्देश सं० श्र० इ० 4/754-16/श्रक्टू०76—-यत: मुझे, जी० ए० जेम्स

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्तित बाजार मूह्य 25,000/- क० से भिधिक है

श्रीर जिसकी सं० पुराना सर्वे नं० 165, न्यू० एस० नं० 214 (श्रंग) है तथा जो गांव कंजूर, तालुका:— कुर्ला, जिला बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ध्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय उप-रिजस्ट्रार, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908का 16) के स्थीन, तारीख 28-10-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भिष्क है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के श्रीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या झन्य झास्तियों को, जिम्हें भारतीय झायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त झिधिनियम, या धन-कर झिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ झन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धवः, उक्त प्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रिष्ठिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :---

- (1) रतनसी करसनदास, 99, नेपियनसी रोड, बम्बई-26।
  - (2) प्रतापसिंह मथुरावास।
- (3) श्रीमती पुष्पाबाई पत्नी प्रताप सिंह मथुरादास, सर मथुरादास विसनजी रोड, श्रंधेरी, बम्बई-58।
- (4) जय सिंह विठलदास, विष्नू विल्ला, वर्ली सी फेस, अंबई।

- (5) श्री प्रताप सिंह गूरजी वल्लभवास।
- (6) दिलिपसिंह सूरजी वल्लभदास कच कस्टल, नियर श्रपेरा हाउस, बम्ब**ई**-4।
- (7) भानजी सुरजी, मोहनजी लालजी बंगला, नेताणी सुभाष रोड, मुसुंड, बंबई-80।
  - (8) गोपालजी विरजी शोरजी।
  - (9) श्रीमती मनीबाई विधवा आफ विरजी सुरजी डीसीज्ड।
- (10) श्रीमती दमयन्ती डाटर श्राफ दि सैयद त्रिरणी शोरजी डीसीज्ड, रामजी शामजी घाल, नेताजी सुभाष रोड, मुलुड, बंबई-80।
- (11) श्रीमती बच्चूबाई विधवा आफ पुरुशोक्षम भानजी डीसीज्ड।
  - (12) श्री कल्यानजी अप्रियास अरुण कक्षुमार पुरुशोतम भानजी
  - (13) श्री वसंत कुमार पुरुशोतम भानजी।
  - (14) सरस्वती वाईफ आफ प्रहलाद राथ खेराज
- (15) श्रीमती दमयन्ती पत्नी लिलाधर कानजी, माधव कुज, देरासर लेन, घाटकोपर, बंबई-77।
- (16) श्रीमती रक्ष्मीनीबेन पत्नी पुरुशोतम दयालजी, खीमजी कुवेरजी बंगला, कार्टर रोड, मुलुड, बंबई-80।

श्री कृष्ण कुमार खंडेलवाल तथा कर्ताएण्ड मैनेजर आफ हिज् एच० यू० एफ०, श्री अक्षण कुमार खंडेवाल तथा कर्ता एण्ड मैनेजर श्राफ हिज एच० यू० एफ०, श्री विनोद कुमार खंडेलवाल, देवीप्रसाद खंडेवाल की लड़की उषालता, देवीप्रसाद खंडेवाल की लड़की उषालता, देवीप्रसाद खंडेवाल की विधवा सुशीलादेवी, भागीदारी फर्म/मैंसर्स, खंडलवाल डिवलपमेंट कारपीरेशन, 2, रहेमि मेंसन, 44, एस० भगत सिंह रोड, बम्बई-39 के भागीदार। (श्रन्तरिती)

खंडेवाल मैन्यू० कारपोरेणन प्रा० लि०,खंडेवाल इंडस्ट्रीयल इस्टेट, भांडुप, बंबई-78।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिष्ठभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, ओ भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से

  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रयं होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अम्स्ची

जीमन मौहसियों भीर परिसरों का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो माप से 1015 9 वर्गणज या उसके लगभग यानी 8497 वर्गमीटर या उसके लगभग है भीर मौजा कांजूर (बंबई महानगर में), तालुका कुर्ला, बंबई नगर व उपनगर के रिजस्ट्री उप-जिले भौर जिले पहलें का तालुका, जिला व रिजस्ट्री उप जिला-थांना) में मौजूद है भीर जिसका पुराना सर्वे नं० 165 व नया सर्वे नं० 214 है तथा इस प्रकार सीमाबद्ध है कि:—

उत्तर में भांडुप गांव का सर्वे नं० 50 वाला प्लांट, विकाग में ग्रंशत: कांजुर के पुराने सर्वे नं० 165 व नये सर्वे नं० 214 (ग्रंश) वाला प्लाट ग्रौर ग्रंशत: कांजूर के सर्वे नं० 212 वाला प्लाट, ग्रौर पूर्व में मध्य रेलवे तथा पश्चिम में कांजूर के पुराने सर्वे नं० 165 (ग्रंश) नये सर्वे नं० 214 (ग्रंश) वाला प्लाट है।

जी०ए० जेम्स सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बंबई

तारीख: 14 जून 1977

मोहर:

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के ग्राधीन सूचना

#### मारस सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जून 1977

निर्देश सं० भ्र० ६०-3/ए० पी० 275/77-78--- ग्रत: मुझे, श्री जी० ए० जेम्स भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित बाजार मृत्य 25,000/- र० से मधक है भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 3, हिस्सा नं० 3 तथा 4 सर्वे नं० 2, हिस्सानं 01 है तथा जो मरोल मरोगी रोड में स्थित है (भौर इसके उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 झका 16) के अधीन, तारीख 18-10-1976 सम्पत्ति के उचित बाजार कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है ग्रौर म के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे धृश्य-मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रान्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी ६न या ध्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय शायकर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, य धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के झनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रणांत:—

- 1. (1) श्री बैजनाथ दुर्गाशंकर जोशी 'भंदन', नार्थ साउथ रोष्ठ नं० 5, जुह क्टेब्हलपमेंट स्कीम, विलपार्ले (पिश्चम), बम्बई-400056।
- (2) श्री घनण्यामवास कुदनदास छान्निया, 14/12, 157, निर्मेला निवास मेन रोड सामने (पूर्व) बम्बई-400022। (ग्रन्तरक)
  - 2. (1) श्री ग्रनिम्द्ध शिवप्रसाद भगत,
- (2) श्रीमती शकुतला श्रनिरुद्ध भगत, साझीदारी फर्म मैंसर्स युनिशिश्वर कनेक्टर्स, इंडस्ट्रियल इस्टेट, मोथल लेन, माहीम, बम्बई-400016—को माझीदार।

(श्रन्तरिली)

3. भगत इंजीनियरिंग कम्पनी प्रा० लिमि०, 68/बी, बुलन मिल लेन, दादर, बम्बई-400014।

(बह व्यक्ति जिसके श्रिधिभाग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी म्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्टीकरणः---इस में प्रयुक्त शब्दों का, जो म्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20 क में यक्ष परिभाषित है, वहीं भ्रषें होगा, जो उस मध्याय में दिया है।

### अनुसूखी

पहले:--मरोल मरोशी रोड के पास मौजूद पड़ी हुई जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, जो माप से 11,814.38 वर्गगज यानी 9891.36 वर्गमीटर के लगभग है और बम्बई उपनगर जिले में तथा बान्ब्रा के रिजस्ट्री उपजिले में सर्वे नं० 3, हिस्सा नं० 4, क्षेत्रफल 9985.04 वर्गगज
यानी 8359.740 वर्गमीटर के बराबर व सर्वे नं० 2 हिसा
नं० 1, क्षेत्रफल 1829.34 वर्गगज यानी 1531.566
वर्गमीटर लिए हुए है जो श्रिधकारों के रिकार्ड के श्रनुसार है
कमशः 2 एकड़ 3/4 गुठा व 16½ गुठा क्षेत्रफल का है तथा
इस प्रकार सीमाबद्ध है कि: पूर्व की ग्रोर ग्रंगतः सर्वे नं० 3,
हिस्सा नं० 1, श्रीर श्रंगतः सर्वे नं० 3, हिस्सा नं० 2, पिष्वम
की ग्रोर श्रंगतः सर्वे नं० 3, हिस्सा नं० 5 ग्रीर श्रंगतः सर्वे
नं० 3, हिस्सा नं० 3, एवं श्रंगतः मरोल मरोशी रोड, ग्रीर उत्तर
की ग्रोर ग्रंगतः सर्वे नं० 3, हिस्सा नं० 5 तथा दक्षिण की ग्रो
और ग्रंगतः सर्वे नं० 3, हिस्सा नं० 5 तथा दक्षिण की ग्रो
अंगतः एक निकास ग्रीर उससे ग्रागे सर्वे नं० 2, हिस्सा नं० 8
ग्रीर ग्रंगतः सर्वे नं० 2, हिस्सा नं० 1 है।

दूसरे: --- जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो मरोल, दक्षिण सलसेट्टे तालुका, बम्बई उपनगर जिला धौर उसके रिजस्ट्री तालुके में बम्बई उपनगर जिले में तथा बान्द्रा रिजस्ट्री उप-जिले में मौजूद पड़ा हुआ है, बैनामें के अनुसार 968 वर्गगज यानी 810.432 वर्गमीटर के बराबर या लगभग है और जिसकी सर्वे नं० 3, हिस्सा नं० 3, क्षेत्रफल 3 गुटा है।

जी० एँ० जेम्स सक्तम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 3, बम्बई

तारीखाः 15 जून 1977

मोहर:

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्मालय, सहायेक झायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 जून 1977

निर्देश सं० म्र० इ० नं० 1/1841-10/म्रक्टू०76--- म्रतः मुझे एफ० जे० फर्नास्डीज

श्रायकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिविनयम' कहा गया है), की श्रारा 269-ख के अश्रीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित श्राजार मूल्य 25,000/- द० से श्रीवक है

स्रौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 254 का मालबार स्रौर कंबाला हिल डिवीजन है तथा जो रीड्ज रोड में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध सनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5-10-1976 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत ध्रधिक है धौर धन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रीवियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/था
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भन, उनत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, पें, उनत प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत् :---

 श्री कैंखुशुरू ए० पाच, नवल प्रिलियास एन० एच० पांच, मिस पी० एस० पांच, मिस मिलो एच० पांच, श्रीमती गुल एन० पांच एंड श्री फिरोज एन० पांच।

(भ्रन्तरक)

2. श्री देवीलाल बी० कोठारी, प्रकाश ग्रार० जैन, प्रवीन-चन्द्र एस० शाह एण्ड समरथलाल हीरालाल जैन,।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपस में प्रकाशन की सारी स से 45 दिन की शवधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शवधि, जो भी शवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इस में प्रयुक्त शब्दों का, जो भायकर भन्निमियम 1961 (1961 का 43)के भन्न्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं भ्रष्ट होगा, जो उस भन्न्याय में दिया है।

#### अनु**सूच**ी

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं ० 185/73/बंबई उपरिजस्ट्रार श्रिधिकारी द्वारा दिनांक 5-10-1976 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एफ० जे० फर्नान्डीज सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीखा: 15 जून 1977

प्रक्ष प्रार्थः टी० एन० एस०---

मायकर ग्रिटिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के घधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज 1, बम्बई

नम्बई-400002, दिनांक 15 जुन 1977

निर्देश सं० घ० इ०-1/1842-11/प्रक्तू०76--- घत: मुझे, एफ० जे० फर्नान्डीज

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पम्चात् 'उनत ग्राधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ख के मजीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण 🛊 कि रथ। घर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-ध्पए से भधिक है

भौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 1871 का भूलेश्वर डिवीजन है तथा जो चंपावाड़ी कास लैन में स्थित है (धौर इससे उपाबद गनुसूची में घीरप्पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में कुजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908) का 16) के भ्रधीन, तारीख 5-10-1976

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए फ्रन्तरित की गई है भीर मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वनित सम्पत्तिका उचित बाजार मुस्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्न से, रेसे दृश्यमान प्रतिपत्न का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (अन्तरकों) अंर भन्तरिती (भन्तरितियो) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उवत प्रस्तरण कि खित में बारक दिक रूप से कथित नहीं विया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त मधिनियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों. को जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ंडक्स फरिशनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में भे. उपत चिंहिनियम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्मलिखत व्यक्तियों, अथित:~

1. मैसर्स पंकाज जिल्डसै प्रा० लि०

(ग्रन्तरक)

- 2. मैंसर्स पंकल मारकेट प्रीमिसेस को० आप० मो० लि० (भ्रन्तिरती)
- 3 किराएदार और सोस।यटी के सदस्य। (अह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिमोग संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्स सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सुचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी ब्यन्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से. 45 दिन के भीतर उबस स्थावर सम्पत्ति में हितबद विसी ग्रम्य ध्यवित द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त मधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रंब होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

**भनुसूची जैसा कि विलेख सं० 524/1975/बंबर्ध उप** रिजय्ट्रार द्वारा दिनांक 5-10-1976 को र्राजय्टर्ड किया गया ŧι

> एफ० जे० फर्नान्डीज सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीचाः 15 जून 1977

मोहर:

4--136GI/77

प्ररूप माई० टी० एत० एस०-

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्वालय, सङ्घायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज 1, अम्बद्द

श्रीमती के० जी० एम० पी० आयुर्वेदिक बिल्डिंग, 5वां मासा नेताजी सुभाष रोड, बंबई-400002

बम्बई-400002, दिनांक जून 1977

निर्वेश सं० ६४० ई० 1/1863-33/ग्रक्टू० 76--अतः मुझे एफ० जे० फर्नान्डीज

धायकर ग्रिविसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ठक्त भ्रिविसमें कहा गया है), की धारा 269-च के भ्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को, पष्ट विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से भ्रिविक है

क्रीर जिसकी सं ं सी ं एस ं नं 21/644 का मालबार और कंबा का हिल डिबीजन है तथा जो फोर जेत स्ट्रीट लेन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अम्बर्ध में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-10-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जियत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मही यह विश्वसद्ध करने कारका का है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अम्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक (अम्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तम पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भिधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने सा उससे: बचने में सुविधाः के लिए; भौर/सा
- (का) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाग-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भेन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः शंब, उक्त ग्रीधनियम की धारा 269ग के धनुसरण में, भैं, उक्त ग्रीधनियम की धारा 269 थ की उपधारा (·1) के ग्रिधीन् निम्मिसिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :---- 1. श्री ईश्वरदास एच० भाटिया, श्रीमती मोहीन ग्राई० भाटिया, लक्ष्मी वी० बक्सी, गीता श्राई० भाटिया ग्रीप ग्रुरुण ग्राई० भाटिया।

(भ्रन्तरक)

2. राजस्थानी महिला मंडल।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के शर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के झर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीन्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी शन्य ध्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीधिनयम के भ्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं भ्रथं होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

## **मन्**सूची

श्रनुसूची जैसा कि विशेखनं ० 401/76/बम्बई उपरिज्यहर श्रिधकारी दिनांक 12-10-1976 को रिज्यटर्ड विधा गया है।

> एफ० जे० फर्नान्डीज सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज 1, बम्बई

तारीख<sup>-</sup> जून 1977 मोहर: प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

आयम अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

वार्यालय, सहायभ कायमर कायुग्स (निरीक्षण)

भ्रजेन रेंज 2, बम्बई बम्बई-400002,दिनांक 17जून 1977

निर्देश सं० अ० ई०-2/2356-6/अक्टू-76-अतः मुझे, बी० एस० महाजन

भायकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत भिष्ठितियम', कहा गया है), की धारा 269-च के भाषीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से भाषक है

भौर जिसकी सं एस० नं ० 71 का भाग है तथा जो जूहू में स्थित है (भौर इससे उपाबद अमेंसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बस्बई मे रिजस्ट्री अधिकारी के कार्यालय, बस्बई मे रिजस्ट्री अधिकारी के अधीन, तारीख 18-10-1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्प्रह प्रतिशत से झिष्ठक है और झन्तरक (झन्तरकों) भीर अन्तरिती (झन्तरितियों) के बीच ऐसे झन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त झन्तरण लिखत में याग्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उस्त द्यक्षिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिश्रिनियम या ध्रम-कर ग्रिश्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धम, उपत प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उपत प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के स्थीन निम्नलिखित स्थितियों, धर्मात्:—

1. मैसर्स, हिमालय बिल्डर्स प्रा० लि०

(ग्रन्तरक)

2. श्री राम कल्यानदास वारयनानी श्रीर श्री प्रेम कल्यान दास दारयनानी, का भागीदार मैं सर्स, संगीता कन्सट्टक्शन कं०। (अन्तरिली)

- 3. बिल्डिंग नं० 4-ए
  - 1. श्री ज्योति पुरुशोतमदास
  - 2. मरतीन एक्सवीर डिसा
  - 3. श्री सून्दर धरोडा
  - 4. श्रीमती द्वार० क० चोकसी

- 5. श्रीमकल ए० हटलकर
- 6 श्री योगिवर पौल
- 7. श्री एस० एच० रामराजकर
- 8. श्री एस० टी० मन्ने डिसूजा
- 9. श्रीमती जसपाल सिंह
- 10. श्रीमती नूरमा बी० जेथा
- 11. श्रीमती करिमन श्रार० सदिक
- 12. श्री एच० एल० मखीजा
- 13. श्रीमती न्दरी वासुदेव
- 14. श्री एस० के० भूसल
- 15. श्रीमती रखा मध्
- 16. श्री डी० पी० पान्डे
- 17. श्रीमती शैला डी. जेठमलानी । बिल्डिंग, नं0 4-बी
- 1. श्री बालिकशन ग्रार० सचवानी
- 2. श्री एस० ए० साहेरवाला
- 3. श्री एल० एल० फोन्सेका
- 4. श्रीमती एस० एम० नवलकर
- 5. श्रीमती लूसी फंको
- 6. श्री ग्रगस्त्स ग्रंद्रेवस
- 7. श्रीमती कें ए० कादस
- 8. श्रीमती एस० एम० धनसिषानी
- 9. श्रीमती वेविंदर कौर
- 10. श्रीमती जुनेश कनदक्टर
- 11. श्रीमती मथा मोनटेरी
- 12. श्रीमती बी० वी० चित्रे
- 13. श्रीमती बिराह्मी देवी ए० दोग्रा
- 14. श्री द्या० ए० मेट्टी
- 15. श्री डी० बी० छंगरानी
- 16. श्री ग्रार० एच० खोसला
- 17. श्री रनजीत एस० शेथी
- 18. श्री एस० एम० मर्मा

#### बिल्डिंग नं० 5-ए

- 1. श्री कमल बोस
- 2.श्री एम वाई० कुरेसी
- 3. श्रीमती रशीमा के युसफ
- 4. श्री धा<sup>र</sup> एफ रोड्डिक्स
- 5. श्री इसीदोरे डिसूजा
- 6.श्री हाजी मोहमद रामन
- 7. श्री जे० ए० मोहीसे
- 8. श्री बामफिही बाजू
- 9. श्री मोहमद इकबाल
- 10. श्री सुरजीत कौर गुजराल
- 11. श्रीमती एस० एस० घरवाल
- श्री राम खन्ना
- 13. श्री रामधर डोलिमयां
- 14. श्रीमती इंदमति एम० मिडि
- 15. श्रीमती जें० एच० पटेल
- 16. श्रीपी० एच० रन्धेरिया
- 17. श्री एस० एस० गुजराल
- 18. श्रीमती मरण डायस

### बिल्फ्रिंग नं० 5-जी

- 1. श्री श्रमर कौर एस० सिंह
- 2. श्रीमती सिकनाबाई टीं नलकाला
- 3. श्री कमल बोस

- 4. श्रीमती विवीन्र
- 5. श्री बजीद एच॰ एस॰ मिरजा
- 6. श्री मोहन भगवानानी
- 7. श्री एल० सी० रोवा
- 8. श्री प्रजिनकाय श्रार० देव
- 9. श्रीमती संगीता एम० सचदेव
- 10. श्री सासून सामसन
- 11. श्रीमती मेरी मेनदुका
- 12. श्री एस० वी० मिंदें
- 13. श्री जीव बीव काकड
- 14. श्री जानी रशमिन रामकृशना
- 15. श्रीमती रजिया सिटीक
- 16. श्रीमती कमला किशनचंद
- 17 श्री जदय भावूरी

## बिलिंडग न० ६-ए

- 1. डा० भास्कर शेट्टी
- 2. श्री श्रशार श्रार० गुरुशहानी
- 3. श्री सी० डी० बगुल
- 4. श्रीमती शाम कौर गिल
- 5. श्री एन० के० गनेश
- 6. श्री कुनील फनसिस
- 7. श्रीमतीं सी० एम० बारू
- 8. श्री एच० सी० पटानी
- 9. श्रीमती नाजू डी० टाटा
- 10. श्रीमती फिलोमेना फिगरीडी
- 11, श्री केशरसिंह भगत सिंह
- 12. श्रीमती सुशिला ए० शामदसानी
- 13. श्रीमती विद्या एन० सदारगानी
- 14. श्रीमती प्रेमिला ए० कृपलानी
- 15. श्रीरजा मराद
- 16. श्री प्रीतपाल सिंह वेदी
- 17. श्री गुरमित सिंह बेदी
- 18. श्री एस० एन० मेहता
- 19, श्री कमलाकर एस० वर्दे
- 20, श्री क्यूम खान

### बिल्डिंग नं० 6-बी

- 1. श्री कुलवीपचंद धर्मा
- 2. श्री गुरुदेव सिंह बिसन
- 3. श्री तथरेश मिचल
- 4. श्रीमती सिधा दास गुप्ता
- 5. श्री इस्माइल हाजी मलारखा
- 6. श्री ग्ररुण मित्रा
- 7. मैंसर्स, इंडिया देडस एजेंसी
- 8. कु बेलिंदा रिता ग्रलवा
- 9. श्री भ्रार० एस० गुजरास
- 10. श्रीमती हंसा उदयकुमार
- 11. श्री सुजन सिंह गुजराल
- 12 क माया नभराजमल
- 13. श्रीमती प्रतापी बी० किशनामी
- 14. श्रीमती सती एच० गुलराजामीहै
- 15, श्री एस० एस० कपुर
- 16. श्रीमती ऊजा फर्नाडिस
- 17. कु० सलोनी पी० शाह
- 18. श्रो सुरेश कुमार श्रीवास्तवा
- 19. श्री विरन्द्र रामराव मनकर
- 20. श्रीमती फातिमा बी० मिर

- 21. श्री जुगल किमोर मर्मा
- 22. श्री मुक्यूम रोशन प्रली

#### बिल्डिंग नं० ६-सी

- 1. श्रीमती गुल-शनबाईलोखनवाला
- 2. श्रीमती धंबीदाबानू ए० एच० म्राल्
- 3 श्री सेबस्तीन दियास
- 4- श्री बुग्लस सी० मेरवया
- 5. श्री नरेश क० हरिदास
- 6. श्री भ्रमर सिंह बेंदी
- 7. श्री एस० डी० डी० गुमसकर
- 8. श्री धजीत सिंह खुशल
- 9 श्रीमती पी० राधा देवी
- 10 श्रीमती शेट्टी बनर्जी
- 11. श्री जहीदग्रली भार० काजी
- 12. श्रीमती पद्मलता जे० शंपत
- 13. श्रीम्ती कुलसुम सुलेमान
- 14 श्री जुमाल ग्रहमद बर्गार
- 15 श्री जे० डी० इंजिनीयर
- 16. श्री मधु बी० शाह
- 17 श्री जूसम्मली भारे लखानी
- 18. श्री जयराम ग्रार मेट्टी
- 19 श्री जेथानंद बाधुमल
- 20. कु॰ रजिया वजीद मिर्जा

## बिल्डिंग नं० 7-ए

- 1. मास्टर रनजीत बरोट
- 2. श्री एच० के० दर्मा
- 3.श्री कें० परवीज
- 4 श्री मोहमद ए० खान
- 5 मास्टर **घहुमद प्र**ली के० रमानी
- 6 श्रीमती रोशन पी० राजा
- 7. श्रीमती मीना ग्रलियास बेना तालपटे
- 8 श्री प्रमोदराय जी० भट्ट
- 9. श्रीमती श्लीला एल० चतलानी
- 10. श्री बालिकिशिन सी० चिबार
- 11. श्रीमती रेखा दत्त
- 12. श्री भ्रब्दुल करीम मेख
- 13. श्रीमती भाषा रानी गुप्ता
- 14. श्रीमती जयश्री गिरीश
- 15. श्री एफ० एस० फर्नान्डिस
- 16. श्री भगीस कमार
- 17. श्री भगर नाथ काकरी
- 18. श्री रमेश पी० जोशी
- 19. श्रीमती विजय बी० पत्ने
- 20. श्रीमती जशमिन ए० हमीव
- 21. श्रीमती जशमिन ए० हमीध
- 22. श्री एस० एच० जवेरी
- 23. लक्ष्मीबेन जी० नुनीदामी
- 24 श्री टोपनदास हरिराम

#### बिल्डिंगनं० 7-बी

- 1. जीतेन्द्र रामजी
- 2. श्री कस्तोदिया पेदरह्वो
- 3. श्री चारलेस मेंददोंजा
- 4. मीता
- 5 श्रीमती सोनिया जे० सिह
- 6. श्रीमती गुल नासिर सिधवा

- 7. श्रीमती उदय भाषुरी
- 8. श्रीमती भना फर्नान्डीस
- 9. कु० ईश्वरी एल० मिरचंदानी
- 10 श्रीमती एस० एम० कजरीवाला
- 11. श्रीमती ग्ररकल गांताबाई
- 12. श्री बी० एम० वच्छराजानी
- 13. श्रीमती बी० जे० डालमियां
- 1'4 मैसर्स प्रशोक धर्मनाइस इंडस्ट्रीज
- 15. श्री नटबरलाल सी० रनदेरिया
- 16. श्री श्ररजन बी० हरदसानी
- 17. श्री एस० बी० सरचार
- 18. श्री हरेश टी० मनकनरी
- 19. श्री इंदरू जे० ललवानी
- 20. श्री अदेलिना फर्नान्डीस
- 21. श्री प्रेमचन्द रामजी हरिया
- 22. श्री योग राज भाटिया
- 23. श्रीमती परपती के० जवा
- 24. श्रीमती माया सी० मखीजा
- 25. श्री अलोसियस जी० डीसूजा । गैरेजस
- 1. श्री देवराज बी० हरिया
- 2. श्री ए० जी० डिस्जा
- 3. श्री उसवलद थायल
- 4. श्रीमती पद्मालता जे० संपत
- 5. श्रीमती प्रेमलता एस० कपूर
- 6. श्री हरीण कोहली
- 7. मैसर्स इंचु फिक्यर्स
- 8. मैसर्स पशुपरी पिक्चर्स
- 9. श्री प्रवीन कुमार मुरगय
- 10. श्री नरीयनभाई चौवान
- 11. श्री वलजीभाई पी० परमार
- 12. श्रीमती धर्चना मिश्रा ।

### बिल्डिंग नं० 7-सी

- 1. श्रीमती शशीकांत
- 2. श्री जयक्मार ग्रमरलाल
- 3. श्री सुरेन्द्र कुमार
- 4. श्रीमती फातिमा अलहास अकास
- 5. श्री जहांगीर कपूर
- 6. श्रीमती एस० के० गिदवानी
- 7. श्री धब्दुल जब्बार यूसूफ
- 8. श्रीमती नीता के० कनिकया
- 9. श्रीमती नलिनी जी० प्रभू
- 10. श्री पंशोतम जी० पहीजानी
- 11. श्री ग्रार० वी० महावानी
- 12. मैंसर्स रोता इन्सट्मेंटेसन
- 13. कु० नरसीन एस० रोशन
- 14. श्री इमामबी भ्रब्दुल मुंशी
- 15. क० राजकमारी श्रार० पंजाबी
- 16. श्रीमती गणी ग्रभवाल
- 17. श्री एस० जी० गोरे
- 18. श्रीमती मंजू शाम कपील 19. श्री टिकम पी० ग्रडवानी
- 20. श्रीमती एव० के० सेथी
- 21. श्री हरीश कोहिल
- 22. श्री कें ए ए गोरे
- 23. श्रीमती देवी टी॰ ग्रडवानी
- 24. श्रीमती ग्रश्नी डिसिस्वा

शाप्स

- कु० गीला कपूर
- 2. श्रीमती प्रेमसता
- 3. श्री पी० एम० परमार
- 4. श्री किलाघर के० हरिया

वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में संपत्ति है)।

4. मैसर्स ईपवरदास हरीदास भाटिया।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्स सम्पत्ति के प्रज्नेत के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्यक्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपक्ष में प्रकायन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की सामील से 30 दिन की शबधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यधितयों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस रचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रबावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी झन्य व्यवित द्वारा, ऋघोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुवत शब्दों भीर पद्दों का, जो उनत मधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभा-षित है, वही धर्थ होगा जो एर शस्याय पे विमा गया है।

## मन्सूची

जमीन या मैदान का वह तमाम ट्कड़ा या भाग, जो जुह में दक्षिण सलसेट तालुका, बम्बई उपनगर जिला, रजिस्टी उप जिला भीर बम्बई नगर व बम्बई उप-नगर जिले में मौजूद है, माप से 8931 वर्गगज यानी 7468 वर्ग मीटर या उसके लगभग है जो सर्वे सं० नं० 71 का भाग है नया इस प्रकार सीमाबद्ध है कि पूर्व की श्रोर सरकारी-जमीन पश्चिम की श्रोर श्रंशत: बिल्डिन नं० 41 श्रीर श्रंशत: 30 फिट श्रांतिरिक निकास रास्ता, उत्तर की श्रोर लेडी चिनांय एण्ड रोशनश्रारा दस्ट की संपत्ति और दक्षिण में संकरी खाडी की जमीन है।

> वी० एस० महाजन सक्रम प्राधिकारी, सहायक ध्रायकर धायकत (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 2, बम्बई

तारीख: 17 जून 1977

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भायकर भिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भिष्ठीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-III दिल्ली-1 4/14क, असफधली मार्ग नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 जून 1977

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/III/1229/12/77-78-श्रतः मुझे, ए० एल० सूद,

मायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स श्रिधिनयम' वहा गया है) की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पये से श्रिधिक है और जिसकी सं अी-35 है तथा जो शिवाजी पार्क, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 21-10-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भवि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविचा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या प्रन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम, या धन कर प्रधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रभारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया आना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: बाब उक्त धर्धिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त धर्धिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, धर्यातु:---

- श्रीमती कान्ता रानी अग्रवाल पत्नी श्री चरणजीत लाल/ अग्रवाल निवासी 11/4 शक्ती नगर, दिल्ली (अन्तरक)
- 2. श्री तुलसा सिंह पुत्र श्री सन्ता सिंह निवासी 20 नार्थ एवैन्यू, पंजाबी बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्फन के शिए कार्यवाहियों करता हं।

उन्त सम्पत्ति के धर्णन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिल की शविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी शविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रश्चोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त श्रव्हों भीर पदों का जो उनस मिष्-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि का टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 452 वर्ग गण है भीर प्लाट नं० सी-35 है धीर शिवाजी पार्क कालौनी, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं:

पूर्व: प्लाट नं०एच० 30 भीर 31

पश्चिम : रोड उत्तर : रोड

वक्षिण: प्लाट नं ० सी-37

ए० एल० सूद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्राधकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-Ш, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 14-6-1977 मोहर: प्रकृष प्रार्डेट टी० एम० एस॰-----

ग्रायकर ग्रिंगिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज  $\mathbf{H}^{\mathrm{I}}$ , विल्ली-1 4/14क असफ अली मार्ग नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1977

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियमं कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से श्रिक है

से अधिक हैं
भीर जिसकी सं 3408, गली नं 1 तथा जो रहगरपुरा, करौल बाग, नई दिल्ली । में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1977 को प्याप्तिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिक्त के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्लरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिशिनयम के ग्रिशीन कर देने के ग्रन्तरक के बायित्य में कमी करिने या उससे बचनो में सुविधा के लिए; ग्रीर/मा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्यत् आसिक्यों की, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अक्ष्म-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ब्रव उक्त ब्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त बंधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलियिह व्यक्तियों, ग्रचीत् :—

- 1. श्रीमती चाम्न देवी पत्नी श्री बोध राज निवासी 3140, कृष्ण नगर, करौल वाग, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2. श्री कागतूरी लाल (2) श्री हरी श्रोम, (3) श्री रघुनन्दन लाल (4) श्री रमेण चन्द्र, सभी निवासी 3408, रहगरपुरा, करौल बाग, नई विल्ली (श्रन्तरिती)
- 3. श्री कस्तूरी लाल (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन हे लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर
  सूचना की तारीख रे 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्तः
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों को, जो उक्त ग्रधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक मंजिला मकान जो कि 110 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट परवना हुग्रा है, जिसका नं० 3408, गली नं० 1 है, रहगरपुरा करौल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार में स्थित है।

पूर्व: खसरा नं० 2940 पश्चिम: खसरानं० 2938 उत्तर: देश बन्धु गुप्तारोड

दक्षिण: गली

ग्० एल० सूद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज III, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख: 13 जून 1977

मोहरंः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

मायकर शिधित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज III, विल्ली-1 4/14 क, आसफझली मार्ग, नई विल्ली। नई विल्ली, विनांक 13 जून 1977

निर्वेश सं० माई० ए० सी०/एक्यू०/III/1226(8)/77-78—मत: मुझे, ए० एल० सुद,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्तित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० है तथा जो ए-103 हरी नगर, दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-10-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए झम्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से शिधक है और झन्तरक (अन्तरकों) और झन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे झन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निश्नलिखित उद्देश्य से उसत झन्तरण लिखित में बास्तविक कुप मे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत 'उक्त भ्रधिनियम' के भ्रष्टीम कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर ग्रीविनयम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रीविनयम' या धन-कर ग्रीविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपामें में सुविधा के लिए;

ग्रत: अब, उक्त ग्रिधिनियम, की घारा 269ग के ग्रन्सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की घारा 269 व की उपबारा (1) के ग्रिप्तीन निम्नलिखिन श्र्यक्तियों, ग्रियांतु:-

- 1. श्री चमन लाल 2 श्री रोशन लाल पुत्रगण श्री मिलखी राम निवासी डब्स्यु जैड 454 शिव नगर (तिलक नगर के पास) नई दिस्ली उनकी मटारनी द्वारा श्री मुभाश चन्दर मुणुव श्री श्रक्त राम भोपरा निवासी के-3 राजौरी गार्डन, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमत्ती शशी बाला पत्नी श्री सुनाण चन्दर 2 श्री शोम प्रकाश पुत्र श्री बन्नत राम निवासी बी० ई०-10 हरी नगर चंटा घर, नई दिल्ली (शन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की भविध, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध . किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उन्स श्रिष्टिनियम' के श्रष्ट्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही शर्य होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अनु सूची

अमीन काटकड़ा जिसका क्षेत्रफल 220 वर्ग गज है थ्रौर नं० 103 ब्लाक 'ए' हरी नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित के

उत्तर : गली 10'

दक्षिण : प्लाटनं ० ए-102 पूर्वं : प्लाट नं ० ए-104 पश्चिम : सङ्क 22'

> ए० एल० सूद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज III, विल्ली, नई दिल्ली-1

तारीच 13 जून 1977 मोहर: प्ररूप ब्राई० टी० एम० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ (1) के अधीम सूचमा

भारत सरकार

कायिलय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-III, दिल्ली-1 4/14 क, आसफग्रली मार्ग, नई दिल्ली। नई दिल्ली, दिनांक 14 जून 1977

निर्देश सं० धाई० ए० सी० /एक्यू०/III/554 (7)/77-78---धतः मृक्षे, ए० एल० सुद,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ध्रिधित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-२० से ध्रिधिक है

भीर जिसकी सं० 10969 प्लाट नं० 128/5 ए, है तथा जो करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 16-10-1976

को पूर्वाक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तरिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त धाध-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या घनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: अब उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त श्रिष्ठिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रेचीत्:— 5—136G1/77

- 1. श्री जगन नाथ, सुपुत्र श्री जय नारायण निवासी 298, कुचा थासी राम, चांदनी चौक, दिल्ली (श्रन्तरक)
- श्रीमती मांगी देवी पत्नी श्री लक्ष्मी नारयण, निवासी
   4533 धार्य समाज रोड, करौल बाग, नई विल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उन्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना
  की सामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध
  बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--- इसमें प्रयुक्त मध्यों भीर पदों का, जो उक्त धिधिनयम के भ्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं भ्रष्ट होगा जो, उस भ्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि 62 वर्ग गज के प्लाट पर बना हुआ है जिसका भुन्यसिपल नं० 10969, वार्ड नं० 16, प्लाट नं० 128, ब्लाक नं० 5-ए है करौल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लाट नं० 126 तथा 127

पश्चिम: प्लाटनं० 129

उसर: रोड दक्षिण: गली

> ए० एल० सूद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-III, बिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 14-6-1977 मोहर:

## प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

## ग्रायकर ग्रिशिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के भ्रधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)
भार्जन रेंण 3 दिल्ली-1
4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 13 जुन 1977

निर्देश सं० ग्नाई० ए० सी० /एक्यू०/3/559 (5)/77-78— मतः मुझे, ए० एल० सूद,

धायकर ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पप्रचात 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूत्य 25,000/-६० से श्रिधिक है

भौर जिसकी सं० (जैसा कि अनुसूची में दिया गया है तथा जो छत्तर-पुर गाँव, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनूसूची में पूर्ण रूप से बांणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-10-1976

- को पूर्बोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान. प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——
  - ।क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
  - (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनियम, या धनकर ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः सब उक्त सिंधिनियम की धारा 269-ग के समुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सद्दीन निम्मलिखित व्यक्तियों, धर्मातः---

- श्रीमती सावित्री बन्सल पत्नी श्री सत्यपाल बन्सल, निवासी 15-बी, ग्रेटर कैशाल, नई विल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. श्री राम भवतार भागेरिया, सुपुत्र श्री बैज नाथ भागे-रिया निवासी 140-ई, कमला नगर दिल्ली (2) श्री कृष्ण गोपाल बन्सल सुपुत्र श्री जगदीश राय निवासी 5258, राजकुटी कौलहापुर हाउस, सब्जी मन्डी, दिल्ली (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उमत संपत्ति के धर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिक्षियम के श्रद्धयाय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

## धनु सुची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 बीगा तथा 19 बिसवा है खसरा नं  $\circ$  1643/1/2 (3-9), 1643/2/2 (0-14), 1654/1 (1-0), तथा 1654/2(3-16) है, छत्तरपुर गाँव, तहसील महरौली, दिल्ली राज्य में स्थित है।

ए० एल० सूव स्थाम प्राधिकारी, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण), सर्जन रेंज 3, विल्ली, नई विल्ली-1

तारीख: 13 जून 1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1977

निर्देश सं० षाई० ए० सी०/एक्यू०/HI/1223(4) 2/76-77--- अतः मुझे, ए० एल० सूद, मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269का के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित **बा**जार मृत्य 25,000/- र० से मधिक है ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 31 है तथा जो मयूनिसीपल मार्किट, तेहर नं 11 (अशोक नगर) नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन, तारीख 11-10-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भधिक है और यह कि भन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) झन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत उक्त झिंधनियम, के झिंधीन कर देने के झन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; झौर/या
- (च) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रंधिनियम या धन-कर ग्रंधिमियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, अय, उक्त धिवियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिवियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के धधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवीत्:---

- 1. श्री नरीन्वर सिंह पुत्र श्री जगदीश सिंह 2622 ए, कूचा चेलान, वरया गंज, दिल्ली जोिक श्री बृजेश्वर नाथ पुत्र श्री के० एन० माथुर निवासी सी-4-जी जनकपुरी, नई दिल्ली के रजिस्टर्ड घटारनी है। (धन्तरक)
- 2. मैं० वीपक टेलिविजन सैन्टर, दुकान नं० 31 मयूनिसीपल मार्किट, तेहर नं० 11 (भ्रणोक नगर) नई दिल्ली । हिस्सेदारों (1) श्री फतेह चन्द सुपुत्र श्री चिंत राम व (2) श्री एम० के० आर्य सुपुत्र श्री राजा राम के द्वारा । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की शर्वाध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शर्वाध, जो भी शर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगें।

स्पव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीधिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही शर्ष होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

दुकान नं० 31 जोकि 257.25 वर्ग फुट क्षेत्रफल की भूमि पर उन सभी लीज होस्ड घिष्ठकारों सहित मयूनिसीपल मार्किट तेहर नं० 11 (घ्रशोक नगर) नई विस्ली में निम्न प्रकार से स्थित है।

पूर्व-उत्तर: खुला

पश्चिम-दक्षिण: दुकान नं० 30

पूर्व-दक्षिण: खुला पश्चिम-दक्षिण: खुला

> ए० एल० सूद सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III; दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 13 जून 1977 मोहर: प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III विल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1977

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/III/551 (4)/76-77—भतः मुझे, ए०एल० सुद,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० बी-7 है तथा जो साउथ एक्सटेंशन पार्ट II, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13-10-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, तिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

ग्रतः सब, उस्त धिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त धिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धिधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, धर्षात्:—

- 1. श्री सुरिन्दर कुमार सोएन पुत्र श्री राम नाथ सोएन निवासी 46, दरिया गंज, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री एम० सी० टण्डन सुपुत्र श्री नानक चन्द टण्डन निवासी बी-7, साउथ एक्सटेंशन पार्ट, II, नई दिल्ली, (अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं भ्रर्थ होगां, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

एक मन्जिला मकान जोकि 372.8 वर्गगण क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है जिसका नं० बी-7 है और साउथ एक्स- टेंशन पार्ट-II, नई विल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :---

पूर्व: सड़क

पश्चिम : सर्विस लेन उत्तर: मकान नं० बी०-6 दक्षिण : मकान नं० बी-8

ए० एल० सूद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंगा।, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 13 जून 1977

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

ब्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की ब्रारा 269-च (1) के प्रधीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंजII, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1977

निर्देश सं ० श्राई० ए० सी ०/एक्यू ०/II/76/1268/77-78/---श्रतः मुझे, ए० एल० सुद,

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपत मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- द० से मधिक है

भीर जिसकी सं० 85—88 है तथा जो गांधी गली फतेहपुरी, विल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में पूर्ण रूप से भणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर मन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिख में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; भीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त धिधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त भिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भधीन निम्मलिखित स्थिकतियों, भणितः—

- 1. श्री महन्त अभेय वास चेला महन्त मंगल दास, निवासी 423, हवेली हैदर कुली, चांवनी चौक, दिल्ली (श्रन्तरक)
- (1) श्रीमती परमेश्वरी देवी पत्नी श्री सत्या नारायण
   (2) श्रीमती कौश्त्या देवी पत्नी श्री हरी राम निवासी 85-88

गांधी गली, फतोह पुरी, चांदनी चौक, दिल्ली (अन्तरिती)

3. जैसा कि श्रनुसूची में दिया हुआ है (वह व्यक्ति जिसके श्रभिभोग में सम्पत्ति है)

नोटिंड नं० भाई० ए० सी० /एक्यु०/11/1268/77-78 किरायेदारों के नाम

सर्वे श्री

1. करोडी मल

2. गीरी शंकर

3. हरी शंकर

4. ठाकुर दास

5. मोजी राम

6. रामोतर

7. राम प्रताप

8. नारायण दास

9. लायक राम

10. श्याम लाल

 9. लायक राम
 10. क्याम लाल

 11. ध्रगीत सिंग
 12. सोहन लाल

 13. सत्य नारायण
 14. हरी राम

15. श्रीमती मुलो देवी 16. श्रीमती कलावती देवी

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्णन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ढारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थाधर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रन्य व्यक्ति हारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: ---इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में विधा गया है।

## अनुसूची

2. 1/2 मं जिला मकान जोकि 216 वर्ग गज भूमि पर बना है जिसका नं 85 से 88 है तथा गांधी गली, फतेहपुरी चांदनी चौक, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

उत्तर: गांधी गली दक्षिण: मुस्लिम जायदाद पूर्व: जायदाद नं० 84

पश्चिम: सकान नं० 89 की गली।

ए० एल० सूद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज्या, दिल्ली, नई विल्ली

**पारीख: 13 जून 1977** 

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

भायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के समिन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, दिल्ली -1 4/14क, आसफअली मार्ग, न $\mathbf{t}$ ्रेदिल्ली । न $\mathbf{t}$  दिल्ली, दिनांक 13 जून 1977

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी० /एक्यू०/II/1269/77-78/---भ्रतः मुक्ते, ए० एल० सुद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 26/2 है तथा जो इस्ट एवेन्यू मामिट सेक्टर नं० 1, पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30-11-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) क्रन्सरण से हुई किसी क्राय की वाबस, उक्त क्रिक्ष-नियम, के क्रधीन कर देने के क्रन्सरक के दायिस्क मैं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; क्रीर/या
- ख) ऐसे किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनियम, या ग्रमकर ग्राधिनियम, या ग्रमकर ग्राधिनियम, या ग्रमकर ग्राधिनियम, वा ग्रमकर ग्राधिनियम, या ग्रमकर ग्राधिनियम, वा प्राप्तिया ग्राप्तिया ग्राप्तिया ग्राप्तिया जाना श्राधिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः शव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269ग के प्रनुसरण में; मैं उक्त प्रधिनियम की घारा 269 व की उपघारा (1) के श्रधीम, निम्निशिखित व्यक्तिमों प्रयात :—

- 1. श्रीमती शकुन्तला लाल पत्नी श्री गिरधारी लाल, द्वारा जे० डी० टाईटलर स्कूल, ईस्ट पार्क रोड, करोल बाग, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2. श्री राज पाल भसीन पुत्र श्री राम लाल भसीन निवासी ई 382 रमेश नगर, नई दिल्ली (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के धर्णन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही शर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

स्टाल नं० 26/2 जोिक 18.11 वर्ग गण भूमि पर बना है जोिक ईस्ट एवेन्यू मार्किट सेक्टर नं० 1 पजांबी बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है।

उत्तर : स्टाल न० 26/1 दक्षिण : स्टाल नं० 26/3

पूर्व : शोघय

पश्चिम: मार्ग

ए० एल० सूद, सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज <sup>II</sup>, दिल्ली, नर्ह दिल्ली-1

तारीख: 13 जून 1977

मोह्रर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

धायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के ग्रधीनसूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज कार्यालय, 60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना 411004

पूना 411004, दिनांक 9 जून 1977

निर्देश सं० सी० ए०.5 /हवेली-I/प्रमटूबर 76/330:—यतः मुझे श्रीमती पी० ललवानी

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० सी० एस० क70/ए-1, फा० कां. प्ला० 100-ए प्रभात रास्ता (एरंडवना, पूना-4 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्व धनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हवेली-1 में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7 श्रक्टूबर, 1976.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ हु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त झिंध-नियम के झिंचन कर देने के झक्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, याधन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

भतः, भव, उक्त भिविनयम की धारा 269ग के भनुसरण में, में, उक्त भिविनयम, की धारा 269थ की उपधारा (1) के सभीन, निम्निक्षित व्यक्तियों भर्षातुः—

- 1. श्री. त्रींबेक रामचन्द्र साठे, 70-ए/1, एरंडवणा, पूना 4 (धन्तरक)
- 2. सौहृद को-म्रापरेटिव हाऊसिंग सोसायटी, लिमिटेड, चेयरमेन:-- डा० लक्ष्मण दत्तात्रय यत्ते, 70-ए/1, ए रंडवणाः प्रभात रोड, पूना-4 (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रवाशन की सारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हिसम्बद्ध विसी ग्रन्य ध्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थे होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनु सूची

प्रापर्टी सी० स० क० 70/ए-1, फा० प्लाट क० 100-ए/1 प्रभात रास्ता एरेंडवणा, पूना-4

जमीन—क्षेत्रफल-12905 वर्गफीट श्रौर इसके उपर का दोइमलेका इमारत, गैरेज श्रौर आउट हाजास । [जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 1437, दि० 7-10-76 को सब-रजिस्ट्रीर हवेली-I, पूना के दफ्तर में लिखा है]

(श्री मतीपी० ललवानी) सक्रम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, पूना,

तारीख 9 जून, 1977. मोहर : प्ररूप धाई० टी० एन० एस० -

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना 411004 पूना 411004 दिनांक 16 जून 1977.

निर्देश सं० सी० श्रे० 5/हवेली-II, पूना/जन०77/332/77-78
:—यतः मुझे श्रीमती पी० ललवानी
आयमर श्रिष्ठिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के श्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपए
से श्रिष्ठ है

भौर जिसकी सं० अमांक 127 है तथा जो कोथरूड, पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रुप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय हवेली-II, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 6-1-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उंक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थातः —

- 1. श्री बी० के० झाला, विवकानन्द, को-श्राप० हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड डा० श्रांबेडकर रोड, पूना-1, (श्रन्तरक)
- झाला को घ्राप-हाउसिंग सोसायटी, लिमिटेड, ६० नंबर
   कोथरुड, पूना 29, (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्वधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्वधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा. प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त शिक्षितयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्य होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

जमीन भौर उसके ऊपर का मकान, प्लाट नं 2 र है कमांक 127, मकान कमांक 1, 2, 3 भौर 4 (डी 1, डी-2, डी-3, भौरडी-4) जो कोथरूड पूना 29 में स्थित है।

क्षेत्रफल 32380 वर्ग फीट।

(जैसा की रजिस्ट्रीकृत विलेख कमांक 21 दिनांक 6-1-1977 को सब रजिस्ट्रार, हवेली-II, पूना के द्वारा में लिखा है।

श्रीमती पी० लालवानी, स्वाम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज पूना 411004

तारीख : 16-6-1977

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पूना

प्ता, 411004, दिनांक 16 जून 1977

निर्देश सं० सी० ए० 5/हवेली-II पूना/गाने/77/331/77-78—-प्रतः, मुझे, श्रीमती पी० लालवानी प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है ग्रीर जिमकी सं० क्रमांक 127 है तथा जो कोयरुड, पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन् सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हवेली-II, पूना में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 6-1-1976 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिष्ठक है श्रोर धन्तरक (ग्रन्तरकों) शौर धन्तरिती (श्रन्तरितियों) के शिष्ठ ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में बसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धत: श्रव उन्त श्रधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीन :-- 6—136GI/77

- 1. श्री वी० के० झाला विवेकानंद को-श्रांप हाऊसिंग सोसायटी लि० डॉ० श्रांठीडकररोड, पूना (श्रन्तरक)
- 2. झाला को-श्रांप हार्जीमग सोमायटी लि० स० नम्बर 127, कोयरूड, पूना 29 (श्रन्तरिती)

को <mark>यह सूभना जारी</mark> करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
  में हितबढ़ विसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वहीं श्रर्थे होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

जमीन श्रौर उसके ऊपर का मकान प्लाट नं० 2 पार्ट, सर्वे क्रमांक 127, मकान क्रमांक 6 जो कोयरूड पूना 29 में स्थित है।

क्षेत्रफल: 8475 वर्ग फिट

(जैसे की राजिस्ट्रीकृत विलेख कमांक 20 दिनांक 6-1-1977 को सब राजिस्ट्रार हवेली-<sup>II</sup>, पूना के दफ्तर में लिखा है ।)

> श्रीमती, पी० लालवानी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 16-6-1977

## प्ररूप धाई० टी॰ एन० एस०-

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 15 जून 1977

सं० श्रार० ए० सी० नं० 391—यतः मुझे एन० के० नागराजन

भायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसक पश्चात् 'उमत श्रधिनियम' वहा गया है), की झारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- व्याप से ध्रधिक है

श्मीर जिसकी सं० 358/108 और नं० 34 वार्ड 3 है, जो नीमलिपुरि में स्थित है (जो इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्मीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पिडुगुडालू में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 30-10-1976 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूस्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिश्चियम, के श्रद्यीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय घाय-कर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनियम, या धन-कर ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में,में उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, ग्रथीत् —

- 1. श्री मन्नेम श्रप्पिरेड्डी, जुकाकल्लु (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री के० भ्रमर लिंगम, पिडुगुराल्ला
  - (2) श्री सि० एच० सामबसिवराव पिडुगुराल्ला
  - (3) श्री के॰ रामानजनेथुलु पिड्गुराल्ला
  - (4) श्री के० पुकाराव पिडुगुराल्ला
  - (5) श्री के० वेंकट नरसिमहाराव पिडुगुराल्ला
  - (6) श्री के० गोविनदया पिडुगुराल्ला
  - (7) श्री ग्रार० सत्यन्नारायण पिडुगुराल्ला
  - (8) श्री वि० लकक्षमय्या पिडुगुराल्ला
  - (9) श्री वि० अमर्रालगय्या पिडुगुराला
- (10) श्री के विना राधव्या पिडुगुराला
- (11) श्री पि॰ रामाराव पिडुगुराल्ला (अन्तरिप्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्मवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधिया तत्सम्बन्धी ध्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ६स सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ य्यव्ति द्वारा ग्रधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम, के श्रद्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं; वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

## ध्रनुसूची

पिडेगुराल्ला रिजिस्ट्री श्रधिकारी सं पांक्षिक श्रंत 31-10-1976 में पंजीकृत बस्तावेज नं० 1873/76 में निगमित अनुसूची समपत्ती ।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (मिरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख: 15-6-1977

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज

काकिनाडा, दिनांक 15 जून 1977

सं० भ्रार० ए० सी० नं० 392,—दिनांक यत्तः मृह्मे एन० के० नागराजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है

भौर जिसकी सं० 10814 है, जो एनमवाला में स्थित है (भौर इससे उपबाद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, गुन्टूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-10-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ब्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी ग्रायकी बाबत उक्त ग्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्सरक के दायित्व में कमी .करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: अब, उक्त ग्रधिनियम, की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रधीत् :—

- 1. श्री के० रघुराम, गुन्दुर (भ्रन्तरक)
- 2. श्री जि वीरारेड्डी, चुनड्रह (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की भवधि या तरसम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति म हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाळीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

गुन्टूर रिजस्ट्री श्रधिकारी से पांक्षिक श्रंत 31-10-1976 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4648/76 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ती ।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रजंन रेंज काकिनाडा

तारीख 15 जून 1977 मोहर: प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुषत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज

काकिनाडा, दिनांक 15 जून 1977 निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 393—यतः भुस्रे एन . के० नागराजन,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 10 एण्ड 14 है, जो येनमादाला गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिन्स्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय, गुन्दूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15-10-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का वारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रीधक है गौर धन्तरक (श्रन्तरको) ग्रीर श्रन्तरित (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्थित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से विश्व तही किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उपत अधिनियम, के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध प्रभारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग वे धनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :---

- श्री के० देवराजन, सपुत्र श्री राधाकृष्णामामाचारयुलु गुन्टूर (भ्रन्तरक)
  - 2. श्री जि॰ वीरा रेड़ी, सगुत्र श्री कोटी रेड्डी युनदूरू (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीधनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रथें होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूधी

गुन्दूर रिजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक श्रंत 15-10-1976 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4649 में निगमित श्रनुसूची संमयत्ती।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज काकिनाडा

तारीख 15-6-1977 मोहर: प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

भायकर म्निधिम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर धायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकिनाइ।

काकिनाडा, दिनांक 15 जून 1977

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 394—यतः मुझे एन० के० नागराजन,

धायकर घिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है ) की धारा 269 ख के घिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से घिषक है

श्रौर जिसकी सं० 212/1 है, जो चन्द्रामौलिनगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबज श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय गुन्टूर में रिजस्ट्री-करण श्रिधनियम, 1908 (1908। 16) के श्रिधीन 31-10-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है भीर मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आध-नियम, के आधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी विसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः, म्रब उक्त मिमियम, की धारा 269म के मनुसरण में, मैं, उक्त मिमियम की घारा 269-घ की उपाक्षरा (1) के मधीन निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात :--

- 1. श्रीमत्ती पी० कामी श्रन्नापूर्णा गुन्दूर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमत्ती ए० लीलावति, नरसायापालेम । (श्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्व्हाकरण :--इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के भ्रष्टयाय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में विया गया है।

## अमुसूची

गुन्टूर रजिस्ट्री ध्रधिकारी से पाक्षिक घंत 31-10-1976 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4835/76 में निगमित भ्रनुसूची संम्पत्ती।

एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकिनाडा

**मारीख: 15-6-1977** 

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर धायुवत (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, काकिनाडा काकिनाडा, दिनांक 15 जून 1977

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 395--यतः मुझे एन० के० नागराजन

प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध्व के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० 365/1 है, जो बेमागिरि गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कायिलय, राजामुद्धी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 21-10-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी द्याय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त धिधिनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्निखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :---

- 1. श्री पी० बाला महर्षी, बेमागिरि । (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती टी॰ चायादेवी, राजामुन्त्री। (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्ट्वीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्टि नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रष्ट होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

राजमन्द्री रजिस्ट्री भ्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 31-10-1976 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3657/76 में निगमित धनु-सूची सम्पत्ति ।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, काकिनाडा

प्तारीख: 15 जून 1977

## प्ररूप भाई० टी० एन• एस०---

भायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269य (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

षार्यालय, रहायक शाय्वर शाय्वस (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 8 जून 1977

निर्वेश सं० 120-म्रार०/म्रर्जन--- भ्रप्तः, मुझे म्रमर सिंह विसेम ,

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' यहा गया है), की घारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कोठी नं 185 बी है, जो मो० सिविल-लाइन बरेली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 20-10-1976 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से धान्नि है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रव, उक्त ग्रिप्तियम की घारा 269म के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रीप्रियम की घारा 269म की उपघारा (1) के ग्रिप्तीन, मिम्निलिखत व्यक्तियों, ग्रिप्ती :--

- 1. श्री श्रमरि सिंह (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमत्ती राजेण्वरी देवी तरुण, गोरख (श्रन्तरिती)
- 3. श्री श्रमीर सिंह (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिश्रिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस भूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबड़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाळीकरण: -- इसमें प्रयुक्त मध्यों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीधिनियम थे ग्राड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रायं होगा, जो उस श्राह्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक मकान नं० 185-बी क्षेत्रफल 1209 वर्ग मीटर मिविल लाइन, जेल रोड बरेली में स्थित है।

> श्रमर सिंह बिसेन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्षर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज लखनऊ

तारीख : 8-6-1977

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के घंधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 जून 1977

निर्देश सं० 121-म्रार०/म्रर्जन--ध्रतः, मुझे भ्रमर सिंह बिसेन,

स्रायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त स्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के स्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से स्रिधिक है

भौर जिसकी संख्या मकान नं० के० 16/1 है तथा जो मो० हाथीगली, वाराणसी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19-10-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रम, उनतं भिधिनियमं की धारा 269 ग के ग्रनु-सरण में, में, उनतं भिधिनियमं की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:---

- 1. श्री कृष्ण दास, चुन्नू प्रसाद (भ्रन्तरक)
- 2. श्री रामचन्द्र, श्यामचन्द्र, भोला नाथ, राजेन्द्र प्रसाद (श्रामिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दो घौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं घर्ष होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अमुस्ची

एक मकान नं० के० 16/1 जो मो० हाथी गली, कोतवाली, वाराणसी में स्थित है।

> श्रमर सिंह बिसेन सक्तम श्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 13-6-1977

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज लखनऊ

लखनऊ दिनांक 13 जून 1977

निर्देश सं० 33-वी/मर्जन-अतः, मुझे, मनर सिंह विसेन बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-स के ध्रधीम सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इ० से घांचक है भीर जिसकी संख्या एक मंजिलाटीन शेड कामकान है तथाजो मेलवेल कम्पाउन्ड नैनीताल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनसुची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नैनीताल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रामीन, सारीख 13-10-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान ब्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (भ्रम्तरितियों) के बीच एसे भ्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत शन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्राधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में कमी करने गाउससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी फिसी प्राय या किसी घन या घन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त भिष्ठिनियम' या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धवः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ध की उप-धारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— —136GI/77

- 1. श्री शंकर लाल शाह (मन्तरक)
- 2. श्री विष्णू दत्त उनिसाल (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की शबधि या तत्सम्बंधी ध्यमितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी शबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा घश्वोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के शब्दाय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक नेजिला टिन कोट का मकान नाप 2600 वर्ग क मेखनेल कम्पाउन्ड नैनीताल में स्थित है।

> श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज लखनऊ

सारीच : 13-6-1977

## प्ररूप भाई०टी०एन०एस०----

## भायकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के भन्नीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

## ग्रर्जन रेंज

## दिनांक 9 जून 1977

निर्देश सं० झार०ए०सी० 39/77-78—यतः मुझे कु० रा० गृ०परी

धायकर धिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धिविम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है,

धौर जिसकी सं० सर्वे नं० 288/एफ-1 288/क्यू/1 ए 287 एफ गुनतकल में स्थित है (भौर इससे उपाद धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता धिष्ठकारी के कार्यालय गुनतकल में रजिस्ट्रीकण धिष्ठिनयम 1908 (1908 का 16) के धिष्ठीन तारीख 14-10-1976

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफक्ष के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत उक्त शिध-नियम के श्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य मास्तियों को, जिन्हे भारतीय धायकर मिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनयम, या धन-कर धिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धवः, उक्त धिवियम की धारा 269-ग के अमुसरण, में मैं, उक्त धिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, धर्यातः :---

- (1) श्री बी॰ सुन्नामन्यम पिता अडाप्पा गुनतकल (अन्तरक)
- (2) श्री गुनतकल कावापरेड हैज बुलडर्निंग सी० सैटी लिमीटेड ने० 764 उसके प्रतीनिधि व हनुमनतराऊ (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जंस के लिये कार्यवाहियां करला हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की शारी का के 45 दिन की घर्षाध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिम की धर्याध, जो भी धर्याध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास किकित में किये जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो स्वर्ध अधिनियम, के अध्याय 20-क में यक्षा-परिशाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

## अनुसूची

सुकी जमीन सर्वे नं० 288/एफ- 1, 287 एफ झौर 288 जी /1 ए० गुनतकल पुरीजमीन 8-36 एकड़ से घसताबेज ने 1571/76 ऊपर मिश्री कासीलय गुजतकल।

कु० रा० गु० परी० समम प्राधिकारी, सहायक भायकर मायुक्त (निरीकाण), अर्जन रेंज

तारीख 9-6-1977 मोहर : प्ररूप माई० टी० एनं० एस०----

भायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की म्रारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

मर्जन रेंज

दिनांक 9 जून 1977

सं**० धार० ए० सी० 40/77-78—यतः मुझे क्व० रा०** गुणारी,

धायकर घिषित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीम सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-६० से अधिक है भौर जिसकी

सं० सर्वे नं० श्री 1111/1, 1111/2, 1109/1, 1108/1, 1108/1, 1107/1 है, जो रमनापंत्री माड में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिषस्ट्रीकर्त्ता धिकारी के कार्यालय कड़पा में भारतीय रिजस्ट्री-करण धिवनियम 1908 (1908 का 16) के धिवीन 18-10-1976।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त ग्रिक्ष-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (भ) ऐसी किसी जाय या किसी घन या अन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय द्यायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य द्यन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया द्याना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

धतः, घव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269ग के धनु-सरक में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के क्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- (1) श्री भार॰ बाला मेलारेडी भीर लोग कडपा फैनानस कारपोरेशन कडपा (भन्तरक)
- (2) देवगुडी शोवशेनकर रेडी पिता बाली रेडी रामनापली राउ कडपा जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धास्तेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जी भी
  भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्डीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पढ़ों का, जी उक्त प्रधिनियम के भध्याय 20क में परि-भाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

## वनुसुची

तरी जमीन सर्वे नं० 1111/1, 1111/2, 1109/1, 1108/ 1, 1110/1, 1107/1 रमनापली गाउ कडपा विस्तीन 1.55 ये कसी राजिस्त्र की गई है दसतावेज नं० 5141/76 उपकार्यालय कडपा में।

> कू० रा० गुणारी समम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजेंन रेंज

तारीख 9-6-1977 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (मिरीक्षण)

नेलूर, दिनांक 9 जून 1977

निवेंश सं० धार० ए० सी० 41/77-78—यतः मुझे कु० रा॰ गुणारी,

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से मधिक है भौर जिसकी सं० बीट नं० I 23/सी ए० एस० 475/पी, द्रनक रोड में स्थित है (और इससे उपाबद भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बांणत है), रजिस्ट्रीकरण मधिनयम 1908 (1908 का 16) के मधीन 30-10-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमाम प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत घिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की वाबत, उक्त ग्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविश्वा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धनया धन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय घायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धनकर धिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए वा छिपाने में सुविधा के खिए;

भतः भन, उन्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उन्त भिधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के भिधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों भर्मात् :—

- (1) श्री समपती ग्रसो सिगान बपटीस्य ग्रन्थ लिमिन टेड-उसके ग्रदिपती टी० ग्री० गिपसन य० सी० टी० कालज लेन बनड रास्ता के निचे सिनद्री बाई (श्रन्तरक)
- (2) सखोदय येड्डकेशन कमीटी ऊसका भदीपती वीकावी सनजीवी चेटी पतिकानपेट नेलूर (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिशी गया है।

## अनुसूची

नेलूर बिट-I, पतेकानपेट मुनीसीपालीटी वार्ड मं० 23, सी॰ ए॰ एस॰ नं॰ 475/पी॰ 2.20 सेन्टस, राजिस्ती किराही वसत्तावेज नं॰ 3059/76 ऊपर जिस्तीकार्यालय नैलूर में ।

> कु॰ रा० गुणारी सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, नेलूर

तारीख : 9-6-1977

मोहर ।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर शिवितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

## म्रर्जन रज

सं भार ए० सी 42/77-78-यतः मृक्षे कृ रा०

विनांक 9 जून 1977

गृणारी, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से भ्रधिक है भ्रीर जिसकी सं० 15-1-5 श्रीर 15-1-6 है, जो ऊसमान गजाम जैजामगरी रास्ता में स्थित है (भ्रीर इससे उपायद अनुभूभी में झौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय

हैबाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908

का 16) के अधीन अक्तूबर 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे
अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त ध्रिधिनियम, के ब्रधीन कर देने के ब्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः, ग्रव उनत ग्रिधिनियम, की धारा 269-न के ग्रनुसरण म, मैं, उनत ग्रिधिनियम की धारा 269-च की उपचारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रचीत् —

- (1) (1) कुरशीद झली कान- घर ने 8-1-364 ट्रेली चैंक (2) सैंयद बिनसाले पिता सलिवीवइमद घर न 22-8-32 चताबजार हैदाबाद (ग्रन्तरिक)
- (2) श्रीमती लीलाबाई पती शनकरलाल धगरवाल घर ने 15-1-1 उसमान गंज हैदाबाद (धन्तरिति)
  - (3) (1) गुजरात जेनरल स्टेंसे लतीमबाई
  - (2) जेन स्टेशनरी मार्ट घर बाजा ने 15-1-5 भीर
- (3) टी० श्रीमननारायना 15-1-6 कसमान गंज हैब्राबाव

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की घ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो वर सूचना की तामील से 30 दिन की घर्वित, जो भी घ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवज्ञ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्राधिनियम के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस भव्याय में विया गया है।

## अनुसूची

स्तल का ने 15-1-5 भीर 15-1-6 विस्तंन 154 वरी यार्ड नैजाम मदीरास्ता उसमान गज हैश्राबाद के पास रजिस्ती की गई दसताविज ने 1857/76 उप राजिस्ती कार्यालय हैश्राराव में।

> क्ष० रा० गुणारी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज

तारीख ; 9-6-1977

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम,1961 (1961 का 43) की भारा 269 व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज

दिनांक 9 जून 1977

निर्देश सं० झार० ए० सी० 43/77-78—यतः मुझे कु० रा० गुणारी,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— इपए से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० 15-1-5 है, जो निजास भाहो रोड उसमान गंज में थित है (भीर इससे उपबद्ध] धनुसूची में भीर पूर्ण रूप़ेस [बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा भ्रधिकारी के कार्याक्षय [हैद्राबाद में भारतीयरजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन अक्तुबर 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत धिक है धौर धन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाषा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (बा) ऐसी किसी धाय या किसी घन या धन्य घास्तियों, को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर घिष्टिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टिनयम, या ग्रंग-कर घिष्टिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः सब, उक्त मिनियम की धारा 269ग के ममुसरण में, मैं, उक्त मिनियम की धारा 269ण की उपधारा (1) के समीन, निम्मानिश्चित व्यक्तियों अर्थात्:─

- 1. (1) खुरशीय अलीखान पिता खाजा मोइनुद्दीनखाम घर मं ० 8-1-364 टोली चौकी हैबाबाय
- (2) अहमद बिन साले पिता साले बिन अहमद घर नं० 22-8-32 पेसाबाजार हैवाबाद (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती लीला बाई पती शंकरलाल ग्रगरवाल गर 15-1-1 जसमाम गंज् हैदाबाव (ग्रन्सरिती)
  - 3 (1) गुजरात जनरल स्टोर्स हतीमबाई
    - (2) जैन स्टेशनरी मार्ट घर नं० 15-1-5
    - (3) टी० श्रीमननारायने एण्ड कं० हैक्सबाँद (जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां मुख्क करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के झर्जन के सम्बन्ध में कोई भी झाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपन्न में अकाशन की तारी खं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो की अवधि बाद में समाब्त होती हो, के जीतर पूर्वोक्त ध्यदिहरों में से विसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंतबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिश्वः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियमं, के प्रध्याय 20 क में व्यक्ता परिभाषित है, वही धर्य होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

स्तलका नं० (मडीरीयाग) 15-1-5 विस्तर्न 68 वर्गे यार्ड निजाम शाही रास्ता उसमान गंज के साथ में रिजस्ट्री की गई है दस्तावेंज नं० 1858 /76 में उप रिजस्ट्री कार्यालय हैब्राबव मे

> कु० रा० गणारी समम प्राधिकारी, सङ्घायक बायकर मायुक्त (निरीक्षण) मजैग रेंज हैदरासाव

तारीख 9-6-1977 मोंहर प्ररूप साई० टी० एन० एस०-

भाषकर ग्रक्तिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-थ(1) के ग्रामीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याचय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जनरेण हैदराबाद विनाक 10 जून 1977

सं श्वार ० ए० सी० 44/77-78— यतः मुझे, फू० रा० गुणारी

धायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से ग्राधिक है

स्रोर जिसकी सं० 4-22-9 नं० 1503 है, जो हास्पीटल रोड में स्थित है (स्रोर इससे उपायद अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय धरमायरम में सारतीय रिजस्ट्रीकरण सिंधनियम 1908 (1908 का 16) के सम्रोन 18-10-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिकत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या ग्रम्य झास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर मिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनयम या धन-कर मिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः धतः उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम, की बारा 269-व की उपद्वारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोतः— 1. (1) श्री ए० बी० सहुल हमीव रोठर पिता मौतप्पा रोठर घर नं० 53/ए-2सी-III स्टेट सुदामानगर बंगलौर कर्नाटक-स्टेट।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री० वी० कुलैग्नप्पापिता डी० वी० रामय्या
- (2) डी० वाई० रामध्या पित नीदी मामीडपा कोना-पुरम पेनुकोन्डा श्रनन्तपुर जिला---

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीं के क्षें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसंबद्ध किसी सम्य व्यक्ति द्वारा, सन्नोहस्तां करी के पास सिखित में किसे जा सकेंगे।

स्यवधीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उनक ग्राप्तिनियम के ग्राप्त्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रार्थ होगा, जो उस ग्राह्माय में विवा गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति घर नं० 4-2-9 भसेसमन्ट नं० 1503 प्रस्तुत नं० 2/435 जुमला बिस्तीन-367 वर्ग मार्ड--हास्पीटल राता धरमावरम ग्रन्नसपुर-जिला।

> कु'० रा० गुणारी सक्षम प्राधिकारी, सद्दायक घायकर भायुक्त (निरीक्षक) घर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 10-6-1977

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

भागकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269भ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैवराबाध हैवराबाध, दिनांक 10 जून 1977

संब्ह्यार० ए० सी० 45/77-78---यतः मुझे, हु० रा० गुणारी

बामकर ब्रिश्चित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भीर जिसकी सं० बाग नं० 6-3-887/1 है, जो बरामपेट में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हैंदराबाद में बारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भूधीन 20-10-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त ग्रिष्ठ-नियम, के श्रधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (स) ऐसी किसी धाय या किसी धम या धम्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के धनु-सरण में, में, उक्त मधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के सभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्यात्:---

- 1.(1) श्रीमती लक्ष्मीनारायण भवनानी।
- (2) श्री अनील भवनानी पिता स्वर्गीय नारायण पी० भवनानी ।
- (3) बिमल भवनानी का जवीकारी श्रीमती लक्ष्मी नारायन भवनानी 2 श्रीर नं० 3 के लिए सभी रहते हैं घर नं० ए-29 प्रोन्डस कालोनी नई दिल्ली।

(भन्तरक)

- 2.(1) श्रीमती सुमीन्ना पत्नी सुरेन्दर शा।
- (2) श्रीमती रेखा, पत्ती जितेन्द्र शा घर नं० 6-3-883/ ए की पनजागुटा हैदराबाद।

(भन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शवधि, जो भी शविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियीं में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशम की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उपत स्थावर संपत्ति में हिसबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिझ में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्त शिव-नियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं झर्च होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

## अनुसूची

तमाम घर भौर बारा दुसरा मंजिल घर में 6-3-887/1 विस्त्त-207-3 वरी यार्ड राजभवन रोड बेगमपेट, हैंदराबाद।

> कु० रा०गुणारी सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-6-1977

प्रकप भाई० टी० एन० एत०---

कारमण किंहिनियम, 1501 (1501 मा 43) की स्राप्त 269 स (1) के कक्षीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

नेलूर दिनाँक 13 जून 1977

सं० श्रार० ए० सी० 46/77-78---यतः मुझे, क्र० रा० गणारी

भायकर प्रधिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त ग्रिधिनियम" कहा गया है), की घारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 23/442, 443, 444 है, जो वालबपेट नेलूर में स्थित है (ग्रीर इसोंसे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारीके कार्यालय नेलूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908का 16) के ग्रिधीन 6-10-1976

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य संकम के वश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण कि खिर तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (म) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
   के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्त) ऐसी किसी घाय था किसी घन या धन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय घायकर घ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत घ्रधिनियम, या धन-कर ध्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त गविनियम की धारा 269 ग के धनुसरण में, में मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----8---136G1[77 1. (1) श्रीमती लील। जार्ज, पती स्वर्गीय टी० के० जार्ज, लेडी यादवन नायर -रास्ता मद्राम-34 जी०पी० ए० के सीम्पासु-वास्तवपेट-नेलूर।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्रीमृती मधु कोटप्पा पिता विरारागवय्य।
- (2) कोला भोहन कुमार पिता ब.ल.कोटम्पा।
- (3) कोला हरी बाबू पिता बाला कोटयाजी०पी० ए० बाला कोटय्या) धौका धेरलाराउकोवर साल्कानेलूर जिला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूधना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के **लिए** कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी के से 48 विन की श्रविध या तत्संक्षी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन के भीतर उदस स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति हारा, प्रश्लोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो उक्त शिक्तियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं शर्थ हुंगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसुखी

घर नं० वार्डनं० 23/442, 443, घौर 444 **भा**लवपेट नेलूर में हैं।

> क्र० रा० गुणारी, सक्तम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, मब्रास ।

नारीख: 13-6-1977

सोहर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भाभकर मिमिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

हैदराबाद दिनांक 13 जून 1977

सं० म्रार्० ए० सी० 47/77-78—यतः मुझे, कृ० रा० गुणारी

र्झायकर अधिनियम, 1961 (1961 मा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' यहा गया है), की धारा 269-आ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास वरने का मारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्मा उचित वाजार मृहब 25,000/- अ॰ से अधिक है

भौर जिसकी सं० 13-6-762, 13-6-73 है जो पेदाकापु-बागली, में स्थित है (भौर इससे उपायक्ष अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी कार्यालय तीरूपती मद्रास में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिन्यम 1968 (1908 का 16) के भक्षीन 9-9-1976

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बनापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है, और धन्तरक (धन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिने तय पाया गमा प्रतिफल निक्निलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बायस उक्त ग्रीध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दाधिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या ग्रन्स ग्रास्तियों को, जिस्हें भारतीय भागकर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या अन-कर ग्रिधिनियम, या अन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखिखित स्पृक्तियों, अर्थात् :----

1. श्री ए० एम० मुनीरतनम न० 47 बारडीमनपेट गली मीलीनगुर बलाधा तालुक मरकोट जिला।

(अन्तरक)

2. (1) श्री ए० एम० बेलूमुदीलीय।र---घर नं० 146 ही० पी० स्तल तीरूपती, धीतूर जिला।

(ग्रन्तरिती)

3. श्रीमती ए० बी० सरस्वती धमाल पत्नी ए० एम० बेलूमुदीलयार घर नं० 146 तारूपती।

(जिपके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां जुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप:--

- (क) इस भूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही सर्च होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

- ग्रवीबाध 1/4 सम्पत्ति ग्रदुरा ईमारत जो "सेवन हीलस लाज" कहलाता है घर नं० 13-6-762 पेद:कापु-गसी तीरूपती।
- म्रवीबाज 1/4 सम्पत्ति घर नं ० 13-6-763 पेदाकाषु
   गली तीरूपतीं में है।

क़ु० रा० गुणारी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-I मद्रास

तारीख: 13-6-1977

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-∏, ग्रह्मदाबाद ग्रह्मदाबाद, दिनांक 13 जून 1977

निर्देश सं० पी० म्रार० 513/ए० सी० क्यू० 23-910/ 14-9/76-77---यतः मुझी, पी. एन० मित्तल आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त मधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है **भौ**र जिसकी सं० नं० 144/सेन्सस नं० 64/96/8 है तथा जो वार्ड तं० 6 कामानिय।वास के सामने, पटेल ब्लडिंग के बीछ उंक्षा जिला मेहसाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्व धनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, उंझा में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रक्तूबर 1976 थाजार मृस्य से को पूर्वोक्स सम्पक्ति के उचित कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरको)भीर अन्तरिती (म्रान्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्त्रविक हप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) फ्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-मियम, के घ्रधीन कर देने के घन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः श्रव, उक्त श्रिधितियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, ो, उक्त श्रिधितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रिधीन, नम्तिस्थित व्यक्तियों, श्रवीत्:— 1. श्री ठक्कर रतिलाल पुरुशोलमदास (उंझा) पता : कृष्णा बान, मणिनगर श्रहमदाबाद।

(यन्तरक)

2. श्री पटेल जयन्ती लाल हरनोवंदास पटेल मगनभाई हरनोवंदास (पुन्दथ ता० सिधपुर)। पताः कामनियावास, पटेक बिस्डिंग के पीछे अंझा।

(भ्रन्तरिली)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जम के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4-की ताब्रील से 30 दिन के धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा घघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये का सकेंगे।

स्पाका करण - इसमें नियुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के शब्दाय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन तथा मकान जिसका सं० नं० 144 सेन्सस नं० 64/96/8 वार्ड नं० 6 कामानिया वास के सामने पटेल बिल्डीन के पीछे उंझा, जिला मेहसाना में स्थित है, जमीन का माप दो मंजले मकान सहित 328 वर्ग गंज (2953 वर्ग फुट) है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी उंझा के अक्तूबर 1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 724 में प्रविश्ति है।

पी० एन० मित्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-11, श्रहमवाबाद

न(रीख: 13-6-1977

## प्ररूप बाई० टी० एन० एस०---

द्यायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के झडीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 8 जून 1977

निर्देश सं० 44/प्रर्जन/ग्रागरा/77-78——ग्रतः मुझे, भार० गी० भार्गना

आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसवा उचित बाजारी मृत्य 25,000/- इपये से मिधक है

और जिनकी सं अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (श्रीरद्दससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विभिन्न है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय आगरा में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 30-11-2976

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है मौक मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उक्कित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) औ अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के छए तय्य्यामा स्मी प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से यक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उसत ग्राधित्यम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निँए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः भव, उक्त मधिनियम की धारा 269 ग के भ्रनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्मलिखत व्यक्तियों, भर्षात:—— श्रीमती णान्ती देवी पत्नी ताराचन्द गुप्ता निकासी
 18/153 गोविन्दनगर, लोहामण्डी, श्रागरा।

(ग्रन्तरक)

2. श्री उमेश चन्द मांगलिक पुत्र देवी दासमांगलिक निषासी 15/263 घरसू दरवाजा, श्रागरा।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत य्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृचना के राष्ट्रपत्न से प्रवाधन की नार्रण से 45 हिन के भीतर उबन स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त गब्दो घोर पदो का, जो उक्त ग्रधिनयम के श्रध्याय 20 क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं शर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

प्रजल सम्पत्ति एक किता जायवाद नं 3/2/21 ए जोकि नेहरू नगर ग्रागरा में स्थित है। जिसका हस्तांतरण 41,800 में हुग्रा है।

श्चार० पी० भागेंबा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण), श्रजनरेंज, कानपूर।

तारी**ख**: 8-6-1977

मोहरः

प्ररूप गाई ० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, एरणकुलम कोचीन-16, दिनांक 10 जुन 1977

निर्देश सं० एल० सी० 142/77-78---यन: मुझे, सी० पी० ए० बासुदेवन.

भायकर भ्रिभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उनत ग्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- क० से प्रविक है

ग्रीर जिसकी सं० है, जो एरणाकुलम में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्राधीन, तारीख 11-10-1976

को प्वांतिस सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की शई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ ह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में धास्तविक हथ में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उच्त अधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रत्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (192? रा. 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राोजनार्थ यन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उम्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण यें. मैं, जम्स श्रिधिनियम की धारा 209-घ की उपधारा (1) के क्षीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— ा. श्रीमती अत्रदा स्रम्मा

(भ्रन्तरक)

श्री ए० कृष्णकुमार मेनोन

(भन्तरिती)

3. श्री भारत एस० शंकरनारायणना

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उबत सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कं ह भी प्राक्षेप---

- (क) इस कि वे राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से
  45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियी पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जी भी
  अयधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में में विसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस गृचना के राजप्रस में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर अवत स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
  निज्ति में किए जा मकेंगे।

स्पर्धाक्षरण — इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त श्राधिनयम, के श्रध्याय 20-के मे यथा परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस शध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

Half night any 9.375 cents of land and Pathway and building No. 23/1473-B-vide Schedule to Document No. 3110/76 dated 11-10-1976.

सी०पी०ए०वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, एरणाक्**ल**म

नारीब: 10-6-1977

## प्रकप भाई०टी० एन० एस०----

प्रायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-च (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 27 जून 1977

निर्देश सं ० ध्राई० ए० सी० ए० यू० 1/1230/76-77/1781 --- भ्रतः, मुझे जे० एस० गिल,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी संव ई0536 है ओ ग्रेटर कैलाण-2 नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावस अनुसूची में और पूर्ण रूप से यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-1-1977

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उँचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारसिबक रूप से कृषित करी किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई क़िंसी श्राय की बाबत उक्त प्रधिनिवंस, के मधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविक्रण के लिए, श्रीर/या
- (बा) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनियम, या धन-कर ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रत: भव, उक्त ग्रिभिनियम, भी धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रिधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा(1) के भ्राधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रवीत्- (1) पामेला इलैनार फरडनैनइस पत्नी डा॰ विकलस कौलीन फरडनैनइस, निवासी-25, औकबरक सराइव बैटटनउस्फ आइओम-52622 यू॰ एस॰ ए॰ इनके जरनल अथरनी केप्टन ई॰ एन॰ सिनकलैएर के बारा सुपुत्र श्री यू॰ जी॰ सिनक्लैएर निवासी ई-537 ग्रैंटर कैसाश-2 नई दिल्सी।

(भ्रन्थरक)

(2) मै० दी० दीशालोजीकल रिसेंच एण्ड कम्भुनिकेशन इन्सटीच्यूट. ई०-453 ग्रैटर कैलाश-2 नई दिल्ली
इनके सेक्टरी श्री०बरूस जे० निक्लेम के द्वारा निवाली
ई०-561 ग्रैटर कैलाश 2 नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त प्रधिनयम के प्रध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

एक बिलंडिंग जो कि पटटेदार भूमि पर सभी अधिकारों महित बनी है जिसका प्लाट न० 537, ब्लाक नं० 'ई०' है भ्रौर क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है, ग्रैंटर कैलाण-2, बाहापुर गाँव दिल्ली की यूनियन टैरीटरी मैं निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व :--रोड पश्चिम :--मिवमलेन । उत्तर :--प्लाट न० ई०-539 दक्षिण '--प्लाट न० ई०-535।

> जे० एस० गिल मक्षम ग्रधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रोज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-

तारीख: 21 जुन, 1977

प्रस्य भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रंज 1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुन 1977

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/1241/फरवरी 1(3) 76-77—प्रतः मुझे, जे० एस० गिल ग्रायकर ग्रधिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर सथ्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रू० से ग्रधिक है भौर जिसकी सं० एम०-18 है तथा जो ग्रेंटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्मा ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण धिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 2-2-1977 को

पृथ्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त के लिए घन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापविति सग्पत्ति का उत्तित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपत्त को पन्द्रह प्रतिणत से श्रष्टिक है और धन्तरक (अन्तरकों) धार धन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत धन्तरण जिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कः) भ्रस्तरण से हुई किसी काय की करन, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अक्तण्य के वासित्य मे कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर घिवियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त घिवियम' या धन-कर घिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

श्रतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भूकीन निम्मलिखित व्यक्तियों, धर्यात्:——

- (1) श्री धर्म सिंह सुपुत्र श्री बटटन सिंह निवासी ए०-2/140, सफदरगंड एनवलेव नई दिल्ली-116016
- (2) श्रीमती नेयर जैंन पत्नी श्री श्रीपाल जैंन तथा श्रीपाल जैंन सुपुत्र श्री मुन्नी लाल जैन निवासी 164, बीर नगर दिल्ली-7।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है ।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाणन की तारी से से 45 दिन की भविधिया तत्सावन्ध्री, व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जॉ. भी मबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उबत स्थाव करणित में हितबड़ किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदी का, जी 'तकत श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क म यथा-परिभाषित है, यही शर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनु सूची

एक ढाई मंजिला बिलडिंग जो व्यवसायिक तथा निवासी दोनो प्रकारकी है 195 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बनी हुई है जिसका न० एम०~18 है ग्रेटर कैलाण-2 नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व :---रोड पश्चिम :---रोड

उत्तर:--प्लाट नं० एम०-17 पर दुकान।

दक्षिण:--प्लाट नं० एम०--19 पर दुकान।

जे० एस० गिल सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीखा: 21 जुन, 1977

प्रकप भाई • टी • एन • एस •----

कायकर कार्रिक १६०० (180) का व्हें) की धारी 269घ (1) के क्षधीन सृथना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राथकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

प्रजैन रेंज- $\Pi^{I}$ , 4/14क, असफ अली मार्ग नई दिल्ली। नई दिल्ली, दिनांक 14 जून 1977

निर्देशसं० म्राई० ए० सी०/एवयु०/Ш/553(6)/77-78---भतः मुझे, ए० एन० सूद,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात, 'उमत मिश्रिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के धर्धीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इ० से प्रधिक है और जिसकी सं० 6464, प्लाट नं० 54 है तथा जो देव नगर करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 15-10-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ते श्रिष्ठिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्रायकी बाबत, उक्त श्रिधिनयम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव, उक्तं श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीतः—

- 1. श्रीमती बसन्त कौर, विध्वा पत्नी एस० नाथिसह निवासी एफ 5/1 बसन्त बिहार, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- श्री दीप चन्द, मुपुत्र श्री जीवन मल नियासी 6464/ श्रवी, देव नगर, करोल बाग, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)
  - 3 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति)
- 4. श्री दुर्गा प्रसाद, सुपुत श्री हेतराम निवासी 6551, ब्लाक नं० 9 गली नं० 1 तथा 2, देव नगर, करौल बाग, नई दिल्ली, (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

्उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 किन की शबधि या तत्साकंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाज होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रवाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

एक दो मजिला मकान जोकि 82 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बनी हुई है जिसका प्लाट नं० 54, मुन्यसिपल नं० 6464 ब्लाक नं० 8-बी, गली नं० 2-3 है शौर देव नगर, करौल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:

पूर्वः प्लाटनं० 55 पश्चिमः प्लाटनं० 53

उत्तर: गली दक्षिण: गली

> ए० एल० सूद सक्षम प्राधिकारी स**हाबक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** धर्जन रेंज-III दिल्ली, नई दिल्ली

तारी**ख** 14-6-1977 मोहर :

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 21st May 1977

No. A.32013/3/76-Admn.I.—Shri R. S. Ahluwalia, a permanent Grade I Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission and working as Under Secretary in the Union Public Service Commission, has been appointed as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission for the period 4.5.1977 to 2.7.1977 or until further orders, whichever is earlier.

#### The 31st May 1977

No. A.32013/3/76-Admn.I.—In continuation of this office notification of even number dated 7.5.77, the President is pleased to appoint Shri Gyan Prakash, an officer of the Indian Economics Service as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission for a further period from 9.5.77 to 30.6.77 or until further orders, whichever is earlier.

#### The 2nd June 1977

No. A.32014/1/77-Admn.I.—The President has been pleased to allow Shri R. L. Thakur, permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) cadre of Union Public Service Commission, who was appointed to officiate as Senior Personal Assistant upto 3.5.1977 on purely temporary and ad hoc basis vide orders of even number dated the 14th March, 1977, to continue to officiate in the same capacity on a purely temporary and ad hoc basis for a further period with effect from 4.5.1977 to 31.7.1977 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE Under Secy. Union Public Service Commission.

#### New Delhi-110011, the 1st June 1977

No. A.12019/5/74-Admn.II.—The Adviser, Union Public Service Commission hereby appoints Shri M. S. Chhabra, a permanent Officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate on an ad-hoc basis as Junior Analyst in the Commission's Office for a period of 2 months with effect from 2.6.77 or until further orders whichever is earlier.

2. Shri Chhabra will be on deputation to an ex-cadre post of Junior Analyst and his pay will be regulated in accorance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F. 10(24)-E.III/60 dated the 4th May, 1961 as amended from time to time.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy. for Adviser, Union Public Service Commission.

## CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 14th June 1977

No. 32/1/77-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri S. N. Bhalla, an officiating Section Officer and working as Research Officer in the Central Vigilance Commission, as Section Officer in a substantive capacity, with effect from 17th August, 1976.

SHRI NIVAS, Under Secy. for Central Vigilance Commissioner

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 9th June 1977

No. PF/M-5/72-Ad.V.—Shri Mohd. Shafique, Crime Assistant, Zone II/CBI is promoted and appointed as Office 9—136G1/76

Superintendent in CBI with effect from the forenoon 23-5-77 until further orders.

P. S. NIGAM, Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

## DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 9th June 1977

No. P.VII-4/76-Estt.VI.—The President is pleased to appoint on promotion, the following Subedar Majors/Subedars of CRP Force to the post of Deputy Superintendent of Police (Company Commander/Quarter Master) in a temporary capacity until further orders.

2. They took over charge of the post in the Battalions/Group Centres on the dates indicated against their names:—

	Name of the officer	Unit to which posted of taking charge	Date
1.	Shri Bharosa Nand	l, 37 Bn.,	14-4-77 (FN).
2.	Shri Radhey Lal,	37 Bu.,	14-4-77 (AN).

#### The 10th June 1977

No. O.II-1058/77-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Ram Bharosa Thakur, as General Duty Oificer, Grade-II (Dy. S.P./Coy. Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30th May, 1977 until further orders.

#### The 14th June 1977

No. O.II-975/74-Estt.—Consequent on the expiry of the tenure of his ad hoc appointment, the services of Dr. Bamadev Mohanty, J.M.O., C.R.P.F. stand terminated w.e.f. the afternoon of 31st May 1977.

No. O.II-1060/77-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Rajender Kumar Negi, as General Duty Officer, Grade-I (Assistant Commandant) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1st June, 1977 until further orders.

A. K. BANDYOPADHYAY. Asstt. Director (Adm)

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 9th June 1977

No. 11/1/77-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Majumdar, Office Superintendent in the office of the Director of Census Operations, West Bengal, as Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Nagaland, on a purely temporary and ad hoc basis, for a period of six months with effect from the afternoon of 18th April, 1977.

The headquarters of Shri Majumdar will be at Kohima.

No. 11/1/77-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri B. D. Sharma, Office Superintendent in the office of the the Director of Census Operations, Himachal Pradesh, as Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, UT, Chandigarh, on a purely temporary and ad hoc basis, for a period of six months with effect from the forenoon of 1st April, 1977.

The headquarters of Shri Sharma will be at Chandigarh.
The 10th June 1977

No. P/K(11)-Ad.J.—The President is pleased to appoint Shri U. S. Chaturvedi, Investigator in the office of the Registrar General, India, as Research Officer in the same office, with effect from 2.6.1977 to 30.7.1977, on a purely temporary and ad hoc basis vice Shri M. G. Kini. Research Officer granted leave.

BADRI NATH, Deputy Registrar General, India & ex-officio Deputy Secy.

#### S.V.P. NATIONAL POLICE ACADEMY

Hyderabad-500252, the 31st May 1977

No. CS/1-6.IV.—Consequent on his transfer to the Central Health Service, Din Dayal Upadhyaya Hospital, Hari Nagar, New Delhi, Dr. N. C. Bose, Surgeon (Spl. Gr. II) handed over charge of the post of Staff Surgeon, S.V.P. National Police Academy Hospital, Hyderabad on the afternoon of 30th May, 1977.

Dr. T. V. S. D. Murthi, J.M.O. (Ad hoc) of C.G.H.S., Hyderabad assumed charge of the post of Staff Surgeon of the S.V.P. National Police Academy Hospital, Hyderabad on the afternoon of 30th May, 1977.

MAHMOOD BIN MUHAMMAD, Director-in-charge

## NORTH EASTERN COUNCIL

Shillong, the 11th May 1977

GSR No. NEC.71/77.—On his services having been placed at the disposal of the North Eastern Council Secretariat, Shillong, on deputation by the Headquarters, Inspector General of Assam Rifles, Shillong, Shri Amiya Kumar Sarma, permanent Superintendent of Headquarter Inspector General of Assam Rifles Shillong is hereby appointed temporarily to officiate as Section Officer, in the North Eastern Council Sectt. Shillong, the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- P.M. Plus other allowances as may be admissible from time to time, with effect from 30.4.1977 (AN).

- 2. The officer has the option either to draw his grade pay in the parent Deptt. plus deputation (duty) allowance at 10% of his grade pay or the pay of the deputation post in accordance with the instructions contained in the Govt. of India. Ministry of Finance (Department of Expenditure)'s O.M.No. F. 1(11)-E.III(B)/75 dated 7th November, 1975 as modified from time to time.
- 3. The option once exercised shall be final and cannot be altered unless a fresh option is exercised in terms of para. 8.2 of the Government of India, Ministry of Finance O. M. mentioned above.
- 4. The period of deputation will be for one year with effect from 30.4.1977 (AN).

K. M. MIRANI, Secy.

## MINISTRY OF FINANCE DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 9th June 1977

No. 411/A.—In continuation of Notification No. 172/A, dated 26-4-77, the appointment of Shri S. N. Kurdi as Deputy Control Officer N. Currency Note Press is further

extended upto 3-8-1977 in the chain vacancy caused due to the promotion of Shri M. R. Kutty as Control Officer, C.N.P.

D. C. MUKHERJEA

General Manager.

#### BANK NOTE PRESS

Dewas-455001, the 7th June 1977

F. No. BNP/E/8/M-6.—Shri M. Laxminarayana a permanent inspector Control is appointed to officiate on ad hoo basis as Deputy Control Officer in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, in the Bank Note Press, Dewas for a period of 3 month from 7th June, 1977 or till regular appointment is made to this post whichever is earlier.

P. S. SHIVARAM General Manager

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL COMMERCE WORKS & MISC.

New Delhi the 26th May 1977

1 O.O. No. ADMN. I/25.—The Comptroller & Auditor General of India has been pleased to sauction the permanent absorption of Shri D. P. Sareen, Accounts Officer in the Delhi Electric Supply Undertaking with effect from 13th May 1974. He is deemed to have retired from Govt. of India service with effect from the date of his absorption is the Delhi Electric Supply Under taking as per Rule 37 of the C.S.S. (Pension) Rules, 1972.

K. P. RANGASWAMI Accountant General

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH-I,

Hyderabad, the 10th June 1977

No. E. B. I./312/76-77/82.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri B. Pallam Raju Officiating Section Officer in the Office of the Accountant, General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 30-5-77 (F.N.) until further order.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

S. R. MUKHERJEE Sr. Dy, Accountant General (Admn.)

# DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS New Delhi, the 9th June 1977

No. 40011 (2)/77/AN—A (1) The undermentioned Accounts Officers were/will be transferred the pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Serial Number	Name with Roster Number	г				Grado <sup>-</sup>	Date from which transferred to pension establishm	d 1
1	2					3	4	5
Sarva 1. Amr	ashri ik¶Singh Kochhar (P/23) .	•	•			· Permanent Accounts Officer	31-12-77	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradum
2. Deb	Kumar Ghosh (P/64) •	•	•	•	•	Permanent Accounts     Officer	31-10-77	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.

1 2							3	4	5
Sarvashri  3. M. G. Godbole (P/140)						•	Permanent Accounts Officer	31-10-77	
4. L. R. Venkataraman (P/181)		4			•		Permanent Accounts Officer	31•10-77	Accounts (Officers) Poona.  Controller of Defence Accounts, Western Com- mand, Moerut.
5. S. K. Vaidya (P/232)	•	•	•	٠	٠	•	Permanent Accounts Officer	31-10-77	Controller of Defence Accounts (Factories) Cal- cutta,
6, D. C. Dua (P/283)	•	•	•	•	•	•	Permanent Accounts Officer	31-12-77	
7. K. Jambunathan (P/304)	•	•	•	•	•	•	Permanent Accounts Officer	31-10-77	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.
8. A. Viswanathan (P/315) •	•	•	•	•	•	•	Permanent Accounts Officer	31-10-77	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun.
9. O. P. Gupta (P/356)	•	•	•	•	•	•	Permanent Accounts Officer	31-10-77	Controller of Defence Accounts (Air Force Dehradun.
10. A. Rajagopalan (P/394)	•	•	•	•	•	•	Permanent Accounts Officer	30-11-77	Controller of Defence Accounts, Southern Com- mand, Poona,
11. K. N. Bancrjee (P/411)	•	•	•	•	•		Permanent Accounts Officer	31-10-77	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta,
12. L. S. Vipat (P/532) •	•	•	•	•	•	•	Permanent Accounts Officer	31-12-77	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun.
13. D. P. Mohindra (P/569) •	•	•	•	٠	•	•	Permanent Accounts Officer	31-10-77	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehradun.
14. S. K. Sachdev (O/5) •	•	•	•	•	•	•	Permanent Accounts Officer	30-9-77	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehradun.
15. K. Subramanian (O/133)	•	•	•	٠	•	•	Officiating Accounts Officer	30-11-77	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehradun.
16. M. R. S. Raghavachari (O/29.	1)	•	•	٠	•	٠	Officiating Accounts Officer	31-12-77	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehradun,
17. K. S. Asthana (O/308)	•	•	•	•	•	•	Officiating Accounts Officer	31-10-77	Controller of Defonce Accounts (Pensions) Allahabad.
18. D. R. Dhiman (O/353) •	•	•	•	•	•	•	Officiating Accounts Officer	30-11 <b>-77</b>	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun.
19. Kasturi Lal (O/417) •	•	•	•	•		•	Officiating Accounts Officer	30-11-77	Controller of Defence Accounts, Central Com- mand Meerut.
20. P. R. Chopra (O/421)	•	•	•	٠	•	•	Officiating Accounts Officer	30-11-77	Controller of Defence Accounts, Central Com- mand, Moorut.
21. N. V. Pandit (N.Y.A.) •	•	•	•	•	٠	•	Officiating Accounts Officer	31-10-77	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona,
22. K. Somasundaram (N.Y.A.)	•	•	•	٠	•	•	Officiating Accounts Officer	31-1-77	Controller of Defence Accounts, Southern Com- mand, Poona,
23. G. N. Saxona (N.Y.A.)	•	•	•	•	•	•	Officiating Accounts Officer	31-10-77	•
24. S. Gopalan (N.Y.A.)	•	•	•	•	•	•	Officiating Accounts Officer	31-8-77	Controller of Defence Accounts (Other Ranks)— South, Madras.

Shri A. Rajagopalan, Permanent Accounts Officer has been granted leave from 1-7-77 to 30-11-1977 pending his retirement.

P. K. RAMANUJAM Addi. Controller General of Defence Accounts (A.N.)

<sup>(2)</sup> Having given notice of voluntary retirement from service under the provisions of Article 459(v) C.S.R. Vol. I, Shri R. P. Berry, Permanent Accounts Officer (O/21) serving in the organisation of the Controller of Defence Accounts, Western Command, Morett will be transferred to the pension establishment with effect from the afternoon of 20th July 1977.

<sup>(3)</sup> The following is added as para 6 to this department notification bearing No. 40011(2)/76-A.N.-A dated 16-2-1977 :—
"ShriR. S. Bansal, Permanent Accounts Officer has been granted leave pending retirement for 81 days from 11-4-77 to 30-6-77."

<sup>(4)</sup> The following is added as para 7 to this department notification bearing No. 40011(2)/76/A.N.-A dated 21-3-77:—
"Shri B. K. Banerjee, Permanent Accounts Officer has been granted Earned Leave for 108 days from 15-4-77 to 31-7-77 pending retirement".

#### MINISTRY OF COMMERCE

## OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 14th June 1977

No. 5/8/70-Admn. (G.)/4069.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby confirms the following officers in the post of Controller of Imports and Exports (Class-II Non-C.S.S.) in the Import and Export Trade Control Organisation, Ministry of Commerce with effect from the date mentioned against each:—

S. Name of the Officer No.	Date from which confirmed
1. Shri D. S. Narasimhiah, Controller Office of D.C.C.I. & E., Hyderabad	15-10-1971
<ol> <li>Shri K. Thanzuava, Controller Shillong (on deputation to Dte. o Industries, Mizoram.</li> </ol>	15-10-19 <b>7</b>
<ol><li>Shri. P. Dass, Controller of Impor and Exports, Shillong.</li></ol>	ts 15-10-1971

A. T. MUKHERJEE, Dy. Chief Controller for Chief Controller of Imports and Export

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 9th June, 1977

No. A-1/1(201).—Shri Man Mohan Lal, permanent Assistant Director (Grade II) and officiating as Assistant Director (Grade I) in the Directorate General off Supplies and Disposals, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 31st May, 1977 on attaining the age of superannuation (58 years).

## The 14th June 1977

No. A-1/1(1098)/77.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri O. P. Nijhawan, Superintendent (Supervisory Level II) in the office of the Director of Inspection, Northern Inspection Circle, New Delhi to officiate on ad hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of the 1st June, 1977 and until further orders.

KIRAT SINGH
Dy Director (Administration)
or Director General of Supplies & Disposals

#### MINISTRY OF STEEL & MINES (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 7th June 1977

No. 3(5)/71/19B.—The ad hoc appointments of the following officers to the posts of Assistant Geophysicist (Instrumentation) in the Geological Survey of India have been regularised by the Director General, Geological Survey of India with effect from the forenoon of 26th April, 1977, until further orders.

- 1. Shri A. K. Bhattacharjee
- 2. Shri R. K. Sinha
- 3. Shri Jacob Philip

The above mentioned officers were holding ad hoc appointments to the posts of Assistant Geophysicit (Instrumentation) in the Geological Survey of India with effect from the dates shown against each:—

1. Shri A. K. Bhattacharice	5-2-1971 (FN)
2. Shri R. K. Sinha	— 5-2-1971 (FN)
for many and the second	

3. Shri Jacob Philip — 29-3-1971 (FN)

#### The 10th June 1977

No. 2181(1)VI/19B.—The following Senior Technical Assistant (Chem.) of Geological Survey of India have been appointed by the Director General, Geological Survey of India on ad hoc basis as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the date shown against each, until further orders:—

Sl. No. Name Date of appointment,

- 1. Shri P. K. Dutt-11-5-1977 (FN).
- 2. Shri A. K. Chakraborty-11-5-1977(FN).

S. V. P. IYENGAR Dy. Director General, for Director General.

#### · INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur the 8th June 1977

No. A-19011(12)/70-Estt.A.—Shri S. Balagopal, Regional Controller of Mines, on his reversion from the Government of Afghanistan, has resumed duty as Regional Controller of Mines in the Indian Burcati of Mines, on the forenoon of the 24th May, 1977.

No. A-19011(23)/76-Esti. A. On his deputation to the Government of Afghanistan as Mining Expert, Shri, O. P. Sachdeva, Regional Controller of Mines has relinquished the charge of the post of Regional Controller of Mines in Indian Bureau of Mines with effect the afternoon of 4th May, 1977.

SURESH CHAND Head of Office

# DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO New Delhi, the 13th June 1977

No. 4(17)/76-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Pervaiz Ahmed Qureshi as programme Executive, Radio Kashmir, Srinagar in a temporary capacity with effect from the 24th May, 1977 and until further orders.

Dy. Director of Administration for Director General

New Delhi-1, the 14th June 1977

No. 2/5/68-SII.—Director General, All India Radio hereby appoints Shri P. D. Achari, Accountant, All India Radio, Panaji to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Panaji on ad hoc basis with effect from 27-4-77 (FN).

S. V. SESHADRI Dy. Director of Admn. for Director General

#### MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

# DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 10th June 1977

No. A. 22013/1/77-Est.—Consequent on his appointment as Accounts Officer in the Zonal Accounts-Office, I.T. Department, Ahmedabad, Shri T. Suryanarayanan, Accounts Officer, on deputation terms, in this Directorate is relieved of his duties on 1st June, 1977 (Afternoon).

# DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SFRVICES CENTRAL RESEARCH INSTITUTE

#### Kasauli, the 8th June 1977

#### NOTICE

No. 25-27/72-Admn.—In pursuance of Sub-rule (1) of rule 5 of the Central civil Service (Temporary Service) Rules, 1965, I hereby give notice to Shri Jatinder Kumar, Stoker, Central Research Institute, Kasauli that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on or, as the case may be tendered to him.

This notice takes effect from the date on which this is published in the Gazette of India.

M. BALASUBRAMANYAN Director

#### New Delhi, the 9th June 1977

No. A. 39013/4/77-CGHS.I.—Consequent on acceptance of his resignation Dr. P. R. Bhutani, Junior Medical Officer (ad-hoc) relinquished the charge of the post of Junior Medical Officer under the C. G. H. S. Delhi on the afternoon of the 13-5-1977.

O. P. BALI Dy. Director Admn. (CGHS)

#### New Delhi, the 30th May 1977

No. A-24012/5/76-D.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Desai, Drugs Inspector, Central Drugs Standard Control Organisation, West Zone, Bombay, to the post of Assistant Drugs Controller (India), Bombay on ad-hoc basis w.e.f. the forenoon of the 3rd January, 1977 to the 5th Feb. 1977 on an ad hoc basis, and until further orders.

#### The 14th June 1977

No. A. 12026/4/77-DC.—The President is pleased to appoint Dr. P. C. Bose, Technical Officer (Pharmaceutical Chemistry), Central Drugs Laboratory, Calcutta, to the post of Senior Scientific Officer (Reference Standard in the same Laboratory with effect from the afternoon of 30th April, 1977 on an ad hoc basis, and until further orders.

Dr. P. C. Bose relinquished charge of the post of Technical Officer (Pharmaceutical Chemistry) Central Drugs Laboratory, Calcutta on the same day.

No. A. 12026/4/77-DC.—The President is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Dipali Roy, Associate Pharmacologist, Central Drugs Laboratory, Calcutta, to the post of Senior Scientific Officer (Toxicology) in the same Laboratory with effect from the afternoon of 30th April, 1977 on an ad hoc basis and untill further orders.

Dr. (Mrs.) Dipali Roy relinquished charge of the post of Associate-pharmacologist, Central Drugs Laboratory, Calcutta on the same day.

No. A. 12026/4/77-DC.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Rudra, Technical Officer (Biochemistry), Central Drugs Laboratory, Calcutta, to the post of Senior Scientific Officer (Pharmaceutical Research) in the same Laboratory with effect from the afternoon of 30th April, 1977 on an ad hoc basis and until further orders.

Shri S. K. Rudra relinquished charge of the post of Technical Officer (Biochemistry) Central Drugs Laboratory, Calcutta, on the same day.

S. P. JINDAL Dy. Director Admn.

#### New Delhi, the 15th June 1977

No. A. 11017/5/76-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint R. Keshavdas Pillai to the post of Ayurvedic physician in the Central Government Health Scheme Nagpur on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 25-2-77 for a period of three months or till the regular physician selected by U.P.S.C. becomes available whichever is carlier.

No. A. 11017/5/76-CGHS.I.—The Director General of Health Services is peased to appoint Dr. (Mrs.) Vinod Kumari to the post of Ayurvedic Physician in the Central Govt. Health Scheme Delhi on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 21.2.77 for a period of 3 months or till the candidate selected by U.P.S.C. joins duty whichever is earlier.

No. A. 39013/7/76-CGHS, I.(Pt.).—Consequent on acceptance of his resignation Dr. Maroof Muzaffar, relinquished charge of the post of Junior Medical Officer/under the CGHS Delhi on the afteroon of the 29-4-76.

No. A. 39013/7/76-CGHS.I.(Pt.),—Consequent on acceptance of his resignation Dr. J. Sreenivasulu, relinquished charge of the post of Junior Medical Officer under the Central Government Health Scheme Delhi on the afternoon of 10th March, 1977.

No. A. 39013/7/76-CGHS.I.(P.III).—Consequent on acceptance of his resignation Dr. K. C. Chopra a Junior Medical Officer on ad-hoc basis relinquished charge of the post of Junior Medical Officer under the Central Government Health Scheme Delhi on the afternoon of 3rd January, 1977,

R. K. JİNDAL Dy. Director Admn, (CGHS)

## MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVT.)

#### DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Farldabad-121001, the 15th June 1977

No. F. 4-5(82)/77-A.III.—On the recommendation of the U.P.S.C. Shri Jaman Lal, Asstt, Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group II) in the pay scale of Rs. 650—1200 at New Delhi, w.e.f. 9-5-77 (FN) until further orders.

On his appointment as Marketing Officer Shri Jaman Lal relinquished charge of the post of A.M.O. at New Delhi in the forenoon of 9.5.77.

No. F. 4-6(117)/77-A.III.—Shri S. P. Saxena, Sr. Inspector, has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer, (Group I) in the Dte. of Marketing & Inspection, at Guntur w.e.f. 17.5.77 (FN) on short-term basis for a period of 6 months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

B. L. MANIHAR Director of Administration for Agricultural Marketing Adviser

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, 26th May 1977

No, 5/1/77/Estt.II/2084.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri M. Chelliah, Assistant Security Officer to officiate as Security Officer in this Research Centre with effect from 29.12.1976 to 13.4.1977 vice Shri E. Hazarilal, Security Officer granted leave.

M. K. S. SUBRAMANIAN Dy. Establishment Officer

## PREINVESTMENT SURVEY OF FOREST RESOURCES

#### Dehradun, the 10th June 1977

No. 3-2/76-Adm.—Shri G. S. Negi, Extra Assistant Conscrvator of Forests, Madhya Pradesh Administration (Forest Department) is hereby appointed as Assistant Conservator of Forests in Preinvestment Survey of Forest Resources, Dehra Due with effect from 30.5.77 (FN), until further order.

ROMESH CHANDRA Chief Coordinator

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thana-401 504, the 6th May 1977

No. TAPS/ADM/735-A,—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri. P. M. Gonsalves, a temporary Selection Grade Clerk in the Tarapur Atomic Power Station as Assistant Personnel Officer in the same Power Station on a purely yd hoc basis for the period from 4-4-1977 to 27-4-1977 vice Shri J. D. Costa, APO, proceeded on leave.

K. V. SETHUMADHAVAN Chief Administrative Officer

## NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr, the 21st May 1977

No. NAPP/Adm/4(40)/76-77/S.—In continuation of this Project's notification of even No. dated February 18, 1977 regarding temporary officiating appointment of Shri V.P. Singh an officiating Assistant Security Officer as Security Officer in the leave vacancy, the Director, Power Projects Engineering Division has approved appointment of Shri V.P. Singh as Security Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1st March 1977 to 7th March 1977 in the leave vacancy of Shri P. S. Gheverghese Security Officer NAPP.

G. G. KULKARNI Sr. Administrative Officer

# DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES MADRAS REGIONAL PURCHASE UNIT

Madras-600006 the 5th May 1977

Ref No. MRPU/200(9)/77-Adm.—The Director, Purchase and Stores Department of Atomic Energy is pleased to appoint Shri N. Rajagopalan, an officiating Purchase Assistant in the Directorate of Purchase and Stores as Assistant Purchase Officer in the Madras Regional Purchase Unit of Directorate of Purchase and Stores in an ad hoc basis officiating capacity with effect from the forenoon of 5.4.77 to 4.6.77.

S. RANGACHAY Purchase officer

## MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam 630 102, the 19th May 1977

No. 18(81)/77-Rectt.—Director, Power Projects Engineering Division, appoints Shri, M. Y. Nizamudeen, a temporary Supervisor, Shri K. V. Srinivasa Rao, a temporary Scientific Assistant 'C' and Shri V. Ramachandran, a temporary Scientific Assistant 'B' as Scientific Officers/Engineers Grade 'SB' in this Project in a temporary capacity, with effect from the forenoon of February 1, 1977 until further orders.

K. BALAKRISHNAN Administrative Officer

## DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 2nd May 1977

No. DPS/A/32011/3/76/Est./10036.—Director, purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Karuvathil Raveendran, a temporary Assistant of this Directorate to officiate as an Assistant Personnel Officer on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from February 17, 1977 (FN) to April 30, 1977 (AN) vice Shri K. P. Joseph, Assistant personnel Officer appointed as Administrative Officer.

B. G. KULKARNI Assistant Personnel Officer

#### (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 8th June 1977

No. AMD/1/11/76-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Bankim Chandra Barat, Section Officer, Eastern Railway, Calcutta as Assistant Accounts Officer on deputation in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22nd March, 1977 until further orders.

S. RANGANATHAN
Sr. Administrative & Accounts Officer

## MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 8th June 1977

No. E(1)00931.—The Director General of observatories hereby appoints Dr. H. K. N. Trivedi as Assistant Meteorologist in Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service Group B) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 7.5.1977.

Dr. Trivedl is posted in the office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi.

## The 10th June 1977

No. E(1) 08053.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri H. P. Das, Professional Assistant, Office of the Director (Instruments), Pune, India Meteorological Department as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) In an officiating capacity with effect from the forenoon of 2nd may, 1977 and until further orders.

Shri Das remains posted to the office of the Director, (Instruments), Pune.

#### The 13th June 1977

No. E (1) 01003.—The Director General of Observatories hereby appoints the undermentioned Professional Assistants, to officiate as Assistant Meteorologist as follows:—

SI. No.	Name		No. Name		Name									Per	iod	Office to which posted
											From	То				
1. Shri Krishna 2. Shri S. N. Th		:	:	:	•	•	•			1	17-5-77 17-5-77	13-8-77 13-8-77	Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi.			
3. Shri R. K. M 4. Shri R. N. S 5. Shri D. K. R 6. Shri S. N. M 7. Shri S. C. Mi	on aipal chra	: : : : : : : : : : : : : : : : : : : :		:	:				:		18-4-77 9-5-77 26-4-77 A.N. of 17-5-77 23-5-77	15-7-77 5-8-77 23-7-77 14-8-77 19-8-77	Director, Regional Meteoro- logical Centre, New Delhi.			
8. Shri A. K. Cl 9. Shri K. P. Pa 10. Shri V. M. V	dmanabha	n	•	•	•	:			:	•	10-5-77 10-5-77 11-5-77	6-8-77	Director, Regional Meteoro- logical Centre, Bombay. Director, Regional Meteoro- logical Centre, Madras.			

G. R. GUPTA
Meteorologist
for Director General of Observatories

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 6th June 1977

No. A. 32013/3/76-E.A.—The President is pleased to appoint the following Assistant Aerodrome Officers to the grade of Aerodrome Officer, in the Civil Aviation Department in an officiating capacity, with effect from the dates noted against their names and until further orders:—

Sl. No.	Name			Date	Station of posting
(1)	(2)			(3)	(4)
1. Shri P. 2. Shri M 3. Shri J.		•	:	18 <b>-</b> 5-77	Begumpet Nagpur Nagpur

1 2	· •	 3	4
4. Shri M.B.L. Aggarwal	•	 28-5-77	Udhampur
5. Shri R. S. Bhagwat		30-5-77	Dum Dum

#### The 7th June 1977

No. A. 32013/4/77 Ec.—The President is pleased to appoint Shri K. S. Heble, Assistant Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Madras to the grade of Mommunication Officer on ad hoc basis, with effect from the 12.5.1977 (FN) for a period of three months and post him at the same station.

No. A. 32013/6/77-E.C.—The President is pleased to appoint the following Technical Officers to the grade of Senior Technical Officer purely on ad-hoc basis for a period of six months or till the regular appointments to the grade are made whichever is earlier with offect from the date indicated against each and to post them to the station indicated against each:—

Sl. No.	Name	_						Present Station of posting	Date from which taken charges	Station to which posted
1. Shri A. G.	Narasingham	•	•	,	<del>-</del> .	•		R. C. & D. U., New Delhi.	30-4-77 (F.N.)	R. C. & D. U., New Delhi.
2. Shri A. G	agdesan ·	•	•	•	•	•	•	A.C.S., Safdarjung Airport, New Delhi	5-5-77 (F.N.)	A.C.S., Safderjung Air- port, New Delhi.
3. Shri M. M	[. Poulose	•	•			•	-	A.C.S., Calcutta	1-5-77 (F.N.)	A.C.S., Colcutto.
									<del></del>	P. C. JAIN

Asstt. Director (Administration)

#### FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 10th June 1977

No. 16/177/69-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri M. P. Dimri, Research Assistant Grade I, Forest Research Institute and Colleges, as officiating Research Officer with effect from the Forenoon of 30-5-77 vide Shri Sawarn Singh Research Officer on leave, until further orders.

H. B. JOSHI Kul Sachiv Forest Research Institute and Colleges

## OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE HYDERABAD-1

Sub:—Gold Control-Publication of names of Offenders under Gold (Control) Act, 1968.

#### The 12th May 1977

C. No. XVII/10/19/76(G).—The name and other particular of the person given below may please to published in Part III, Section I of the Official Gazette. The publication of the name is in exercise of the powers conferred upon me the Provisions of Rule 3 of Gold Control (Publication of Names) Rules, 1975.

"Shri Chinni Balaiah,

S/O Shri Thimmaiah, Giddangl Street, Nellore.

Convicted by the High Court of Andhra Pradesh for contravention of section 8(1) of the Gold (Control) Act, 1968 and sentenced to undergo R.I. for 3 months and fine of Rs. 2000.00. imposed under section 85 of the Gold (Control) Act, 1968".

S. K. SRIVASTAVA Collector

#### MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 13th June 1977

No. 26-ADMN(19)/56.—On the recommendations of the Union Public Service Commission,, the President is pleased to appoint Shri C. M. Shetye, as Assistant Director General of Shipping in the Directorate General of Shipping, Bombay in a temporary capacity with effect from 1st June, 1977 (Fore Noon) until further orders.

S. M. OCHANEY Dy. Director General of Shipping

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 8th June 1977

No. A-19012/584/76-Adm-V.—Consequent upon his selection for appointment as Assistant Engineer, Grade I (Civil) in the National Buildings Construction Corporation Ltd., New Delhi, Shri A. J. Thomas relinquished the charge of the office of Extra Assistant Director, in the Central Water Commission on the afternoon of 21-2-77.

MEHNGA RAM, Under Secy. for Chairman, C.W. Commission

New Delhi, the 10th June 1977

No. A-19012/632/77-Adm.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Class-II-Group-B) the Chairman, Central Water Commission, is pleased to appoint Shri S. C. Patel, Research Assistant, to the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Pune, in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200, on a regular basis, in an officiating capacity, until further orders w.e.f. 11-5-1977 (Forenoon).

2. Shri S. C. Patel will be on probation in the cadre of Assistant Research Officer (Engineering) for a period of two-years from the above date i.e. 11-5-1977.

No. A-19012/633/77-Adm.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Class-II-Group-B) the Chairman, Central Water Commission, is pleased to appoint Shri V. V. Vaze, Research Assistant to the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Pune, in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200, on a regular basis, in an officiating capacity, until further orders w.e.f. 16-5-1977 (Forenoon).

2. Shrl V. V. Vaze will be on probation in the cadre of Assistant Research Officer (Engineer) for a period of two years from the above date i.e. 16-5-1977.

JASWANT SINGH, Under Secy. for Chairman, C.W. Commission

#### CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 8th June 1977

No. 6/6/77-Adm.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shr. L. P. Sonkar, Technical

Assistant to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Class II) service in an officiating capacity with effect from the forenoon of 23-5-1977 until further orders.

S. BISWAS, Under Secy.

#### NORTHEAST FRONTIER RAILWAY GENERAL MANAGER'S OFFICE (PERSONNEL BRANCH)

Pandu, the 8th June 1977

No. E/55/III/90(O).—The following Officers are confirmed in Class II service as Assistant Personnel Officer with effect from the date noted against each.

Sl. No.	Name	Date	from	which	confirm	ned
1. Shri	J. G. Das Gupta			1-1-7	5	
	C. S. P. Sinha			4-5-7	5	
3. Shri	R. C. Roy			1-3-7	6	
4. Shri	J. C. Bardhan			7-6-7	6	
5. Shri	P. C. Roy Mahashaya	a		1-10-7	6	

G. H. KESWANI, General Manager

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

## (COMPANY LAW BOARD) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s Doors and Windows Private Limited

Gujarat, the 8th June 1977

No. 1053/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s Doors and Windows Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. G. GATHA Registrar of Companies, Gujarat

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Hillte Finance Private Limited

New Delhi, the 9th June 1977

No. 3585-10825.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the mane of M/s. Hilite Finance Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Rati Finance Private Limited

New Delhi, the 13th June 1977

No. 3669-11017,—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Rati Finance, Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

M. M. S. JAIN Asstt, Registrar of Companies, Delhi

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

### ACQUISITION RANGE, BHATINDA AT JULLUNDUR

Jullundur, the 9th June 1977

Ref. No. A.P. No. 4/77-78.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the competent Authority under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Garh Shanker

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Garh Shanker on October, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
10—136GI/77

(1) Smt. Bant Kaur Wd/o Narain Singh Jat of Garh Shanker, Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Swarn Chand S/o Dhoola Ram Contractor S/o Gurdita Ram of V. Kharav Achharwal, Tehsil: Garh Shanker.

(Transferec)

(3) As per S. No. 12.
[Person in occupation of the Property]

(4) Any person who is interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Shop No. 8 Grain Market, Garh Shanker Distt. Hoshiarpur as mentioned in Registration Deed No. 2086 dated 12-10-1976 of Registering Authority, Garh Shanker.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhatinda at Jullundur.

Date: 9-6-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I,

SMT. K.G.M.P. AYURVEDICK HOSPITAL BUILDING, 5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 13th June 1977

Ref. No. AR-I/1835-4/Oct.76,—Whereas, I, F. J. FERNANDEZ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 720 of Malabar & Cumballa Hill Division situated at Gopaldas Deshmukh Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 5-10-1976

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kalpataru Investment Corporation (Shri Pukhraj L. Jain & Others)

(Transferor)

- (2) Parag Apartment Co-operative Housing Society Ltd.
  (Transferee)
- (3) Flat-owners.
  [Person in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1728/72/Bom. and as registered on 5-10-1976 with the Sub-Registrar, Bombay.

F. J. FERNANDEZ

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 13th June 1977

(1) (1) Lady Maneckbai D. H. Bhiwandiwalla & (2) Phiroza D. H. Bhiwandiwalla

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Arihant Construction Company.

[Person in occupation of the Property]

(3) Tenants and Occupiers.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

SMT. K.G.M.P. AYURVEDICK HOSPITAL BUILDING, 5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 13th June 1977

Ref. No. AR-I/1849-18/Oct.76.—Whereas, I, F. J. FERNANDEZ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 1/638 of Malabar & Cumballa Hill Division

C.S. No. 1/638 of Malabar & Cumballa Hill Division situated at Butcher House, Gwalior Tank Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 6-10-1976

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 289/76/Bom. and registered on 6-10-1976 with the Sub-Registrar, Bombay.

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 13th June 1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

SMT. K.G.M.P. AYURVEDICK HOSPITAL BUILDING, 5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 13th 1977

Ref. No. AR-I/1857-27/Oct.76.-Whereas, I, F. J. FERNANDEZ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 2/369 of Malabar & Cumballa Hill Divn.

situated at Little Gibba Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at Bombay on 11-10-1976

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) (1) Smt. Mahalaxmi M. Jhaveri

(2) Kantilal M. Jhaveri

(3) Mr. R. M. Jhaveri Mr. G. M. Jhaveri and

(5) Narsinghdas

(Transferors)

(2) (1) Smt. Asaribai Narsingdas(2) Smt. Sitabai Purshottamdas Tolaram and

(3) Smt. Madhuri Chandrasen.

(Transferees)

(3) Tenants. [Person in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1935/ 72/Bom. and as registered on 11-10-1976 with the Sub-Registrar, Bombay.

> F. J. FERNANDEZ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 13th June 1977

(1) Shri Kavasji Tehmuras Modi and Shri Darius Tehmuras Modi.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (Transferor)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

(2) Unique Associates Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

SMT. K.G.M.P. AYURVEDICK HOSPITAL BUILDING, 5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 13th June 1977

Ref. No. AR-I/1861-31/Oct.76.—Wherens, J. F. J. FERNANDEZ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and beging

and bearing C.S. No. 87 of Colaba Division

situated at Reclamation

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 12-10-1976

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(3) Members of the Societies.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2910/72/Bom and registered on 12-10-1976 with the Sub-Registrar, Bombay.

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13th June 1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, SMT. K.G.M.P. AYURVEDICK HOSPITAL BUILDING, 5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,

BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 14th June 1977

Ref. No. AR-I/1869-39/Oct.76.—Whereas, I, F. J. FERNANDEZ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

C.S. No. 14 of Girgaum Division situated at Mama Parmanand Marg

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 20-10-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Soli Jehangir Sorabjee.

(Transferor)

(2) Hermes Commercial Premises Cooperative Society Ltd.

(Transferee)

(3) Tenants and Members of the Society.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the asidimmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Deed No. 778/76/Bom. and registered on 20-10-1976 with Sub-Registrar, Bombay.

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 14th June 1977

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, SMT. K.G.M.P. AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING, 5TH FLOOR, ROOM NO. 524, NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 14th June 1977

Ref. No. Acqn. Range-III/A.P.274/77-78.—Whereas, I, G. A. JAMES,

the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-III. Bombay,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 41(Pt.), Block-B, Plot No. 61 situated at Village Oshivara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-10-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Byramjee Jeejeebhoy Pvt. Ltd., 83, Jolly Maker Chambers II, 8th Floor, Backbay Reclamation, Nariman Point, Bombay-400 021.

(Transferor)

 (2) (1) Shri Bhupendra Vagejibhai Patel,
 (2) Mrs. Suresha Harshad Patel, Partners in the partnership firm of M/s. P. Royal Corporation, 61, Zaveri Bazaar, Bombay-400 002.

(Transferce)

(3) (1) Shri Shamji Dahyabhai Veera, (2) Smt. Hemlata Valabhii Veera, Legal Heir/representative of late Shri Vallabhji Dahyabhai Veera.

- (3) Shri Govindji Vasanji Desal,
  (4) Shri Vrajlal Monshi Bheda,
  (5) Shri Khimji Dhanji Bheda, (6) Shri Damji Khimji Bheda, (7) Shri Laxmichand Khimji Bheda,
- Shri Chunilal Khimji Bheda, Shri Kantilal Khimji Bheda,
- (10) Shri Arvindkumar Khimji Bheda, (11) Shri Surendrakumar Khimli Bheda,

Partners in the partnership firm of M/s. Veera Land Development Corporation, Sham Nagar, Veera Desai Road. Andheri (West), Bombay-400 058.

[Persons whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections ,if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land admeasuring 3079 square rards or thereabouts (equivalent to 2574 sq. mts. or thereabouts) situate lying and being at the Village Oshivara, Taluka Andheri, bearing Survey No. 41(Pt), Block No. B, Plot No.

61 and surrounded thereon as follows—
On or towards the South by 33 feet wide road;
On or towards the West by Plot No. B-56 of S. No. 41(Pt);

On or towards the East by Plot No. B-62 of S. No. 41(Pt);

On or towards the North by Plot No. B-50(a) of S. No. 41(Pt).

G. A. JAMES Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14th June, 1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV.

SMT. K.G.M.P. AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING, 5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,

BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 14th June 1977

Ref. No. AR.IV/751/Oct.76.—Whereas, I, G. A. 13

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1000 (part) Plot No. 1011,

situated at Rajendraprasad Road, Mulund (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub Registrar, Bombay on 20-10-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Harkishandas T. Aggarwal, Gupta Mills Estate, Reay Road, Bombay-400010.

(Transferor)

(2) K.D.O. Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 1011, Dr. Rajendra Prasad Road, Mulund (West), Bombay-80.

(Transferee)

- S. No., Floor, Flat No. & Name of the Present Owner
  - 1. Gr. A-1 Smt. Zaveribai S. Dand.
  - 2. Gr. A-2 Smt. Lilabai R. Khona.
  - 3. Gr. A-3 Shri Laxmichand U. Shah.
  - 4. Gr. A-4 Shri Asharia Chatrabhuj Shah.
  - 5. Gr. A-5 Shri Somehand Veeril Lodaya.
  - 6. Gr. A-6 Shri Manekji Damji Momaya.
  - 7. 1st A-7 Smt. Devkaben K. Gala.
  - 8. 1st A-8 Shri Devji P. Motta.
  - 9. 1st A-9 Shri Arvind Lalji Munvar.

  - 10. 1st A-10 Smt, Khetbal Lalli Soni.
  - 11. 1st A-11 Shri Jethalal Lalji Dharamshi.
  - 12. 1st A-12 Shri Navin V. Momava.
  - 13. 2nd A-13 Smt. Pritiben Murlidhar.
  - 14. 2nd A-14 Shri K. B. Murlidhar.
  - 15. 2nd A-15 Shri Pravin B. Kachalia,
  - 16. 2nd A-16 Shri P. K. Shah.
  - 17. 2nd A-17 Smt. Sonabal A. Dand.
  - 18. 2nd A-18 Smt. Mandakini D. Torgal.
  - 19. 3rd A-19 Shri Jagdish B. Attal.
  - 20. 3rd A-20 Smt. Laxmiben J. Dedhia.
  - 21. 3rd A-21 Shri Anil S. Thakkar.
  - 22. 3rd A-22 Shri Raichand G. Jain-
  - 23. 3rd A-23 Smt, Nirmalaben H. Doshi.
  - 24. 3rd Λ-24 Shri Himatlal N. Doshi.
  - 25. Gr. B-1 Shri Shamji K. Dand.
  - 26. Gr. B-2 M/s. C. D. Corporation. 27. Gr. B-3 Shri Kirtikumar P. Lodaya.
  - 28. Gr. B-4 Smt. Kamlabai S. Lodaya.
  - 29. 1st B-5 Shri Doongarshi N. Shah.
  - 30. 1st B-6 Smt. Champawati D. Shah.
  - 31. 1st B-7 Shri Jayant R. Mehta.
  - 32. 1st B-8 Shri Rajendra S. Churla.
  - 33. 2nd B-9 Shrl Rohitkumar T. Shah.
  - 34, 2nd B-10 Shri Rashmikant T. Shah.
  - 35. 2nd B-11 Shrl R. K. A. Narayan.
  - 36. 2nd B-12 Shri Shantilal J. Shah.
  - 37. 3rd B-13 Smt. Diwaliben R. Soni. 38. 3rd B-14 Smt. Purbai A. Dand.
  - 39. 3rd B-15 Shri Ramchandra P. Ghogale.
  - 40. 3rd B-16 Shri Lalji Damji Nagda.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of Agricultural land or ground situate lying and being on the Southern side of Dr. Rajendra Prasad Road in Mulund Taluka South Salsette District Bombay Suburban within Greater Bombay containing by admeasurement 2040 sq. yds. equivalent to 1705.64 sq. mts. or thereabouts and Registered in the books of the Collector of Land Revenue as Plot No. 1011 of S. No. 1000 (part) and bounded as follows that is to say on or towards the East by Plot No. 1012 of the said S. No. 1000 on or towards the West by a common roadway and beyond that Plot No. 1010 on or towards the South by Plot No. 1018 of the said S. No. 1000 and on or towards the North by Dr. Rajendra Prasad Road leading on Eastern side of Bombay Agra Road thereto.

G. A. JAMES

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Bombay.

Date : 14-6-1977

Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,

SMT. K.G.M.P. AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING, 5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 14th June 1977

Ref. No. 9A.IV/754/16/Oct. 76.—Whereas, I, G. A. JAMES 11—136GI/77

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Old S. No. 165, New S. No. 214 (part), situated at Village Kanjur, Taluka Kurla Dist. Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Sub-Registrar, Bombay on 28-10-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Ratansey Karsondas,
   Napean Sea Road, Bombay-26.
  - 2. Pratapsinh Mathuradas.
  - Pushpabai wife of Pratasinh Mathuradas, Sir Mathuradas Vissonji Road, Andheri, Bombay-58.
  - Jalsinb Vithaldas, Vishnu Villa, Worli Sea Face, Bombay.
  - 5. Pratapsinh Shoorji Vallabhdas.
  - Dilipsinh Shoorji Vallabhdas, Cutch Castle, Near Opera House, Bombay-4.
  - Bhanji Surji, Mohanji Lalji Bungalow, Netaji Subhash Road, Mulund, Bombay-80.
  - 8. Gopalji Virji Shoorji.
  - 9. Manibai widow of Virji Surji, deceased,

 Damayanti daughter of the said Virji Shoorji deceased.
 Ramji Shamji Chawl,
 Netaji Subhash Road,
 Mulund, Bombay-80.

Bachubai widow of Purshottam Bhanji deceased.

12. Kalyanji alias Arunkumar Purshottam Bhanji,

- 13. Vasantkumar Purshottam Bhanji.
- 14. Saraswati wife of Prahladrai Kheraj.
- Damayanti wife of Liladhar Kanji, Madhav Kunj, Derasar Lane, Ghatkopar, Bombay-77.
- Rukminiben wife of Purshottam Dayalji, Khimji Kuverji Bungalow, Carter Road, Mulund, Bombay-80.

(Transferor)

(2) Shri Krishna Kumar Khandelwal as Karta and Manager of his H.U.F., Shri Arun Kumar Khandelwal as Karta and Manager of his H.U.F., Shri Vinod Kumar Khandelwal, Ushalata daughter of Deviprasad Khandelwal, Suhsiladevi widow of Deviprasad Khandelwal, Partners in the partnership firm of M/s. Khandelwal Development Corporation, 2, Rehem Mansion, 44, S. Bhagat Singh Road, Bombay-400 039.

(Transferce)

(3) Khandelwal Mfg. Corporation Pvt. I.td., Khandelwal Industrial Estate, Bhandup, Bombay-78.

(Persons in occupation of the property)

(4) Khandelwal Mfg. Corporation Pvt. Ltd., Khandelwal Industrial Estate, Bhandup, Bombay-78.

> [Persons whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land hereditaments and premises admeasuring 10,159 sq. yds. or thereabouts equivalent to 8497 sq. mts. or thereabouts and situate in Village Kanjur (in Greater Bombay) Taluka Kurla in Registration Sub-District and District of Bombay Suburban and Bombay City (formerly in Taluka District and registration Sub-District Thana) and bearing Old S. No. 165 and new Survey No. 214 and bounded as follows, that is to say, On or towards the North by Plot bearing S. No. 50 of Bhandup Village, On or towards the South partly by plot bearing Old S. No. 165 and new S. No. 214 (part) of Kanjur and partly by plot bearing S. No. 212 of Kanjur and on or towards the Eas tby Central Railway and on or towards the West by the plot bearing Old S. No. 165 (part) and New S. No. 214 (part) of Kanjur.

G. A. JAMES
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 14-6-1977

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION KANGE-III, SMT. K.G.M.P. AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING, 5TH FLOOR, ROOM NO. 524 NETAH SUBHASH ROAD, BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 15th June 1977

Ref. No. Acqu. Range-III/AP.275/77-78.—Whereas, I, Shri G. A. JAMES, the Inspecting Assit. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-III, Bombay being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 3, H. No. 3 & 4, S. No. 2, H. No. 1 situated at Marol Maoshi Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Bombay on 18-10-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:—

- (1) Shri Baijnath Durgashankar Joshi, 'Chandan', North South Road No. 5, Juhu Development Scheme, Vile Parle (West), Bombay-400 056.
  - (2) Ghanshamdas Kundandas Chabria,14/12, 157 Nirmala Nivas,Main Road, Sion (East),Bombay-400 022. (Transferor)
  - (2) (1) Shri Anirudha Shivprasad Bhagat,
    (2) Smt, Shakuntala Anirudha Bhagat,
    Partners in the partnership firm of
    M/s. Unishear Connectors,
    Industrial Estate, Moghul Lanc,
    Mahim, Bombay-400 016. (Transferce)
- (3) Bhagat Engineering Company Pvt. Lta. 68/B, Woollen Mill Lane, Dadar, Bombay-400 014.

  (Name of person in occupation of property)
- (4) Bhagat Engineering Company Pvt. Ltd. 68/B, Woollen Mill Lane, Dadar, Bombay-400 014.

(Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of
   45 days from the date of publication of this notice
   in the Official Gazette or a period of 30 days from
   the service of notice on the respective persons
   whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter AXA, of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

FIRSTLY: All the piece or parcel of land or ground lying being and situate at Marol Maroshi Road admeasuring 11,814.38 sq. yds. equivalent to 9891.36 sq.mts. or thereabouts in the Bombay Suburban District in the registration Sub-District of Bandra bearing Survey No. 3, Hissa No. 4, Area 9985.04 sq. yds. equivalent to 8359.740 sq. mts. and Survey No. 2 Hissa No. 1 area 1828.34 sq. yds. equivalent to 1531.566 Sq. mts. according to the Records of Rights 2 Acres 3/4 Gunthas and area 164 Gunthas respectively and bounded as follows: That is to say on or towards the East partly by Survey No. 3, Hissa No. 2 on or towards the West partly by Survey No. 3, Hissa No. 5 and partly by Survey No. 3, Hissa No. 5 and partly by Survey No. 3, and partly by Marol Maroshi Road and on or towards the North partly by Survey No. 3 Hissa No. 5 and on or towards South partly by a passage and beyond that by Survey No. 2, Hissa No. 8 and partly by Survey No. 2. Hissa No. 1

and on or towards South partly by a passage and beyond that by Survey No. 2, Hissa No. 8 and partly by Survey No. 2, Hissa No. 1.

SECONDLY: All the piece or parcel of land or ground situate lying and being at Marol in South Salsette Taluka of Bombay Suburban District and Registration Taluka of Bombay Suburban District and Registration Sub-District of Bandra and containing admeasurement according to the Conveyance 968 Sq. yds. equivalent to 810.32 sq. mts. or thereabouts and bearing Survey No. 3 Hissa No. 3 Area 8 Gunthas.

G. A. JAMES
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Bombay.

Date: 15-6-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

SMT. K.G.M.P. AYURVEDICK HOSPITAL BUILDING, 5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 15th June 1977

Ref. No. AR-I/1841-10/Oct.76.—Whereas, I, F. J. FERNANDEZ,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 254 of Malabar & Cumballa Hills Division situated at Ridge Road

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 5-10-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Kaikhushru A. Patch; Naval alias N. H. Patch; Miss P. S. Patch; Miss Piloo H. Patch; Mrs. Gool N. Patch and Mr. Feroze N. Patch.

(Transferor)

(2) Shri Devilal B. Kothari; Prakash R. Jain; Pravinchandra S. Shah and Samarthlal Hiralal Jain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. 185/73/ Bom and registered on 5-10-1976 with the Sub-Registrar, Bombay.

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 15-6-1977

Part III—Sec. 1]

#### FORM ITNS-

(1) Pankaj Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
SMT. K.G.M.P. AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING,
5TH FLOOR, NETAII SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 15th June 1977

Ref. No. AR-I/1842-11/Oct.76.—Whereas, I, F. J. FERNANDEZ,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

C.S. No. 1871 of Bhuleshwar Division situated at Champawadi Cross Lane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 5-10-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(3) Tenants and Members of the Society.

(2) Pankaj Market Premises Co-operative Society Ltd.

(3) Tenants and Members of the Society. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Decd No. 524/1975/Bom and registered on 5-10-1976 with the Sub-Registrar, Bombay.

F. J. FERNANDEZ
Competent Anthority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 16-6-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  Shri Ishwardas H. Bhatia, Smt. Mohini I. Bhatia, Laxmi V. Baxi, Gceta I. Bhatia and Arun I. Bhatia.

(Transferors)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Rajasthani Mahila Mandal.

(3) Rajasthani Mahila Mandal.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J,

SMT. K.G.M.P. AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING, 5TH FLOOR. NETALL SUBLIASH ROAD, BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the June 1977

Ref. No. AR-1/1863-33/Oct.76. --Whereas, I, F. J. FERNANDEZ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/and bearing

C.S. No. 21/644 of Malabar & Cumballa Hill Divn. situated at Forjet St. X Lane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 12-10-76

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(Persons in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registration Deed No. 401/76/Bom. and as registered on 12-10-1976 with the Sub-Registrar, Bombay.

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: June 1977

FORM 1TNS-

(1) M/s. Himalaya Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II,

SMT. K.G.M.P. AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING, 5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 17th June 1977

Ref. No. A.R.II/2356-6/Oct.76.—Whereas, I, V. S. MAHAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Portion of S. No. 71 situated at Juhu

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 18-10-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ram Kalyandas Daryanoni and Shri Prem Kalyandas Daryanani, Partners of M/s. Sangerta Construction Co.

(Transferes)

#### Building No. 4-11

(3)

- 1. Mr. Jyoti Purshotamdas
- 2. Mr. Martin Xavier D'Sa
- 3. Mr. Surendra Aroar
- 4. Mrs. R. K. Choksi
- 5. Kamla A. Hatalkar
- 6. Mr. Yoginder Paul
- 7. Mr. S. H. Ramrajkar
- 8. Mr. St. Anne D'Souza
- 9. Mrs. Jaspal Singh
- 10. Mrs. Nooruma B. Jetha
- 11. Mrs. Kariman R. Sadique
- 12. Mr. H. L. Makheja
- 13. Mrs. Sundri Vasdev
- 14. Mr. S. K. Bhansal
- 15. Mrs. Rekha Madhu
- 16. Mr. D. P. Pandey
- 17. Sheeila D. Jethmalani

#### Building 4-B

- 1. Mr. Balkishin R. Sachwani
- 2. Mr. S. A. Saherwala
- 3. Mr. L. L. Fonseca
- 4. Mrs. S. M. Navalkar
- 5. Smt. Lucy Franco
- 6. Mr. Augustus Andrews
- 7. Smt. K. A. Kadas
- 8. Mrs. S. M. Dhansinghani
- 9. Smt. Devinder Kaur
- 10. Smt. Zenub Contractor
- 11. Mrs. Matha Monteiro
- 12. Mrs. B. V. Chitre
- 13. Mrs. Birahmidevi A. Dogra
- 14. Mr. R. A. Shetty
- 15. Mr. D. B. Changrani
- 16. Mr. R. H. Khosla
- 17. Mr. Ranjit S. Shethi
- 18. Mr. S. M. Sharma

#### Building No. 5-A

- 1, Mr. Kamal Bose
- 2. Mr. M. Y. Qureshi
- 3. Mrs. Rashima K. Yusuf
- 4. Mr. R. F. Rodrigues
- 5. Mr. Isidore D'Souza
- 6. Mr. Haji Mohomed Raman
- 7. Mr. J. A. Mohite
- 8. Mr. Bomfinho Vaz
- 9. Mr. Mohommed Ighal

- 10. Mr. Surjit Kaur Gujral
- 11. Mrs. S. S. Gharwal
- 13. Mr. Ram Khanna
- 13. Mr. Ramdhar Dalmia
- 14. Mrs. Indumeti M. Bhidi
- 15. Mrs. J. H. Patel
- 16. Mr. P. H. Randeria
- 17. Mr. S. S. Guiral
- 18. Mrs. Martha Dias.

#### Bullding No. 5-B

- 1. Mr. Amar Kaur S. Singh
- 2. Mrs. Sakinabai T. Nalwalla
- 3. Mr. Kamal Bosc
- 4. Mrs. Bibi Noor
- 5. Mr. Vajid H. S. Mirza
- 6. Mr. Mohan Bhagwanani
- 7. Mr. L. C. Rocha
- 8. Mr. Ajinkya R. Deo
- 9. Mrs. Sangeeta M. Sachdev
- 10. Mr. Sasoon Samson
- 11. Mrs. Mary Mendoca
- 12, Mr. S. V. Shinde
- 13, Mr. S. V. Kukad
- 14. Jani Rashmin Ramkishna
- 15. Smt. Raziya Siddique
- 16. Kamla Kishinchand
- 17. Mr. Uday Bhaduri

#### Building No. 6-A

- 1, Dr. Bhaskar Shetty
- 2. Mr. Ashar R. Gurshahani
- 3. Mr. C. D. Bagul
- 4. Mrs. Sham Kaur Gill
- 5. M. N. K. Ganesh
- 6. Mr. Lunnel Fonseca
- 7. Mrs. C. M. Daru
- 8. Mr. H. C. Patani
- 9. Mrs. Najoo D. Tata
- 10. Mrs. Filomena Figueiredo
- 11. Mr. Kesharsingh Bhagat Singh
- 12. Mrs. Sushila A. Shamdasani
- 13. Vidya N. Sadarangani
- 14. Mrs. Pramila A. Kriplani
- 15. Mr. Raza Murad
- 16. Mr. Pritpal Singh Bedi
- 17. Mr. Gurmit Singh Bedi
- 18. Mr. S. N. Mehta
- 19. Mr. Kamlakar S. Warde
- 20. Mr. Kayyum Khan

#### Building No. 6-B

- 1. Mr. Kuldeepchand Verma
- 2. Mr. Gurdev Singh Besson
- 3. Mr. Lawresh Michael
- 4. Mrs. Singdha Das Gupta
- 5. Mr. Ismail Haji Allarkha
- 6. Mr. Arun Mittra
- 7. M/s. India Trades Agency
- 8. Miss Belinda Rita Alva
- 9. Mr. R. S. Gujral
- 10. Mrs. Hansa Udyakumar
- 11. Mr. Sujan Singh Gujral
- 12. Miss Maya Nebhrajmal
- 13. Mrs. Parnati B. Kishnani

- Smt. Sati H. Gularojani
   Mr. S. S. Kapoor
   Mrs. Luiza Fernandes
- 17. Miss Saloni P. Shah
- 18. Mr. Suresh Kumar Stivastava
- 19. Mr. Virendra Rannao Mankar
- Mrs. Fatima B. Mir
   Mr. Jugal Kishore Sharma
   Mr. Moquim Roshanali

#### Building No. 6-C

- 1. Mrs. Gul-Shanbai Lokhandwalla
- Mrs. Abidabanu A. H. Alloo
   Mr. Sebastian Dias
- Mr. Douglas C. Mervya
   Mr. Naresh K. Haridas
- 6. Mr. Amar Singh Bedi 7. Mr. S. D. D. Gumasekar

- 8. Mr. Ajit Singh Khushal 9. Mrs. P. Radha Devi 10. Mrs. Shetty Banerjee 11. Mr. Zahidali R. Kazl
- 12. Mrs. Padamalata J. Shampat

- Mrs. Padamalata J. Sham
   Mrs. Kulsum Suleman
   Mr. Jamal Ahmed Bashir
   Mr. J. D. Engineer
   Mr. Madhu B. Shah
   Mr. Jusabali R. Lakhani
   Mr. Jayaram R. Shetty
   Mr. Jethanand Wadhumal
   Miss Bazia Vazid Misza
- 20. Miss Razia Vazid Mirza

#### Building No. 7-A

- 1. Master Ranjit Barot
- 2. Mr. H. K. Varma
- 3. Mr. K. Parviz
- 4. Mr. Mohamed A. Khan
- 5. Master Ahmedali K. Rupani
- 6. Mrs. Roshan P. Raja-
- 7. Meena Alias Veena Talpade
- 8. Mr. Paramodrai G. Bhatt
- 9. Mrs. Lila L. Chatlani
- 10. Mr. Bal Krishin C. Chibar
- 11, Mrs. Rekha Dutta
- 12. Mr. Abdul Karim Shaikh
- 13, Mrs. Asha Rani Gupta
- 14. Mrs. Jayshree Girish 15. Mr. F. S. Fernandes
- 16. Mr. Ashis Kumar
- 17. Mr. Amar Nath Kakri
- 18. Mr. Ramesh P. Joshi
- 19. Mrs. Vijaya B. Patange
- 20. Mrs. Yashmin A. Hamid 21. Mrs. Yashmin A. Hamid
- 22. Mrs. S. H. Javeri
- 23. Laxmiben G. Nanidami
- 24. M. Topandas Hariram

#### Building No. 7-B

- 1. Mr. Jitendra Ramji
- 2. Mr. Custodio Pedru Lobo
- 3. Mr. Charles Mendonza
- 4. Meeta
- 5. Mrs. Sonia J. Singh
- 6. Mrs. Gool Noshir Sidhwa
- 7. Mrs. Udaya Bhaduri
- 8. Mrs. Ana Fernandes
- 9. Miss Ishwari L. Mirchandani
- 10. Mrs. S. M. Kajriwal
- 11. Mrs. Arkal Shantabai
- 12. Mr. B. M. Vachhrajani
- 13. Mts. B. J. Dalmia
- 14. M/s. Ashok Organic Industries

- 15. Mr. Natvarlal C. Randeria
- 16. Mr. Arjan B. Hardasani
- 17. Mr. S. B. Sirchar
- 18. Mr. Haresh T. Mankanri
- 19. Mr. Indru J. Lalwani
- 20. Mr. Adelina Fernandes
- 21. Mr. Premchand Ramji Haria
- 22. Mr. Yog Raj Bhatia-
- 23. Mrs. Parpati K. Java
- 24, Mrs. Maya C. Makhija
- 25. Mr. Aloysius G. D'Souza.

#### Garages

#### S/Shri

- 1. Mr. Devraj B. Haria
- 2. Mr. A. G. D'Souza
- 3. Mr. Oswald Thayil
- 4. Mrs. Padamlata J. Sampat
- 5. Mrs. Premlata S. Kapoor
- 6. Mr. Haresh Kohili
- 7. M/s. Indu Pictures
- 8. M/s. Pashpati Pictures
- 9. Mr. Parvin Kumar Murgai
- 10. Mr. Narainbhai Chavan
- 11. Mr. Viljibhai P. Parmar
- 12. Mrs. Archand Mishra.

#### Building No. 7-C

#### S/Shri

- 1. Mrs. Sashi Kanta
- 2. Mr. Javkumar Amarlal
- 3. Mr. Surender Kumar
- 4. Mrs. Fatima Alhas Abas
- 5. Mr. Jahangir Cooper
- 6. Mrs. S. K. Gidwani
- 7. Mr. Abdul Jabbar Yusuf
- 8. Mrs. Neeta K. Kanakia
- 9. Mrs. Nalini G. Prabhu
- 10. Mr. Pushottam D. Pahijani
- 11. Mr. R. V. Mahavani
- 12. M/s. Rota Instrumentation
- 13. Miss Narseen S. Roshan14. Mr. Imambi Abdul Munshi
- 15. Miss Rajkumari R. Punjabi
- 16. Mrs. Shashi Agarwal
- 17. Mr. S. C. Gore
- 18. Mrs. Manju Sham Kapil
- 19. Mr. Tikam P. Advani
- 20. Mrs. H. K. Sethi
- 21. Mr. Haresh Kohil 22. Mr. K. A. Gore
- 23. Mrs. Devi T. Advani
- 24. Mrs. Annie D'Silva

#### Shops

- 1. Kum. Sheela Kapoor
- 2. Mrs. Premlata
- 3. Mr. P. M. Parmar
- 4. Mr. Liladhar K. Haria

(Persons in occupation of the property)

(4) M/s. Iishwardas Haridas Bhatia.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

12-136GI/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land or ground situate at Juhu South Salsette Taluka, Bombay Suburban District Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban containing by admeasurement 8931 square yards equivalent to 7468 square metres or thereabouts being a portion of Survey No. 71 and bounded as follows that is to say on or towards the East by the Government Land and on or towards the West partly by the buildings No. 41 and partly by 30 feet internal access road, on or towards the North by the property of Lady Chinoy and Roshan Ara Trust and on or towards the South by the Creek Land..

V. S. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 17th June 1977.

(1) Smt. Kanta Rani Agarwal w/o Shri Charanjit Lal Agarwal, r/o 11/4 Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE III, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 14th June 1977

Ref. No. 1AC/Acq. III/1229(12)/77-78.—Whereas, I, A. L. SUD

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C-35 situated at Shivaji Park, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 21-10-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(2) Shri Tulsa Singh s/o Sh. Santa Singh, r/o 20 North Avenuc, Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Piece of land measuring 452 sq. yds. bearing Plot No. C/35 situated in colony known as Shivaji Park, Delhi and bounded as under :-

North: Road

South: Plot No. C-37 East: Plot No. H-30 and 31

West: Road

A. L. SUD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range III Delhi/New Delhi.

Date: 14-6-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 13th June 1977

Ref. No. IAC/Acq. 111/549(2)/77-78,--Whereas, I, A. L. SUD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3408 Gali No. 1, situated at Rehgarpura, Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering New Delhi in October, 1976,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- (1) Smt. Chanon Devi w/o Shri Bodh Raj r/o 5140 Krishan Nagar, Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) 1. Shri Kashturi Lal 2. Sh. Hari Om
  - 3. Sh. Raghunandan Lal
  - Sh. Ramesh Chander, r/o 3408 Rehgarpura, Karol Bagh, N. Delhi.

(Transferee)

(3) Shri Kasturi Lal

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A single storeyed house constructed one plot of land measuring 110 sq. yds. bearing No. 3408 in Gali No. 1, situated at Rehgarpura, Karol Bagh, New Delhi & bounded as under :-

North: Desh Bhandhu Gupta Road

South: Gali

East: Khasra No. 2940 West: Khasra No. 2938

> A. L. SUD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range III Delhi/New Delhi.

Date: 13-6-1977

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE III, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 13th June 1977

Ref. No. IAC/Acq. 111/1226(8)/77-78,—Whereas I. A. L. SUD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/ and bearing

No. A-103 situated at Hari Nagar, Delhi

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 14-10-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chaman Lal and Sh. Roshan Lal sons of Sh. Milkhi Ram r/o WZ454 Shiv Nagar, Near Tilak Nagar, New Delhi-18 through their G. Attorney Sh. Subhash Chander s/o Sh. Anant Ram Chopra r/o K-3 Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

 Smt. Shashi Bala w/o Sh. Subash Chander.
 Sh. Om Parkash son of Sh. Anant Ram r/o BE-10 Hari Nagar, Clock Tower Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 220 sq. yds. bearing No. 103 in Block A situated in colony known as Hari Nagar, Delhi aud bounded as under:—

North: Gali 10'

South: Plot No. A-102 East: Plot No. A-104 West: Road 22'

A. L. SUD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi.

Date: 13-6-1977

(1) Shri Jagan Nath s/o Shri Jai Narain, r/o 298 Kucha Ghasi Ram, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> (2) Smt. Mangi Devi w/o Shri Laxmi Narain, 4533 Arya Samaj Road, Karol Bagh, New Delhi. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 14th June 1977

Ref. No. IAC/Acq. III/554(7)/77-78.—Whereas I, A. L. SUD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 10969, Plot 128/5A situated at Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 16-10-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same mething as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Single storyed house constructed on a plot of land measuring 62 sq. yds. bearing Muncipal No. 10969 Ward No. XVI, Plot No. 128 Block 5-A, Karol Bagh, New Delhi and bouned as under:—

North: Road South: Gali

East: Plot No. 126 and 127

West : Plot No. 129

A. L. SUD

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range III

Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-6-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE III,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELIII-1(110001)

New Delhi, the 13th June 1977

Ref. No. 1AC/Acq. 111/559(5)/77-78.—Whereas I, A. L. SUD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as given in Schedule situated at Village Chattarpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 25-10-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Savitri Bansal w/o Sh. Satya Paul Bansal r/o 15-B Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

 Shri Ram Avtar Bhageria s/o Sh. Baij Nath Bhageria r/o 104-E Kamla Nagar, Delhi.
 Sh. Krishan Gopal Bansal s/o Shri Jagdish Rai r/o 5258 Rajkuti, Kolhapur House, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 8 Bighas 19 biswas bearing Khasra Nos. 1643/1/2(3-9), 1643/2/2(0-14), 1654/1(1-0), and 1654/2-(3-16) situated at Village Chatarpur Tehsil Mehrauli, in the state of Delhi.

A. L. SUD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi.

Date: 13-6-1977

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE III, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 13th June 1977

Ref. No. IAC/Acq III/1223(4)/76-77.—Whereas I, A. L. SUD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 31 situated at Municipal Market, Tehar No. 11 (Ashok Nagar), New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 11-10-1976.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Ac,t, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Narınder Singh s/o Sh. Jagdish Singh r/o Attorney of Shri Brijeshwar Nath Mathur s/o Shri K. N. Mathur r/o C-4G Janakpuri, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Deepak Television Centre shop No. 31, Municipal Market. There No. 11 (New Delhi through its two partners— (Ashok Nagar) Sh. Fatch Chand 8/0 Sh. Chan Ram.
   Sh. M. K. Arya 8/0 Raja Ram.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 31 situated in Municipal Market, Tehar II (Ashok Nagar), New Delhi with the lease-hold rights of the land measuring 257.25 sq. ft. under the said shop and bounded under :-

East: North: Open West: South: Shop No. 30 East: South: Open

West: South: Open.

A. L. SUD

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range III Delhi/New Delhi.

Date: 13-6-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Surinder Kumar Soin s/o Shri Ram Nath Soin r/o 46, Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri M. C. Tandon s/o Shri Nanak Chand Tandon r/o B-7, N.D.S.E. Part II, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 13th June 1977

Ref. No. IAC/Acq. III/Oct. 551(4)/76-77.—Whereas I. A. L. SUD

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-7 situated at N.D.S.E. Part II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 13-10-1976.

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A single storyed house constructed on a plot of land measuring 372.8 sq. yds, situated at B-7, N.D.S.E. Part-II, New Delhi and bounded as under:—

North: House No. B-6 South: House No. B-8

East : Road West : Service Lane.

A. L. SUD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi.

Date: 13-6-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II.

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 13th June 1977

Ref. No. IAC/Acq. II/1268/77-78.—Whereas I, A, L. SUD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs, 25,000/- and bearing No.

85 to 88 situated at Gandhi Gali, Fateypuri, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1976,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--13--136G1/77

(1) Mahant Abhey Dass Chela Mahant r/o 423 Haveli Haider Quali, Chandni Chowk, Delhi. Mangal

(Transferor)

(2) Smt. Parmeshwari Devi w/o Shri Satya Narain and Smt. Kaushalya Devi w/o Shri Harl Ram r/o 85 to 88 Gandhi Gali, Fatheypuri, Ch. Chowk, Delhi.

(Transferee)

(3) S/Shri

l. Kirori Mal

- Gori Shanker Hari Chand
- Thakur Dass Mouzi Ram
- 6. Ramavtar Ram Pratap
- 8. Narain Dass
- 9. Layak Ram
- 10. Shyam Lal
- Ajit Singh
   Sohan Lal
- 13. Satya Narain 14. Hari Ram
- 15. Smt. Mulo Devi
- 16 Smt. Kalawati Devi

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

2] storyed building constructed on a plot of land measuring 216 sq. yds. situated at 85 to 88 in Gandhi Gali, Fatehpuri, Chandni Chowk, Delhi and bounded as under:—

North: Gandhi Gali

South: Muslim property
East: Property No. 84
West: Open private gali of House No. 89

A. L. SUI

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II

Delhi/New Delhi.

Date: 13-6-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II.

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

Ref. No. IAC/Acq.  $\Pi/1269/77-78$ ,—Whereas, I, A. L. SUD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Stall No. 26/2 situated at East Avenue Market, Sector No. 1. Punjabl Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 30-11-1976,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair

market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Shakuntla Lal w/o Sh. Girdharl Lal c/o J. D. Tytler School, East Park Road, Karol Bagh, New Delhi-5.

(Transferor)

(2) Shri Raj Pal Bhasin s/o Shri Ram Lal Bhasin r/o E-382 Rmesh Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Stall No. 26/2 constructed on land measuring 18,11 sq. yds. situated in East Avenue Market, Sector No. 1. Punjabi Bagh. New Delhi and bounded as under:—

North: Stall No. 26/1 South: Stall No. 26/3 East: Lavotry West: Open Lawn.

A. L. SUD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Date: 13-6-1977

(1) Shri Trimbak Ramchandra Sathe, 70-A/1, Erandavana, Poona-4.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411 004.

Poona, the 9th June 1977

Ref. No. C.A./55/Haveli-1/Oct. 76/330.—Whereas, I, Smt. P. Lalwani,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 70/A-1, F.P. No. 100-A, Prabhat Road situated at Erandavana, Poona-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Haveli-1, Poona on 7-10-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Sauhrad Co-operative Housing Society, Ltd. Chairman: Dr. Laxman Dattatraya Thatte, 70-A/1, Erandavana, Prabhat Road, Poona-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Propery at C.S. No. 70/A-1, F.P. No. 100-A/1, Prabhat Road, Erandavana, Poona-4.

Land admeasuring 12905 sq. ft. together with double storeyed building, garage and outhouse standing thereon.

(Property as described in the sale deed registered under No.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1437 dated 7-10-76 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-1, Poona).

Smt. P. LALWANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 9-6-1977.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA. KARVE ROAD, POONA-411 004.

Poona, the 16th June 1977

Ref. CA5/Haveli-II/Poona Jan '77/332 of 77-78.—Whereas I, Smt. P. Lalwani.

being the competent authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 127, Kothrud, situated at Poona

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Havel, II, Poons on 6-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri B. K. Jhala, Vivekanand Co-operative Housing Society Ltd., Dr. Ambedkar Road, Poona.

(Transferor)

 Jhala Co-operative Housing Society Ltd., S. No. 127, Kothrud Village, Poona-29.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at plot No. 2 part & buildings Nos. 1, 2, 3 & 4 (D-1, D-2 D13 & D-4) at S. No. 127, Kothrud, Poona, admeasuring 32380 sq. ft.

ing 32380 sq. ft.

(Property as mentioned in the registered deed No. 21 dated 6-1-77 of the Registering Authority, Haveli-II, Poona).

Smt. P. I.ALWANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 16-6-1977.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION KANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411 004.

Poona, the 16th June 1977

Ref. No. CA5/Haveli-II/Poona/Jan.'77/331/77-78.—Whereas J, Smt. P. Lalwani

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 127, Kothrud. Poona situated at Poona (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II, Poona on 6-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri B. K. Jhala, Vivekanand Co-operative Housing Society Ltd., Poona.
- (Transferor)

  (2) Jhala Co-operative Housing Society Ltd.,
  S. No. 127, Kothrud Village,
  Poona-29.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at plot No. 2, part & building No. 6, at S. No. 127 Kothrud, Poona, admeasuring 8475.5 sq. ft.

(Property as mentioned in the Registered deed No. 20 dated 6-1-77 of the Registering Authority, Haveli-II, Poona).

Smt. P. LALWANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 16-6-1977.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE KAKINADA

Kakinada the 15th June 1977

Ref No. Acq. File. No. 391.—Whereas, I, N. K. Nagarajan being the competent authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 358/10 Door No. 34 of 3rd ward situated at Nemalipuri Near Piduguralla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Piduguralla on 30-10-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mannem Appireddy, S/o Pullareddy JULAKALLO, Pulnad Taluk, Guntur District.

(Transferor)

- (2) Shri M/s Kanaka Durga Industrial Ginning Mill, Kattamuri Amarakagam & 11 others
- 1. Sri Kattamuri Amaralingam, S/o Ambaiah Piduguralla LIST OF TRANSFEREES
- 2. Sri Chittiprolu Sambasivarao, S/o Subramanyam --do------do---
- Sri Kolisetty Ramanjaneyulu, S/o Subbarao
   Sri Kattamuri Punnarao, S/o Koteswararao ---do---
- 5. Sri Koppuravuri Govindaiah S/o Venkatanarayana ---do--
- 6. Koppuravuri Venkatanarasimharao, S/o Sampuranam ---do--
- 7. Sri Raghuvarapu Satyanarayana, S/o Venkayya --do-8. Sri Vallambatla Lakhmaiah, S/o Venkapothuraju —do — 9. Shri Vandanapu Amaralingaiah, S/o Kotaiah —do— 10. Sri Kotta China Reghavaiah, S/o Anthaiah —do—

11. Sri Pathangi Ramarao, S/o Gopaiah --do-

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1873/76 registered before the Sub-Registrar, Piduguralla during the fortnight ended on 31-10-1976.

> N. K. NAGARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Kakinada.

Date: 15-6-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# **OF**FICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE KAKINADA

Kakinada the 15th June 1977

Ref No. Acq- File. No. 392.—Whoreas, I. N. K. Nagarajan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

R. S. Nos. 10 & 14 situated at Yanamadala village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 15-10-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Kidambi Raghuram S/o Radhakrishnamacharyulu, 1st linc, Arundelpet, Guntur

(Transferor)

(2) Shri Gorripaty Veera Reddy, S/o Kotireddy, CHUNDURU Tenali Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 4648/76 registered before the Sub-Registrar, the fortnight ended on 31-10-1976.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Kakinada.

Date: 15-6-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 15th June 1977

Ref No. Acq. File. No. 393.—Whereas, I, N. K. Nagarajan being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Rs. No. 10 & 14 situated at Yanamadala village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 15-10-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kidambi Devarajan, S/o Radhakrishnamacharyulu, Ist line, Arundelpet, GUNTUR

(Transferor)

(2) Shri Gorripaty Vecra Reddy, S/o Kotireddy, CHUNDURU, Tenali Tq.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

'The schedule property as per registered document No. 4649/76 registered before the Sub-Registrar, Guntur during the fortnight ended on 31-10-1976.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Kakinada.

Date: 15-6-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Patibanda Kasi Annapurna, W/o Prasadarao,
 1st Cross Road, Arundalpet, GUNTUR.

(Transferor)

(2) Shrimati Amirineni Leelavathi, W/o Suryanarayana, NARASAYAPALEM (P.O) Bapatla Taluk

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE KAKINADA

Kakinda, the 15th June 1977

Ref No. Acq. File. No. 394.—Whereas, I. N. K. Nagarajan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 212/1 situated at Chandramoulinagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur on 31-10-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 4835/76 registered before the Sub-Registrar, Guntur during the fortnight ended on 31-10-1976.

N. K. NAGARAJAN Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Kakinada.

Date: 15-6-1977

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

14-136GI/77

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE KAKINADA

Kakinada the 15th June 1977

Ref No. Acq. File No. 395.—Whereas, I, N. K. Nagarajan being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 365/1 situated at Vemagiri village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 21-10-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Pericheria Bala Maharshi alias Appalaraju S/o Satyanarayanaraju, VEMAGIRI

(Transferor)

(2) Thatineni Chayadevi, W/o Venkataramarao, Innespeta, RAJAHMUNDRY.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3657/76 registered before the Sub-Registrar, Rajahmundry during the fort night ended on 31-10-1976.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Kakinada.

Date: 15-6-1977

#### (1) Shri Amir Singh

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shri Amir Singh
[Person in occupation of the Property]

(2) Smt. Rajeshwari Devi, Tarun Gaurav

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 8th June 1977

Ref No. 120-R/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kothi No. 185 situated at Moh Civil Line, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bareilly on 20-10-1976.

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have eason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesuid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A house No. 185-B measuring 1209 sq. Metre, situated at Civil Line Jail Road, BAREILLY.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-6-77

- (1) Shri Krishna Dass, (Chunnu Prasad
- (Transferor)
- (2) Shri Ram Chandra, Syam Chandra Bhola Nath, Rajendra Prasad.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 8th June 1977

Ref No. 121-R/Acq.-Whereas, I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. K-16/1, situated at Moh. Hathi Gali, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 1910-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A house No. K-16/1 situated at Mathi Gali, Kotwali, Varanasi.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-6-1977

#### FORM ITNS----

(1) Shri Shankar Lal Shah

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vishnu Dutt Uniyal

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 13th June 1977

Ref No. 33-V/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Single Storeyed Tin Shed house situated at Melwell Shops Compaund, Nainital

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nainital on 13-10-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A single storeyed Tin Shed house measuring 2600 sq. tt situated at Melwell Compound Distt Nainital.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 13-6-1977

(1) Shri V. Subramanyam S/o Adappa, R/o Guntakal.

(Transferor)

(2) Guntakal Co-op. House Building Society Ltd. D. No. 764, Represented by President Sri Y. Hanumantha Rao, Guntakal, Ananthapur Dist.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACOUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th June 1977

Ref. No. RAC. No. 39/77-78.—Whereas, I, K. R. GUNARI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 288/F-1, 288Q/1-A & 287F situated at Guntakal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntakal, on 14-10-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Dry land S. No. 288/FI, 287F and 288G/IA at Guntakal total area 8.36 Acrs. Registered under Document No. 1571/76 at the Office of the Sub-Registrar Guntakal.

K. R. GUNARI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-6-1977.

(1) Sri R. Balayella Reddy, & others, C/o Cuddapah Finance Corporation, Cuddapah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Devagudi Sivasankara Reddy, S/o Balireddy, R/o Ramanapalli, Village, Cuddapah.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th June 1977

Ref. No. RAC. No. 40/77-78.—Whereas, I, K. R. GUNARI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nos. 1111/1, 1111/2, 1109/1, 1108/1, 1107/1, situated at Ramanapalli, Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cuddapah, on 18-10-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Wet land S. Nos. 1111/1, 1111/2, 1109/1, 1108/1 1110/1, 1107/1 situated at Ramanapalli, Village, Cuddapah. total area 1.55 Acrs. Registered vide Doc. No. 5141/76 at the Office of the Sub-Registrar Cuddapah.

K. R. GUNARI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-6-1977.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th June 1977

Ref. No. RAC. No. 41/77-78.—Whereas, I, K. R. GUNARI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Bit-I, 23 CAS, No. 475/P situated at Trunk Road, Nellore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore, on 30-10-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Property Association of Baptist Churches P. Ltd., represented by its power of Attorncy Agents, T. G. Gipson, R/o A.C.T. College, Lower Tank Bund Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sivodaya Education Committee, Represented by its President Vakati Sanjeevichetty, R/o Fathe-khanpet, Nellore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Nellore Bit-I, Fathekhanpet, Municipal Ward. No. 23, CAS. No. 475/P 2.20 Cents. Registered vide Document No. 3059/76 in the Office of the Sub-Registrar Nellore.

K. R. GUNARI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-6-1977.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th June 1977

Ref. No. RAC. No. 42/77-78.—Whereas, I, K, R. GUNARI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 15-1-5 & 15-1-6 situated at Osmangunj, Nizamshahi Road.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of (1908), in the office of the Registering Officer

at Hyderahad, on October-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

15—136GT/77

(1) 1. Khursheed Ali Khan, II. No. 8-1-364 at Toli-Chowki, Hyderabad. 2. Ahmed Bin Salah, S/o Salah Bin Ahmed, H. No. 22-8-32 at Chatta Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Leela Bai W/o Shankarlal Agarwal, H. No. 15-1-1 at Osmangunj, Hyderabad.

(Transferee)

\*(3) Gujarath General Stores, Prop. Hathimbai, 2. Jain Stationery Mart. Door, No. 15-1-5 3. T. Sri-mannanayana, & Co. 15-1-5 3. Gsmangunj, Hyderabad.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Premises bearing No. 15-1-5 and 15-1-6 admeasuring 154 Sq. Yds. situated at Nizamshai Road, Opp. to Osmangunj, Hyderabad. Registered vide Document No. 1857/76 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. R. GUNARI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-6-1977.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th June 1977

Ref. No. RAC. No. 43/77/78.—Whereas, I, K. R. GUNARI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 15-1-5 situated at Nizamshahi Road, Opp: to Osmangunj, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on October-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Khursheed Ali Khan, S/r Khaja Moinuddin Khan, H. No. 8-1-364 at 7 dt Chowki, Hydetabad.
 Sri Ahmed Bin Salah, 5/o Shalah Bin Ahmed, H. No. 22-8-32 at Chatta Bazar, Hydetabad.

(Transferor)

(2) Smt. Lecla Bai, W/o Shankerlal Agarwal, H. No. 15-1-1 at Osmangunj, Hyderabad.

(Transferee)

<sup>w</sup>(3) Gujarath General Stores, Prop. Hathimbai, 2. Jain Stationery Mart. Door. No. 15-1-5 3. T. Srimannarayana, & Co. 15-1-6 at Osmangunj, Hyderabod.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Premises bearing Shop. No. 15-1-5 admeasuring 68 Sq. Yrds, situated at Nizamshai Road Opp : to Osmangunj, Hyderabad., Registered vide Document No. 1858/76 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. R. GUNARI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-6-1977.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th June 1977

Ref. No. RAC. No. 44/77-78.—Whereas, I, K. R. GUNARI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 4-2-9 Asst-1503 situated at Hospital Road, Dharma-varam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the at Dharmayaram, on 18-10-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri A. V. Shahul Hamid Rowther, S/o Shaik Vahutappa Rowther, D. No. 53/A.2C III Stage, Sudhamanagar, Bangalore, Krataka, State.
- D. Y. Kullayappa S/o D. Y. Ramayya 2. D. Y. Ramayya S/o Nidi Mamidappa, Konapuram, hamlet, of Penukonda, Ananthapur, Dist.
   (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property Door. No. 4-2-9 Assessment No. 1503. Present Door No. 2/435. Total area of the site 367 Sq. Yds. situated at Hospital Road, Dharmavaram. Ananthapur-Dist.

K. R. GUNARI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 10-6-1977.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th June 1977

Ref. No. RAC. No. 45/77-78.—Whereas, 1, K. R. GUNARI,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion of 6-3-887/1 situated at Begumpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on 20-10-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initial proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) 1. Mrs. Lakshmi Narayan Bhavanani, 2. Sri Anil Bhavanani S/o late Sri Narayan P. Bhavanani, 3. Sri Bimal Bhavanani, Power of Attorney Holder Mrs. Lakshmi Narayan Bhavanani, for Vendor No. 2 and 3 all residing at A-29 Friends Colony, East New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Sumitra W/o Surender Shah, 2. Mrs. Rekha, W/o Jitendera Shah, both resident of 6-3-883/A/13 at Panjagutta, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that the portion of the double storeyed premises bearing M. No. 6-3-887/1 admeasuring 207.3 Sq. Yds. situated at Raj Bhavan Road, Begumpet, Hyderabad.

K. R. GUNARI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 10-6-1977.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th June 1977

Ref. No. RAC 710. 40/77-78. -Whereas, I, K. R. GUNARI.

being the Competent Authority under section

269B of the Income-inx Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a flar market value exceeding Rs. 25,090/- and arading No.

237,442, 413, 481, or rainty maps, reflore,

(and more fully lescribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Jogithering Officer

at Nellore, on 4 1-6-1976

for an apparent conditration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as abstantial except the apparent consideration by more than titteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Leela George, W/o late T. K. George, 6-Lady Madavan Nair Road, Madhavan Nair Colony, Madas-34. Represented by her G.P.A. K.C. Mathew, S/o K. M. Chacko, Wahab Pet, Nellore.

(Transferor)

(2) 1. Sri Bachu Konah, S/o Veera Ragaviah, 2, Kola Mohan Kumar, S/o Bala Kotiah, 3. Kola Hari Babu, S/o Bala Kotiah, Minor by guardian and father Kola Balakotiah, R/o Chowkacherla Village, Kovin-Fq, Nellore, Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House, Ward. No. 23/442, 443 and 444 situated at Wahab Pet, Nellore.

K. R. GUNAR1
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 13-6-1977.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th June 1977

Ref. No. RAC. No. 47/77-78.—Whereas, I, K. R. GUNARI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 13-6-762 & 13-5-763 situated at Peddakapu, St. Thirupathy,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jr. S.R.O. II, Madras on 9-9-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri A. M. Munirathnam, No. 47, Boardianpet, street, Sholingur-town Wallajah-'talq, North Arcot Dist.

(Transferor)

- (2) A. M. Velu Mudaliar, II. No. 146-T.P. Area, Thirupathy. Chittoor. Dist. (Transferee)
- (3) Smt. A. V. Saraswathammal, W.o A. M. Velu Mudaliar, H. No. 146-T.P. Area, Thirupathy. Chittoor. Dist.

[person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

- Undevided 1/4th share in unfinished construction known as "Seven Hills Lodgs". bearing Door. No. 13-6-762 Peddakapu, St. Thirupathy.
- Undevided 1/4th share n iH. No. 13-6-763 at Peddakapu, St. Thirupathy.

K. R. GUNARI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 13-6-1977.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Thakkar Ratilal Purshotamdas, (Unjha)
Present Address:—Krishna Baug, Maninagar,
Ahmedabad.

('fransferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th June, 1977

Ref. No. P. R. No. 513 Acq. 23-910/14-9/76-77..-Where-as, J. P. N. MITTAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income\_tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 144/Census No. 64/96/8 situated at Ward No. 6. Opp. Kamamayas Echind Patel Bldg., Unjha (N. Guj.) Dist. Mehsana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Re-

gistering Officer at Sub-Registrar, Unjha in October, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) 1. Patel Jayantilal Hargovandas 2. Patel Maganbhai Hargovandas: (Tundav Tal. Siddhpur) Present Address: -Kamaniavas, Behind Patel Bldg, Unjha

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of Notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building S. No. 144 Census No. 64/96/8 situated at Ward No. 6, Opp. Kamaniavas, Behind Patel Bldg., Uniha Dist. Mehsana. Land admeasuring about 328 sq. yds. (2953 sq. ft.) alongwith a two storeyed Bldg., as described in the sale-deed registered under registration No. 724 in the month of October, 1976 by the registering Officer, Uniha.

P. N. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 13-6-1977

Seal ·

#### FORM ITNS ----

(1) Smt. Shanti Devi W/o Tarachand Gupta Resident of 19/153, Govind Nagar, Lehamandi, Agra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Umesh Chai I Bonglik S. o. Devi. Dos. Manglik R o 15 253. Chaissoo Larwela, Agra.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kunpur, the 8th June 1977

Ref. No. 44/Acq 'Agra '77-78.--Whereas, I, R. P. BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 30-11-76

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (n) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House No. 3/2/21A including lease hold plot, situated at Nehru Nagar, Agra, Transferred for an apparent consideration of Rs. 41,800/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 8-6-77

#### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 10th June 1977

Ref. L. C. No. 142/77-78.—Whereas, I, C.P.A. VASU-DEVAN.

being the competent authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per Schedule situated at Urnakulam

(and more fully described in the Schedule

annexed here(0), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ernakulam on 11-10-1976

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Smt. Saradamma.

(Transferor)

(2) Shri M. Krishnakumara Menon.

(Transferee)

(3) Shri R. S. Sankaranarayanan.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Half right over 9.375 cents of land and Pathway and building No. 23/1473-B-vide schedule to Doc. No. 3118/76 dated 11-X-76.

C. P. A. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range, Frankulam

Date: 10-6-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 21st June 1977

Ref. No. IAC/ACQ.I/1230/76-77/1781.—Whereas, I. S. GILL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

NE-537, situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 27-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Pamela Eleanor Ferinends
 Dr. Nichael Colin Ferdinands
 r/o 25, Oakbrook Drive Bettendrof,
 Iows-52722, U.S.A. through her duly appointed general attorney Capt. E. N. Sinclair
 s/o Shri U. G. Sinclair
 r/o E-537, G. K. II, New Delhi.

(Transferor)

(2) The Theological Research and Communication Institute, E-453, G.K. II, New Delhi through their Secretary Mr. J. Nicholls, E-561, G.K. II, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All the rights, title and interest of the Vendor in and upon the piece and parcel of land and buildings being plot No. 537, Block No. 'E', measuring 400 sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash-II, situatedd in Village Bahapur in the Union Territory of Delhi, bounded as:

East: Road

West: Service Lane North: Plot No. E-539 South: Plot No E.-535

J. S. GILL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 21-6-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### ACI, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-1(110001), the 21st June 1977

Ref. No. IAC/Acq.I/1241/FebI(3)/76-77/1781.—Whereas, I, I. S. GILL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

M-18, situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 2-2-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dharam Singh son of Shri Battan Singh r/o A-2/140, Safdarjang Enclave, New Delhi-110016.

(Transferor)

(2) Mrs. Naiyer Jain
w/o Mr. Shree Pal Jain, and
Mr. Shree Pal Jain s/o Shri Muni Lal Jain
r/o 164, Vir Nagar, Delhl-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A 2½ storeyed commercial-cum-residential building bearing No. M-18. measuring 195 sq. yds. situated at Greater Kailash-II, New Delhi and bounded as under .—

East: Road West: Road

North: Shop Plot No. M-17 South: Shop Plot No. M-19

J. S. CYLL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 21 6-1977

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 14th June 1977

Ref. No. IAC/Acq. III/553(6)/77-78.—Whereas 1, A. L. SUD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), thereinafter referred to 98 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. As per Schedule rituated at As per Schedule No. 6464 Plot No. 54 situated at Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 15/10/1976,

for an apparent consideration which is less than the feir maker value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt, Basant Kaur wd/o S. Natha Singh, r/o F/5/1 Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Deep Chand s/o Shri Jiwan Mal, 1/0 6464/8B Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi. (Transferce)
- (3) Shri Durga Parshad, s/o Sh. Heit Ram, R/o 6551, Block No. 9, Gali No. 1 & 2, Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi.

[Person(s) whom the undersingned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A double storyed building constructed on a plot of land measuring 82 sq. yds. bearing Plot No. 54, Municipal No. 6464 Block No. 8-B, Gali No. 2-3, Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi and bounded as under:—

North: Gali South: Gali East: Plot No. 55 West: Plot No. 53

A. L. SUD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi.

Date: 14-6-1977